हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, मंगलवार, 16 सितंबर 2025

खबर संक्षेप

संसद भवन की सुरक्षा और होगी तगड़ी

नई दिल्ली। संसद भवन परिसर की सुरक्षा अब और भी चाक-चौबंद होने जा रही है। संसद भवन के चारों ओर की बाहरी परिधि में न सिर्फ विशेष प्रकाश की व्यवस्था की जाएगी बल्कि वहां बिजली युक्त बाड़ भी लगायी जाएगी। इतना ही नहीं, इस सुरक्षा कवच को और मजबूत बनाने के लिए परिसर को अत्याधुनिक ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क और घुसपैठ का पता लगाने वाली उन्नत प्रणाली से भी लैस किया जाएगा। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरों की चौकस निगाहें भी परिसर की हर गतिविधि पर चौबीसों घंटे नजर रखेंगी।

वैधता को चुनौती : सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम फैसले से सभी पक्ष खुश

वक्फ कानून बरकरार

तीन सदस्य गैर-मुस्लिम हो सकेंगे लेकिन नहीं होगी पांच साल की शर्त

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को रद्द करने से सुप्रीम कोर्ट ने इंकार कर दिया। हालांकि वक्फ कानून के कुछ प्रावधानों पर कोर्ट ने आंशिक संशोधन और एक पर पूर्ण रोक भी लगाई। कोर्ट ने कहा कि हम पूरे वक्फ कानून पर रोक नहीं लगा रहे हैं। हम नए कानून के कुछ प्रावधानों पर रोक लगा रहे हैं। सीजेआई ने कहा कि हम वक्फ करने के लिए 5 साल तक इस्लाम में ईमान रखने यानी इस्लामिक प्रैक्टिस की न्यूनतम अवधि की अनिवार्यता पर रोक लगा रहे हैं। वक्फ बोर्ड में तीन से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने इस विवादास्पद मुद्दे पर 128 पन्नों के अपने अंतरिम आदेश में कहा, पूर्व धारणा हमेशा कानून की संवैधानिकता के पक्ष में होती है और हस्तक्षेप केवल दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों में किया जा सकता है। पीठ ने कहा, हमें ऐसा नहीं लगता कि पूरे कानून के प्रावधानों पर रोक का कोई मामला बनता है। इसलिए, अधिनियम पर रोक के अनुरोध को खारिज किया जाता है। हालांकि, पक्षों के हितों की रक्षा और बैलेंसिंग द इक्विटीज के लिए, न्यायालय ने जिलाधिकारी को वक्फ संपत्तियां तय करने के लिए दी गई शक्तियों सहित कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी तथा वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम भागीदारी के मुद्दे पर आदेश जारी किया। 'बैलेंसिंग द इक्विटीज' वह कानूनी सिद्धांत है, जिसके तहत न्यायालय विवाद में शामिल सभी पक्षों के संभावित लाभ और हानि के साथ-साथ व्यापक सार्वजनिक हितों को भी ध्यान में रखता है, ताकि यह निर्णय लिया जा सके कि निषेधाज्ञा जैसी न्यायसंगत राहत प्रदान की जाए या नहीं। पीठ ने केंद्रीय वक्फ परिषद को निर्देश ▸▸|शेष पेज 7 पर

खास खबर

कोर्ट ने साफ किया कि कार्यपालिका किसी भी व्यक्ति के अधिकार तय नहीं कर सकती

सीजेआई की पीठ ने जारी किया 128 पन्नों का अंतरिम आदेश

सरकार ने किया स्वागत, विपक्ष ने कहा- 'विकृत मंशा' नाकामो

विपक्षी दलों ने अंतरिम आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि इसने संशोधित कानून के पीछे छिपी 'विकृति मंशा' को काफी हद तक नाकाम कर दिया है। सरकार ने भी फैसले का स्वागत किया। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है। अधिनियम के प्रावधान पूरे मुस्लिम समुदाय के लिए लाभकारी हैं। कई मुस्लिम संगठनों ने स्वागत किया। हालांकि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने निराशा जताई।

कोर्ट का फैसला: पहले क्या था, अब क्या होगा

कौन बन सकेगा वक्फ बोर्ड का सदस्य

- **पहले:** वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 में प्रावधान था कि पांच साल से ज्यादा समय तक इस्लाम धर्म का पालन करने वाले ही वक्फ बोर्ड के सदस्य बन सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रावधान पर रोक लगा दी।
- **अब:** कोर्ट के अनुसार, जब तक राज्य सरकारें इस संदर्भ में कोई उचित नियम नहीं बना लेती, तब तक वक्फ बोर्ड का सदस्य बनने के लिए यह शर्त लागू नहीं होगी।

गैर-मुस्लिमों की संख्या कितनी

- **पहले:** वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 में प्रावधान किया गया था कि वक्फ बोर्ड के 11 सदस्यों में गैर-मुस्लिम सदस्य भी शामिल होंगे।
- **अब:** सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वक्फ बोर्ड में 3 से ज्यादा गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं हो सकते हैं। वहीं, केंद्रीय वक्फ परिषद में भी 4 से ज्यादा गैर-मुस्लिम सदस्य शामिल नहीं होंगे। इसके साथ कोर्ट ने कहा है कि अगर मुमकिन हो तो किसी मुस्लिम सदस्य को ही बोर्ड का सीईओ बनाया जाना चाहिए।

जिला कलेक्टर के अधिकार पर क्या कहा

- **पहले:** वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के अनुसार, वक्फ बोर्ड जिस भी संपत्ति पर अतिक्रमण करेगा, वो संपत्ति सरकारी है या नहीं? यह तय करने का अधिकार जिला कलेक्टर के पास था।
- **अब:** इस पर रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जिला कलेक्टर को नागरिकों के व्यक्तिगत अधिकारों पर फैसला लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। यह शक्तियों के पृथक्करण का उल्लंघन होगा।

हरिभूमि-आईएनएच का रियल एस्टेट कॉनक्लेव...सृजन संवाद 20 को

दो सत्रों में होगा आयोजन, उपमुख्यमंत्री साव करेंगे उदघाटन, समापन समारोह में वित्त मंत्री चौधरी रहेंगे मौजूद

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

हरिभूमि-आईएनएच द्वारा सृजन संवाद कार्यक्रम की श्रृंखला में रियल एस्टेट कॉनक्लेव-2025, सृजन संवाद का आयोजन 20 सितंबर, शनिवार को सायाजी होटल वीआईपी चौक रायपुर में शाम 5 बजे आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर मीनल चौबे करेंगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक मोतीलाल साहू मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के समापन समारोह के मुख्य अतिथि वित्त एवं आवास पर्यावरण, योजना एवं सांख्यिकी मंत्री ओपी चौधरी होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरु खुशवंत सिंह साहेब मंत्री कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास विभाग करेंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक अनुज शर्मा मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान रियल एस्टेट से जुड़े लोग भी हिस्सा लेंगे। सृजन संवाद में छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट, प्रदेश की आधारभूत संरचना पर संवाद होगा। छत्तीसगढ़ के विकास में रियल एस्टेट की वर्तमान भूमिका और भविष्य पर मंथन किया जाएगा। कॉनक्लेव न केवल संवाद का मंच बनेगा बल्कि छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में सकारात्मक भूमिका निभाएगा।

उल्लेखनीय है कि हरिभूमि-आईएनएच द्वारा इससे पूर्व शिक्षा और स्वास्थ्य के विषय को लेकर सफल एवं उपयोगी सवांद कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ और उस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को सम्मानित भी किया गया था।

एसआईटी वनतारा के कामकाज से संतुष्ट

वनतारा को मिली सुप्रीम कोर्ट की क्लीन चिट, केस खारिज

मानहानि का मुकदमा करने को स्वतंत्र है वनतारा – सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीमकोर्ट ने वनतारा पर लगे सभी आरोपों को खारिज करते हुए उसे क्लीन चिट दे दी है। शीर्ष अदालत, गुजरात के जामनगर में रिलायंस फाउंडेशन द्वारा संचालित वनतारा (ग्रीन्स जूलॉजिकल रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर) की जाँच की माँग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। वनतारा पर जो आरोप लगाए गए थे, भविष्य में वैसे ही आरोपों पर की गई शिकायतों या कार्यवाही पर भी शीर्ष अदालत ने कुछ शर्तों के साथ रोक लगा दी है। वनतारा और संबंधित अधिकारियों को एसआईटी द्वारा सुझाए गए उपायों पर विचार करने और उन्हें लागू करने का निर्देश भी कोर्ट ने दिया। इससे पहले मामले की जाँच कर रही सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त एसआईटी ने भी अपनी रिपोर्ट में जामनगर स्थित प्राणी बचाव एवं पुनर्वास केंद्र वनतारा को क्लीन चिट दे दी थी। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लिया और कहा कि वनतारा में अनुपालन और नियामों की पालना के मुद्दे को लेकर एसआईटी संतुष्ट है।एसआईटी की रिपोर्ट को सीलबंद करके, गोपनीय रखने का आदेश कोर्ट ने दिया। हालांकि वनतारा को उसके अपने उपयोग के लिए इसकी प्रति उपलब्ध कराई जाएगी। शीर्ष कोर्ट ने एसआईटी की जांच के निष्कर्षों को गोपनीय नही माना। कोर्ट ने कहा कि "हम प्रतिवादी - वनतारा को किसी भी आपत्तिजनक प्रकाशन को हटाने या गलत सूचना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने या मानहानि के लिए कार्रवाई करने की स्वतंत्रता देते हैं।

" कोर्ट ने मीडिया और सोशल मीडिया में आई खबरों और गैर-सरकारी संगठनों व वन्यजीव संगठनों की विभिन्न शिकायतों के आधार पर वनतारा के खिलाफ अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए एक सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे. चेलमेश्वर की अध्यक्षता में चार सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। पिछले माह 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी गठन का आदेश दिया था। एसआईटी ने शुक्रवार को सीलबंद लिफाफे में अपनी रिपोर्ट कोर्ट को सौंप दी थी।''

'' कोई भी इस तथ्य से इंकार नहीं कर सकता कि न्यायमूर्ति चेल्लमेश्वर हमारे समय के सबसे बड़े न्यायविद हैं। उन्हें राजनीतिक वर्ग और अन्य सभी के दबावों और खींचातानी से अप्रभावित देखा गया है। वे एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखे जाते हैं जिनके पास दिल है, जो तर्क की आवाज़ हैं और जो धारा के विपरीत तैरने से भी नहीं डरते। वे असहमति की सबसे मज़बूत ताकत और असहमत लोगों की सबसे बड़ी आशा हैं। जब वे किसी विषय पर अपनी राय रखते हैं, तो वे ऐसा नैतिक साहस के साथ करते हैं, जो आज के समय में बहुत कम लोगों के पास है। जब उन्होंने वंतारा में भी कोई गलती नहीं पाई, तो यह न केवल सबसे कट्टर आलोचकों को भी आश्वस्त करना चाहिए बल्कि उन्हें हमेशा के लिए चुप करा देना चाहिए। ''

पृष्ठभूमि

* दो रिट याचिकाओं में वनतारा (ग्रीन्स जूलॉजिकल रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर एवं राधे कृष्णा टेंपल एलीफ़ेंट वेलफ़ेयर ट्रस्ट) में अवैधताओं और अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे।
* इससे पहले (25.08.2025) न्यायालय ने कोई ठोस प्रमाण नहीं पाया था, लेकिन गंभीरता को देखते हुए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों और वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में तथ्यान्वेषी जाँच के लिए एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया।

एसआईटी जाँच

* SIT ने कई भारतीय एवं विदेशी संस्थाओं (CZA, CBI, ED, DRI, कस्टम्स, CITES निकाय आदि) के साथ समन्वय किया।
* अभिलेखों, हलफ़नामों, स्थल निरीक्षण, विशेषज्ञ राय और व्यक्तिगत सुनवाई की जाँच की।
* पशु अधिग्रहण, तस्करी, अवैध लेन-देन, पशु कल्याण, संरक्षण, वित्तीय अनियमितताओं और पर्यावरणीय मुद्दों से संबंधित आरोपों की जाँच की।

मुख्य निष्कर्षः

1. कोई कानूनी उल्लंघन नहीं:
   * वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972, ज़ू नियम, CZA दिशा-निर्देश, कस्टम्स अधिनियम, FEMA, PMLA या CITES का कोई उल्लंघन नहीं पाया गया।
   * सभी अधिग्रहण और आयात विधिवत अनुमति प्राप्त एवं दस्तावेज़ित पाए गए।

वनतारा अर्थात जंगल का तारा : रिलायंस इंडस्ट्रीज की परोपकारी शाखा, रिलायंस फाउंडेशन द्वारा स्थापित एक पशु बचाव, देखभाल और पुनर्वास पहल है । यह भारत के गुजरात के जामनगर जिले के मोतीखावड़ी गाँव में 3,500 एकड़ की हरित पट्टी में स्थित है । इस परियोजना को आधिकारिक तौर पर 26 फरवरी 2024 को लॉन्च किया गया था और बाद में 4 मार्च 2025 को भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसका उद्घाटन किया गया था।

2. पशु कल्याण एवं सुविधाएँ:
   * वनतारा की सुविधाएँ कल्याण, प्रबंधन एवं पशु-चिकित्सा देखभाल के निर्धारित मानकों से बेहतर पाई गईं।
   * मृत्यु दर वैश्विक प्राणी उद्यानों के औसत के अनुरूप पाई गई।
   * ग्लोबल ह्यूमेन सोसाइटी द्वारा "ग्लोबल ह्यूमेन सर्टिफ़ाइड™ सील ऑफ़ अप्रूवल" प्रदान किया गया।
3. वित्तीय आरोप:
   * कार्बन क्रेडिट, पानी या मनी लॉनड्रिंग के दुरुपयोग के दावे निराधार पाए गए।
   * धन के प्रवाह में कोई अनियमितता या तस्करी से संबंध नहीं पाया गया।
4. बार-बार की जाने वाली शिकायतें:
   * न्यायालय ने नोट किया कि वनतारा के विरुद्ध बार-बार इसी तरह के आरोप लगाए गए, जिनका कोई आधार नहीं निकला।
   * ऐसी अटकलों पर आधारित याचिकाओं को प्रक्रिया का दुरुपयोग माना गया।

न्यायालय के निर्देश :

* SIT की रिपोर्ट सीलबंद की गई; वंतारा को आंतरिक उपयोग हेतु पूर्ण प्रति दी जाएगी।
* SIT रिपोर्ट का सार गोपनीय नहीं है और न्यायालय के आदेश का हिस्सा है।
* अनुसूची A में उल्लिखित सभी शिकायतें/याचिकाएँ समाप्त मानी जाएँगी।
* समान आरोपों पर भविष्य में किसी भी मंच पर कोई नई शिकायत स्वीकार नहीं की जाएगी।
* वनतारा एवं संबंधित प्राधिकरणों को SIT द्वारा सुझाए गए उपायों को लागू करना होगा।
* वनतारा मानहानिकारक प्रकाशनों के विरुद्ध कानूनी उपाय कर सकता है।
* SIT सदस्यों (सेवारत IRS अधिकारी को छोड़कर) को उनके कार्य हेतु मानदेय प्रदान किया गया।

निष्कर्ष:

सुप्रीम कोर्ट ने SIT की जाँच को पूर्णतः स्वीकार करते हुए मामलों को बंद कर दिया और समान मुद्दों पर बार-बार मुकदमेबाज़ी पर रोक लगा दी। न्यायालय ने वनतारा के कल्याण मानकों और संरक्षण प्रयासों की प्रशंसा की और निराधार आरोप लगाने के प्रति सावधान किया।

भाजपा के संगठन महामंत्री साय की कार का शीशा गमले से टूटा

भाजपा के संगठन महामंत्री पवन साय की कार के सामने का हिस्सा गमले से क्षतिग्रस्त हो गया। बिल्डिंग के नीचे खड़ी कार में किसी शरारती तत्व ने जानबूझकर गमला फेंका या गिरा, पुलिस इसकी जांच कर रही है। घटना की जानकारी मिलने पर हड़कंप मच गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अफसरों ने इसे गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस को जांच कर रिपोर्ट देने निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है, पवन साय सोमवार शाम के समय कोतवाली थाना स्थित एक डेंटल अस्पताल गए हुए थे। अस्पताल से बाहर निकलने के बाद उन्होंने देखा कि कार के सामने का शीशा टूटा हुआ है।

- गिरा या गिराया गया, पुलिस कर रही जांच

घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर कोतवाली पुलिस की टीम पहुंच गई। आसपास के लोगों ने पुलिस को बताया है कि श्री साय जब अस्पताल के अंदर गए थे, इस दौरान एक गमला ऊपर से आकर कार पर गिरा। मौके पर पहुंची पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की

पड़ताल कर जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है कि किसी ने जानबूझकर कार पर गमला तो नहीं फेंका या किसी घर की बालकनी से गमला अचानक से तो नहीं गिरा। पुलिस पड़ताल के बाद पता चल पाएगा कि किसी ने शरारत की है या दुर्घटना है।

युवक गायब, तेंदुआ के ले जाने की आशंका

कांकेर। शहर के मेलाभाटा स्थल से गायब युवक को तेंदुआ ले जाने की खबर सुबह से सोशल मीडिया में वायरल हुई। वन विभाग भी मौके पर पहुंचा, वहाँ पर दुर्गा पंडाल सजा रहे युवकों ने वन विभाग को बताया कि एक युवक यहीं पर रहता था, परंतु रात से गायब है। तेंदुआ आता रहता है। शायद तेंदुआ उठाकर ले गया होगा। इस घटना को किसी ने अपने आँखो से नहीं देखा है। सोशल मीडिया में चली खबर के बाद वन विभाग का अमला दोपहर से गढ़िया पहाड़ पर गायब युवक की खोजबीन में डटी रही। मुहल्लेवासियों ने बताया कि एक युवक यहीं पर पेड़ के चबूतरा में रहता था।

- गढ़िया पहाड़ पर खोजबीन में डटा रहा वन अमला

अचानक 15 सितंबर की सुबह से किसी को नहीं दिखाई दिया। युवक के अचानक गायब होने पर मुहल्लेवासियों ने एक दूसरे से पतासाजी किया, परंतु किसी भी तरह की खबर नहीं मिलने पर मुहल्लेवासियों ने आशंका जताया कि रात को कहीं इधर आने वाले तेंदुआ ने उसका शिकार तो नहीं कर लिया।

ट्रैप कैमरे भी लगाए जा रहे

कांकेर रेंज के परिक्षेत्र अधिकारी धनलाल साहू ने बताया कि सोशल मीडिया में वायरल हुई जानकारी के बाद मेलाभाटा में पहुँचा। दुर्गा पंडाल सजा रहे युवकों ने आशंका जताई, उसी के तहत हमारी टीम दोपहर से अभी तक खोजबीन में लगी रही। संभावित स्थानों पर ट्रैप कैमरा लगाया जा रहा है। तेंदुआ कल आया होगा, तो दुबारा अवश्य आएगा, उसी के बाद सही तस्वीर स्पष्ट हो पाएगी।

खबर संक्षेप

गाज की चपेट में आने से किशोर की मौत, 6 गंभीर

अम्बिकापुर। सूरजपुर जिलान्तर्गत विकासखंड ओड़गी के दूरस्थ ग्राम पंचायत पालकेवरा में गाज की चपेट में आने से एक किशोर की मौत हो गई वहीं आधा दर्जन ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को कोरिया जिलान्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत में भर्ती किया किया। हितग्राहियों के खाते में महतारी वंदन योजना की राशि कम आने की शिकायत पर रविवार को ग्रामीण पंचायत सचिव के पास गए थे स्थिति से अवगत होने के बाद पंचायत सचिव पेड़ के नीचे बैठकर हितग्राहियों के मोबाइल नंबर सहित अन्य दस्तावेजों को अपलोड कर रहे थे। इस दौरान अपराह्न 2 बजे गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी होने लगी जिसके कारण आसपास के भी कुछ ग्रामीण पहुंच गए। इस दौरान गाज गिरने से विजय चेरवा आ.झगर साय (17 वर्ष) सहित आधा दर्जन ग्रामीण चपेट में आ गए। गाज की चपेट में आने से विजर चेरवा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि 6 ग्रामीण झुलस गए।

बाइक नहीं दी तो युवक ने पिता को मार डाला

अंबिकापुर। बाइक चलाने के लिए नहीं देने और गिरवी रखने की बात से नाराज कलयुगी पुत्र ने पिता की डंडे से बेदम पिटाई कर दी। इस मारपीट से वृद्ध पिता की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि 14 सितम्बर को लखनपुर पुलिस को जमगला सरपंच की ओर से सूचना मिली थी कि गांव में एक युवक ने अपने पिता की हत्या कर दी है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। इस दौरान यह जानकारी सामने आई कि मृतक 45 वर्षीय रकसूदन वैष्णव अपने पुत्र रोशन वैष्णव के साथ रहता था और किसी ना किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होता रहता था। 14 सितम्बर को भी दोनों के बीच हुए झगडा विवाद में पुत्र ने पिता की हत्या कर दी। पुलिस ने जब मामले में जमगला निवासी 19 वर्षीय रोशन वैष्णव आ. रकसूदन वैष्णव को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

शराब पीने के बाद दो युवकों की मौत, जहर की आशंका

जांजगीर-बिर्रा। करही में शराब पीने के बाद दो युवकों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। आनन फानन में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें सारंगढ रेफर कर दिया गया। सारंगढ़ अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। शराब में जहर मिलाए जाने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना पर पुलिस जांच में जुट गई है। बिर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम करही में रहने वाले 30 वर्षीय सूरज यादव और 38 वर्षीय मनोज कश्यप ने सोमवार 15 सितंबर की सुबह करीब 10 बजे एक साथ बैठकर शराब पी। दोनों ने सुपर ग्रिप्सी नामक ब्रांड की शराब का सेवन किया। शराब पीने के कुछ ही मिनटों में दोनों की तबीयत बिगड़ने लगी। दोनों अचेत होकर गिर गए। जब कुछ ग्रामीणों की नजर पड़ी तो परिजनों को जानकारी दी गई। इसके बाद आनन फानन में दोनों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। सूरज और मनोज की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल सारंगढ़ जिला के अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में राज्य सैनिक बोर्ड की बैठक में हुआ फैसला

परमवीर चक्र प्राप्त वीर जवानों को एक करोड़, शहीद के आश्रितों को 50 लाख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

युद्ध तथा सैनिक कार्रवाई में शहीद सैनिकों की पत्नी अथवा उनके आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि में वृद्धि करते हुए इसे 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपए कर दिया गया है। इसके साथ ही युद्ध तथा सैनिक कार्रवाई में विभिन्न वीरता अलंकरण प्राप्त जवानों को दी जाने वाली राशि में भी वृद्धि की गई है। अब परमवीर चक्र प्राप्त वीर जवानों को 40 लाख रुपए की जगह 1 करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। यह महत्वपूर्ण निर्णय सोमवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई राज्य सैनिक बोर्ड की बैठक में लिया गया।

- वीरता अलंकरण प्राप्त जवानों को दी जाने वाली राशि में भी वृद्धि

मंत्रालय महानदी भवन में मुख्यमंत्री श्री साय की अध्यक्षता में सैनिक कल्याण विभाग की छठी राज्य सैनिक समिति की बैठक हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, हमारे सैनिक देश की सुरक्षा के लिए अपना जीवन न्यौछावर करते हैं। हम उनके शौर्य और बलिदान को नमन करते हैं। सरकार भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। बैठक में शहीदों की वीर नारियों, भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं एवं उनके आश्रितों के लिए राज्य द्वारा संचालित कई कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, 140 करोड़ देशवासियों की सुरक्षा में हमारे वीर जवान दिन-रात तत्पर रहते हैं।

भारत माँ की सेवा में अपना जीवन अर्पित करने वाले इन वीर सपूतों का कल्याण करना सबका दायित्व और कर्तव्य है। बैठक में भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं और उनके परिजनों के हित में सार्थक चर्चा हुई है। बैठक में लिए गए निर्णयों का लाभ भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों तक सीधे पहुंचेगा। भूतपूर्व सैनिकों की बेहतरी के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी सदस्यों द्वारा दिए गए हैं, जिन पर सकारात्मक रूप से विचार कर उचित निर्णय लिया जाएगा।

अनुग्रह राशि में इजाफा

बैठक के दौरान भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं एवं उनके आश्रितों के हित में कई महत्वपूर्ण एजेंडा बिंदुओं पर निर्णय लिये गए। इनमें युद्ध तथा सैनिक कार्रवाई में शहीद (बैटल कैजुअल्टी) सैनिकों की पत्नी अथवा आश्रितों को अनुग्रह राशि 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख करना, विभिन्न शौर्य अलंकरण प्राप्त सैनिकों को दी जाने वाली राशि में वृद्धि करना शामिल है। अब परमवीर चक्र प्राप्तकर्ता सैनिक को 40 लाख की जगह 1 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इसी प्रकार सैनिकों के माता-पिता को दी जाने वाली जंगी इनाम राशि 5 हजार रुपए प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 20 हजार रुपए कर दी गई है। युद्ध तथा सैनिक कार्यवाही में दिव्यांग हुए सैनिकों की अनुदान राशि 10 लाख से बढ़ाकर 30 लाख रुपए कर दी गई है। साथ ही सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं विधवाओं को प्रथम भूमि/गृह क्रय करने पर 25 लाख रुपए तक के स्टाम्प शुल्क में छूट देने का निर्णय लिया गया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन अमिताभ जैन ने मुख्यमंत्री को बालवृक्ष भेंट किया। तत्पश्चात सैनिक कल्याण संचालनालय छत्तीसगढ़ के संचालक एवं राज्य सैनिक समिति के सचिव ब्रिगेडियर विवेक शर्मा, विशिष्ट सेवा मेडल (से.नि) ने राज्य सैनिक बोर्ड, छत्तीसगढ़ की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने 13 जनवरी 2012 को आयोजित पांचवीं राज्य सैनिक बोर्ड की बैठक की कार्यवाही विवरण पर प्रगति रिपोर्ट दी और छठी बैठक में सम्मिलित एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा प्रारंभ की। बैठक में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद रायपुर बृजमोहन अग्रवाल, मध्य भारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल पदम सिंह शेखावत (पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम), अपर मुख्य सचिव गृह विभाग मनोज पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, केंद्रीय सैनिक बोर्ड नई दिल्ली के सचिव ब्रिगेडियर डीएस बसेरा (विशिष्ट सेवा मेडल), कमांडर छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा सब एरिया ब्रिगेडियर तेजिंदर सिंह बावा (सेना मेडल), सचिव वित्त विभाग अंकित आनंद, सचिव सामान्य प्रशासन विभाग अविनाश चंपावत, मेजर जनरल संजय शर्मा (से.नि), विंग कमांडर ए. श्रीनिवास राव (से.नि), विक्रांत सिंह एवं राजेश कुमार पाण्डेय राज्य सैनिक समिति छत्तीसगढ़ के सदस्यगण उपस्थित थे।

रीएजेंट घोटाला, दो अधिकारियों की जमानत याचिका हाईकोर्ट से खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने मोक्षित कार्पोरेशन द्वारा किए गए रीएजेंट घोटाले में संलिप्त अधिकारियों की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी है। मामले में मुख्य सूत्रधार और मोक्षित कार्पोरेशन के संचालक शशांक चोपड़ा की नियमित जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट से आठ सितंबर को ही खारिज हो चुकी है। सोमवार को हाईकोर्ट में हुई सुनवाई में सीजीएमएससी के डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर अनिल परछाई और असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर बसंत कौशिक की जमानत याचिका खारिज की गई। ध्यान रहे कि रीएजेंट घोटाले में संचालक शशांक चोपड़ा सहित 6 आरोपी जेल में है। रीएजेंट घोटाले की ईडी के अलावा एसीबी और ईओडब्ल्यू भी जांच कर रही है। यह पूरा घोटाला 400 करोड रुपए का माना गया है। इसमें गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ विवेचना पूरी कर चालान पेश हो चुका है। जबकि अन्य आरोपियों के खिलाफ विवेचना जारी है। गिरफ्तारी के बाद नियमित जमानत के लिए मोक्षित कार्पोरेशन के संचालक शशांक चोपड़ा सहित सीजीएमएससी और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने याचिका लगाई थी। सीजीएमएसी के डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर अनिल परसाई और असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर बसंत कौशिक द्वारा लगाई गई याचिका में सुनवाई हुई।

क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर की गड़बड़ी

इस दौरान बताया गया कि ईओडब्लू की जांच में और सत्यापन में पाया गया कि मार्केट में डेढ़ रुपए से लेकर साढ़े आठ रुपए तक मिलने वाला ईडीटीए ट्यूब 352 रुपए प्रति ट्यूब के हिसाब से खरीदा गया है। एफआईआर में इसका जिक्र है जबकि एफआईआर के बाद हुई विवेचना में 2352 रुपए में ट्यूब खरीदने के बात कही गई है। दोनों बातों में परस्पर विरोधाभास है और इस हिसाब से चार सौ करोड़ रुपए से ज्यादा का यह घोटाला है। इसके अलावा डॉक्टर अनिल परसाई को विभाग द्वारा जारी वर्किंग डिस्ट्रीब्यूशन के अनुसार उन्हें केवल आहरण एवं संवितरण का अधिकार दिया गया था ना कि खरीदी का।

आज मामले की राजधानी रायपुर में होगी सुनवाई

तेलंगाना पर 18 सौ करोड़ का बकाया अब नियामक आयोग में होगा फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी का तेलंगाना पॉवर कंपनी हर प्रयास के बाद भी बकाया 18 सौ करोड़ देने तैयार नहीं है। ऐसे में अंत में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। हाईकोर्ट ने इस मामले में सुनवाई से इनकार करते हुए इस मामले को छत्तीसगढ़ राज्य बिजली नियामक आयोग में लगाने के लिए कहा। ऐसे में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने इस मामले की याचिका आयोग में लगाई है। इस मामले में अब 16 सितंबर को सुनवाई होने वाली है।

मामला सुलझाने के लिए दोनों कंपनियों को अपने-अपने आर्बिटेटर नियुक्त करने हैं। इसके लिए प्रदेश की पॉवर कंपनी तो तैयार है, लेकिन अब तक तेलंगाना ने इस पर सहमति नहीं दी है। अब आयोग में इस मामले में कल कोई फैसला होगा। दरअसल तेलंगाना पर पॉवर कंपनी का 36 सौ करोड़ बकाया है, इसमें से तेलंगाना ने 21 सौ करोड़ का ही बकाया माना है। इसको किस्तों में दिया जा रहा है। अब पॉवर कंपनी ने तेलंगाना को बिजली देना भी बंद कर दिया है। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने जब मड़वा में 500 मेगावाट के दो संयंत्र लगाए थे तो इनके प्रारंभ होने के पहले ही प्रदेश सरकार ने तेलंगाना को इस संयंत्र की पूरी बिजली देने का अनुबंध कर लिया था।

15 सौ करोड़ से बकाया हो गया 18 सौ करोड़

तेलंगाना ने पहले 15 सौ करोड़ का ही बकाया माना था। इसके बाद उसने छह सौ करोड़ का बकाया और माना। ऐसे में कुल 21 सौ करोड़ का बकाया तेलंगाना ने माना है। इसकी राशि बरसों से किस्तों में मिल रही है। अब तक 15 सौ करोड़ किस्तों में मिल चुके हैं। अब भी छह सौ करोड़ का बकाया है। इसी के साथ 36 सौ करोड़ में से जो 15 सौ करोड़ का बकाया नहीं माना गया था, उस पर सरचार्ज मिलाकर 18 सौ करोड़ हो गया है। केंद्र सरकार के ऊर्जा मंत्रालय में कई बार शिकायत की गई, लेकिन इसका भी फायदा नहीं होने पर अब बकाया वसूली के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने बिलासपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाई तो हाईकोर्ट ने इस मामले में बिजली नियायक आयोग जाने की सलाह है। इसके बाद अब आयोग में याचिका लगाई गई है।

36 सौ करोड़ बकाया माना ही नहीं

तेलंगाना पर 36 सौ करोड़ के बकाया को लेकर ही कई सालों से विवाद चल रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी का कहना है कि बकाया 36 सौ करोड़ है, पर तेलंगाना इतना बकाया मानने कभी तैयार ही नहीं हुआ। जब पॉवर कंपनी के चेयरमैन शैलेंद्र कुमार शुक्ला बने थे, तब वे तेलंगाना भी गए। लेकिन मामला नहीं सुलझा।

आयोग में लगाई है याचिका

हर तरह से प्रयास करने के बाद भी तेलंगाना बकाया देने तैयार नहीं हो रहा है, इसलिए इस मामले में हाईकोर्ट बिलासपुर में याचिका लगाई गई थी, लेकिन हाईकोर्ट ने मामले को बिजली नियामक आयोग में ले जाने के लिए कहा तो अब आयोग में याचिका लगाई है।

\- भीम सिंह कंवर, एमडी, छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी

सरगुजा में आदिवासियों के धर्मांतरण का चल रहा खेल

अंबिकापुर। सरगुजा में इन दिनों भोले भाले आदिवासी ग्रामीणों के धर्मांतरण का खेल बड़े पैमाने पर चल रहा है। अब स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि नाबालिग बच्चियों का माइंड वाश कर, पैसों का लालच देकर धर्म परिवर्तन करने के लिए उकसाया जा रहा है। इस बात का खुलासा होने के बाद अब हड़कंप हो गया है। धर्मांतरण के मामले को विधायक सीतापुर ने गंभीरता से लिया है और जांच एवं कार्रवाई की बात कही है। वही धर्म रक्षा समिति ने भी मोर्चा खोल दिया है और समिति की शिकायत पर पुलिस ने एक महिला के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

- एफआईआर दर्ज विधायक ने दिए कार्रवाई के निर्देश

दरअसल मैनपाट के सरभंजा में रहने वाली आरती मांझी आ. संतराम मांझी केसरा, सरभंजा गांव की चार से पांच नाबालिग बच्चियों को लेकर चर्च की ओर जा रही थी। इस बात की जानकारी जब धर्म रक्षा समिति के दिलवर यादव को हुई तो वे पूरी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और रोककर महिला व नाबालिग बच्चियों से पूछताछ की। इस दौरान यह बात सामने आई कि महिला बच्चियों को लेकर बरिमा के पथरई स्थित चर्च लेकर जा रही थी। चर्च में बच्चियों का बत्तिसमां रखा गया था।

जानना होगा उनकी घरेलू स्थिति को

घटना की जानकारी मिलने के बाद कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही अब हम सभी को ग्रामीण अंचल में जाकर उनकी घरेलू स्थिति को जानना होगा। उनकी परिस्थितियों को ठीक करना होगा। प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार इसी दिशा में काम कर रही है।

राम कुमार टोप्पो
विधायक

परिजन ने की कार्रवाई की मांग

धर्मांतरण को लेकर बच्चियों के परिजन ने भी पुलिस से शिकायत की है और कार्रवाई की मांग की है। बच्चियों के परिजन का आरोप है कि महिला बिना अनुमति के उनके परिवार की नाबालिग बच्चियों को धर्म परिवर्तन के लिए उकसा रही थी। जब वे काम के लिए घर से निकल जाते थे तो महिला घर आकर बच्चियों को अपने साथ लेकर चर्च जाती थी।

पुलिस ने दर्ज किया अपराध

महिला द्वारा भोले भाले आदिवासी बच्चियों का धर्मांतरण करने के मामले में धर्म जागरण समिति के दिलवर यादव राम अवध यादव ने घटना की शिकायत मैनपाट पुलिस से की है। युवक की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी महिला कमलेश्वरपुर सरभंजा निवासी आरती मांझी आ. संतराम मांझी के खिलाफ छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 1968 की धारा 5(क) के तहत अपराध दर्ज किया है। दिलवर यादव का आरोप है कि उक्त महिला के बारे में पूर्व से शिकायत मिल रही थी। पहले वह गांव के युवाओं, शादी शुदा लोगों को प्रलोभन दे रही थी लेकिन लोग उसके झांसे में नहीं आए तो उसने छोटी बच्चियों को अपने झांसे में ले लिया।

10वीं-12वीं की परीक्षा में शामिल होने 75% उपस्थिति अनिवार्य

छात्रों को याद दिलाए गए नियम, आंतरिक मूल्यांकन बोर्ड परीक्षा का अनिवार्य हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में बैठने के लिए पात्रता नियम जारी किए हैं। बोर्ड ने कहा है कि परीक्षा देने के लिए छात्रों का स्कूल में न्यूनतम 75% उपस्थिति होना अनिवार्य है। निर्देशों के अनुसार, छात्र को बोर्ड परीक्षा में शामिल होने के लिए सभी विषयों की 2 साल तक पढ़ाई करनी होगी। सीबीएसई द्वारा दिए जाने वाले सभी विषयों में आंतरिक मूल्यांकन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार अनिवार्य हिस्सा है। बोर्ड ने कहा, कक्षा 10वीं और 12वीं दो साल का प्रोग्राम हैं। दसवीं की परीक्षा में शामिल होने के लिए नवमी कक्षा की पढ़ाई विधिवत करना जरूरी है। इसी तरह से बारहवीं की परीक्षा में बैठने के लिए ग्यारहवीं अनिवार्य है। आंतरिक मूल्यांकन दो साल की प्रक्रिया है। अगर छात्र स्कूल नहीं आते हैं, तो उनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं हो सकता। आंतरिक मूल्यांकन में प्रदर्शन न होने पर छात्र का परिणाम घोषित नहीं किया जा सकता। ऐसे छात्रों को, भले ही वे नियमित छात्र हों, पुनरावृत्ति श्रेणी में रखा जाएगा।

फाइल फोटो

अतिरिक्त विषयों के लिए अनुमति जरूरी

कक्षा 10वीं और 12वीं में छात्रों को अतिरिक्त विषय चुनने का विकल्प दिया जाएगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, कक्षा 10 में छात्र अनिवार्य 5 विषयों के अलावा 2 अतिरिक्त विषय चुन सकते हैं, जबकि कक्षा 12 में केवल 1 अतिरिक्त विषय लिया जा सकता है। अतिरिक्त विषय चुनने वाले छात्र इसे दो साल तक पढ़ेंगे। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी स्कूल ने किसी विषय को पढ़ाने की अनुमति सीबीएसई से नहीं ली है और उनके पास शिक्षक, लैब या अन्य सुविधाएं नहीं हैं, तो छात्रों को वह विषय मुख्य या अतिरिक्त विषय के रूप में नहीं दिया जाएगा।

रायपुर

मंगलवार, 16 सितंबर 2025

आश्विन कृष्ण पक्ष दशमी

वर्ष : 24, अंक : 61

पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम

अधि. 29.1

न्यून. 26.1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

6 ब्लॉग में संजोईं मालदीव की झलकियां

विचार पेज 4 विद्रोह की पड़ताल आवश्यक

डीएमएफ की 70 प्रतिशत राशि अब खर्च होगी पेयजल, पर्यावरण, शिक्षा और स्वास्थ्य पर, बदल गए नियम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ सरकार ने जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) नियम में बड़ा बदलाव किया है। अब सरकार ने तय किया है कि डीएमएफ की राशि में से 70 प्रतिशत पेयजल, पर्यावरण, प्रदूषण नियंत्रण, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, जैसे काम में खर्च की जाएगी।

इसके साथ ही 10 प्रतिशत राशि स्थायी आजीविका के साधन जुटाने के लिए अक्षय निधि में रखी जाएगी। नए नियम में डीएमएफ संबंधी शिकायतों के निराकरण और निगरानी के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। राज्य सरकार ने डीएमएफ नियम 2015 में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं, जो काफी विस्तृत और कई बिदुओं पर आधारित हैं। इसमें यह बात शामिल है कि गौण खनिजों के अलावा अन्य खनिजों की खानों की सीमा से 15 किलोमीटर अधिक नहीं बढ़ाया जाएगा।

खानों से प्रभावित क्षेत्र ग्राम और ग्राम पंचायतें या स्थानीय शहरी निकाय जिनके भीतर खानें (गौण खनिजों के अतिरिक्त मौजूद और प्रचलनरत हैं। ऐसे खनन क्षेत्र पड़ोसी गांव, कस्बे, ब्लाक, या जिले या यहां तक कि राज्य तक भी विस्तृत हो सकते है। एक से अधिक जिलों में प्रभावित क्षेत्र को स्पष्ट किया गया कि यदि एक जिले में, किसी खान का प्रभावित क्षेत्र दूसरे जिले के अधिकार क्षेत्र में भी ▶▶|शेष पेज 7 पर

नियम में बताया कौन होगा खनिज प्रभावित

70 प्रतिशत राशि इन काम में लगेगी

डीएमएफ नियम में बदलाव का सबसे बड़ा पहलु ये है कि अब इस मद की राशि का 70 प्रतिशत हिस्सा उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर खर्च किया जाएगा। इसमें पेयजल आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के उपाय, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, वृद्ध एवं द्विव्यांगजन कल्याण, कौशल विकास और आजीविका सृजन, स्वच्छता, आवास, कृषि पशुपालन क्षेत्र शामिल किए गए हैं। बाकी 30 प्रतिशत राशि अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में लगेगी। इसमें भौतिक संरचन विकास, सड़क, पुल, रेल और जलमार्ग परियोजनाएं, सिंचाई के लिए चेक डैम, डायवर्जन, उर्जा विकास और वाटरशेड विकास पर खर्च किए जाएंगे।

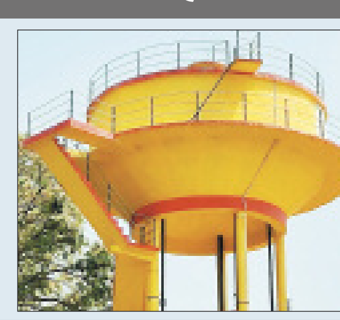

कौन होगा खनन प्रभावित

नियम में कहा गया है कि खनन प्रभावित व्यक्तियों में उन लोगों को शामिल करना चाहिए जिनके पास खनन की जा रही भूमि पर वैधानिक और व्यावसायिक अधिकार है, जिनके पास उपभोग और पारंपरिक अधिकार है और जिनकी आजीविका खनन के कारण प्रभावित हुई है।बनेगी पंचवर्षीय योजनाअब डीएमएफ पांच वर्षों के लिए एक रणनीति तैयार करेगा और उसे एक परिप्रेक्ष्य योजना में शामिल किया जाएगा। उपलब्ध मौजूदा शेष राशि और पांच साल की अवधि में डीएमएफ में संभावित संचय के ध्यान में रखते हुए पंचवर्षीय परिप्रेक्ष्य योजना को वर्षवार कार्य योजनाओं में विस्तारित किया जाएगा।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

न्यायमूर्ति सुंदर मणिपुर के नए मुख्य न्यायाधीश

इंफाल। न्यायमूर्ति एम. सुंदर ने सोमवार को मणिपुर उच्च

न्यायालय के 10वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति के. सोमशेखर के सेवानिवृत्त होने के बाद न्यायमूर्ति सुंदर को मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

35 हजार लीटर अवैध स्प्रिट जब्त, 5 गिरफ्तार

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले में पुलिस और बिहार छापेमारी में 35,000 लीटर अवैध

स्प्रिट जब्त कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया। बिहार आबकारी विभाग, विशेष कार्य बल रांची और गिरिडीह पुलिस ने रविवार रात निमियाघाट थाना क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार का पर्दाफाश करने के लिए छापेमारी की।

अभिनेता उपेंद्र राव और उनकी पत्नी के फोन हैक

बेंगलुरु। कन्नड अभिनेता उपेंद्र राव ने कहा कि उनके और उनकी पत्नी प्रियंका के फोन हैक कर लिए

गए हैं। उन्होंने लोगों को आगाह किया कि वे उनके फोन नंबरों से आए किसी भी ऐसे संदेश का जवाब नहीं दें जिनमें पैसे की मांग की गई हो। सुबह उनकी पत्नी को अज्ञात नंबर से ऑनलाइन ऑर्डर से जुड़ा संदेश मिला, जिसके बाद वह साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो गईं।

वित्त मंत्रालय के अफसर की जान ली, चालक गिरफ्तार

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी की मोटरसाइकिल को यहां बीएमडब्ल्यू कार से

टक्कर मारने की आरोपी महिला को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले दिन में, अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद महिला को हिरासत में ले लिया गया। रविवार दोपहर दिल्ली छावनी मेट्रो स्टेशन के पास रिंग रोड पर हुई इस दुर्घटना में नवजोत सिंह (52) की मौत हो गई।

ट्रंप टैरिफ पर टेंशन, भारत-अमेरिका में ट्रेड डील को लेकर अब बनेगी बात

व्यापार समझौते पर चर्चा के लिए भारत पहुंच रहे अमेरिका के मुख्य वार्ताकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत का अमेरिका से टैरिफ वॉर के बीच एक बड़ी खबर सामने आई। भारत-अमेरिका तनातनी के बीच दोनों देशों ने बातचीत बंद नहीं की। उम्मीद लगाई जा रही है कि जल्द रिश्ते सामान्य हो सकते हैं। अमेरिकी अधिकारी भारत पहुंच रहे हैं और मंगलवार को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार वार्ता होगी। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं है कि टैरिफ वॉर के बीच बातचीत कहां तक पहुंची है।

अमेरिका के मुख्य व्यापार वार्ताकार ब्रेंडन लिंच भारत के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार वार्ता (बीटीए) पर बातचीत के लिए भारत आने वाले हैं। वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। लिंच मंगलवार को व्यापार वार्ता के संबंध में एक-दिवसीय बातचीत करेंगे। वह अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि (दक्षिण एवं पश्चिम एशिया) हैं। प्रस्तावित व्यापार समझौते पर दोनों देशों के बीच अबतक पांच दौर की वार्ता हो चुकी है। वार्ता का छठा दौर 25-29 अगस्त के बीच होना था लेकिन अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद इसे टाल दिया गया था।

बीटीए पर भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा, हमने पहले भी संकेत दिए हैं कि हमारे बीच बातचीत जारी है। अमेरिका के मुख्य वार्ताकार भारत आ रहे हैं और वह मंगलवार को संभावित ▶▶|शेष पेज 7 पर

- आज होगी द्विपक्षीय वार्ता, कई मुद्दों पर सहमति के आसार
- अमेरिका ने भारत पर लगाया है 50 फीसदी टैरिफ

ट्रंप-मोदी के बयान से सुधरा माहौल

पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से सोशल मीडिया पर व्यक्त सकारात्मक बयानों से माहौल कुछ सुधरा है। लिंच एशिया के इस क्षेत्र के 15 देशों के साथ अमेरिका की व्यापार नीति तैयार करने और उसके क्रियान्वयन की देखरेख करते हैं। इसमें भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच का प्रबंधन शामिल है।

कई राउंड हो चुकी है बात

भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अब तक पांच दौर की बातचीत हो चुकी है। छठा दौर 25 से 29 अगस्त के बीच होना था, लेकिन अमेरिका द्वारा भारतीय सामान पर 50% टैरिफ लगाने के बाद इसे टाल दिया गया। मंगलवार की बैठक को छठे दौर की वार्ता की तैयारी माना जाएगा। ब्रेंडन लिंच क्षेत्र के 15 देशों के लिए अमेरिकी व्यापार नीति को दिशा देते हैं।

भारत का रुख और भविष्य की राह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार यह कह चुके हैं कि भारत की आर्थिक जरूरतों और किसानों से जुड़े सेक्टर पर कोई समझौता नहीं होगा। वहीं हाल के दिनों में शंघाई सहयोग संगठन समिट के बाद माहौल थोड़ा बदला है। ट्रंप ने भारत के लिए अपनी भाषा नरम की है और दोनों देशों के बीच ट्रेड डील को लेकर फिर से बातचीत का रास्ता खुला है।

इधर, भारत से डीजल नहीं खरीदेगा यूक्रेन

यूक्रेन के एनर्जी कंसल्टेंसी फर्म एनकोर ने सोमवार को कहा कि यूक्रेन भारत से डीजल की खरीद बंद करने जा रहा है। फर्म के मुताबिक, यूक्रेन 1 अक्टूबर से भारत से उत्पादित डीजल ईंधन के आयात पर प्रतिबंध लगाएगा। बताया जा रहा है कि यह रोक भारत के रूसी तेल की खरीद को देखते हुए लगाई जा रही है।

झींगा निर्यात को 25,000 करोड़ का नुकसान

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ से राज्य के झींगा निर्यात को भारी नुकसान पहुंचने पर चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि इस वजह से लगभग 25,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है और लगभग 50 प्रतिशत निर्यात आदेश रद्द हो गए हैं।

शराब घोटाले में चैतन्य के खिलाफ 5000 पन्नों का चालान पेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य के चर्चित करोड़ों रुपए के शराब घोटाला में आरोपी बनाए गए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की सोमवार को 60 दिनों की न्यायिक रिमांड पूरी होने पर उनके खिलाफ ईडी ने कोर्ट में चालान पेश किया। ईडी की विशेष अदालत में चैतन्य के खिलाफ पांच हजार पन्नों का चालान पेश किया गया। साथ ही 91 पेज की समरी पेश की गई है। चैतन्य के खिलाफ ईओडब्लू, एसीबी ने गिरफ्तारी के लिए कोर्ट में आवेदन पेश किया, जिसे बाद में वापस ले लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे को ईडी ने उनके जन्मदिन के अवसर पर 18 जुलाई को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद ईडी ने पूछताछ करने चैतन्य ▶▶|शेष पेज 7 पर

- चैतन्य से पूछताछ करने ईओडब्लू ने सात दिन के लिए प्रोटेक्शन वारंट लेने आवेदन दिया
- हाईकोर्ट के आदेश पर जमानत की सुनवाई पूरी होने के बाद प्रोटेक्शन वारंट पर विचार किया जाएगा

हाईकोर्ट में खारिज हुई याचिका

बिलासपुर। चैतन्य बघेल के मामले में सोमवार को हाईकोर्ट में हुई सुनवाई अधूरी रही। सुनवाई 19 सितंबर को फिर से सुनवाई होगी। ध्यान रहे कि चैतन्य के खिलाफ ईडी ने मामला दर्ज करते हुए कार्रवाई की है। चैतन्य ने हिरासत में लिए जाने को चुनौती दी है। इसके ▶▶|शेष पेज 7 पर

अयोध्या से बनारस जा रहे थे बस्तर के तीर्थयात्री

ट्रेलर से टकराई श्रद्धालुओं की बस, चालक सहित 4 की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर/पखांजुर

परलकोट से तीर्थदर्शन के लिए गई बस सोमवार की सुबह ट्रेलर से टकरा गई। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई और 6 गंभीर रूप से घायल हो गए। यह बस पखांजुर से तीर्थयात्रियों को लेकर 7 सितंबर को निकली थी। इसमें कुल 56 लोग सवार थे।

यह दुर्घटना उस समय हुई जब बस अयोध्या से वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए जा रही थी। मृतकों में तीन महिलाएं मायापुर निवासी आशा भवाल, बांदे थानांतर्गत निवासी रेखा बनीक, राजनांदगांव जिले की निवासी गुलाब देवी और बस का चालक दीपक। सभी घायलों का इलाज चल रहा है। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के ▶▶|शेष पेज 7 पर

सड़क दुर्घटना में हुए घायल

टुलूसील पिता नेपाल सील उम्र 40 वर्ष, लखमदास पिता उपेंद्र उम्र 65 वर्ष, सोमेश साहू पिता ओमप्रकाश, सान्दा पति देवरंजन उम्र 55 वर्ष, दिलीप दास पिता सुगलदास उम्र 50 वर्ष, विजेंद्र मंडल पिता हरेंद्र मंडल उम्र 65 वर्ष है।

पीड़ितों का दर्दनाक अनुभव

मृतका आशा भवाल के परिजन संजीत भवाल ने बताया कि उनके भाई उपा भवाल ने फोन पर उन्हें इस हादसे की जानकारी दी। उपा भवाल ने बताया कि रात लगभग 3 बजे यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऊपर सो रहे यात्री नीचे गिर गए। किसी तरह वह खुद उठे और अपनी पत्नी आशा भवाल को ढूंढने लगे। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी बस की खिड़की और सीट के बीच फंसी हुई थीं और बुरी तरह से लहूलुहान थीं।

सीएम साय ने दुख जताया

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि वाराणसी-लखनऊ राजमार्ग पर हुई बस दुर्घटना में कांकेर और राजनांदगांव जिले के चार श्रद्धालुओं के असमय निधन व छह के गंभीर रूप से घायल होने का हृदय विदारक समाचार प्राप्त हुआ। प्रभु श्री राम दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें और उनके परिजनों को यह अपार दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

टिकरापारा में मामला, अभी सरगुजा में हैं एसडीओपी

जिस थाने में की थानेदारी वहीं दर्ज हुआ रेप का केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

टिकरापारा थाना में वर्ष 2020-21 में टीआई रह चुके

मोहम्मद याकूब मेमन के खिलाफ एक महिला ने डरा धमकाकर रेप करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला की शिकायत पर सरगुजा पुलिस ने शून्य में एफआईआर दर्ज कर केस डायरी टिकरापारा पुलिस को ट्रांसफर की है। एफआईआर की पुष्टि एएसपी पश्चिम डीआर पोर्ते ने की ▶▶|शेष पेज 7 पर

दो बार राष्ट्रपति सराहनीय पदक से सम्मानित

वर्ष 1998 में पुलिस सेवा में भर्ती याकूब मेमन ने अविभाजित मप्र के रीवा, सतना जिले से नौकरी की शुरुआत की। छत्तीसगढ़ अलग राज्य बनने के बाद उनकी पोस्टिंग नक्सल प्रभावित बस्तर के दंतेवाड़ा, बीजापुर, जगदलपुर, नारायणपुर, राजनांदगांव में हुई। नक्सली उन्मूलन में बेहतरीन योगदान के लिए मेमन को वर्ष 2016 में राष्ट्रपति पदक मिला। इसके बाद कानून व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए वर्ष 2021 में उन्हें राष्ट्रपति के सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

आईटी रिटर्न भरने का आज अंतिम दिन

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा 15 सितंबर से बढ़ाकर 16 सितंबर 2025 कर दी है। सीबीडीटी ने देर रात जारी बयान में कहा, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर से बढ़ाकर 16 सितंबर, 2025 करने का निर्णय लिया है। ई-फाइलिंग पोर्टल 16 सितंबर 2025 को सुबह 12:00 बजे से 2:30 बजे तक रखरखाव स्तर पर रहेगा।

1 अक्टूबर से नया नियम

आरक्षित रेल टिकट के लिए भी आधार वेरिफिकेशन जरूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑनलाइन रेल टिकट बुकिंग सिस्टम में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। 1 अक्टूबर 2025 से रिजर्वेशन खुलने के बाद पहले 15 मिनट केवल वही लोग ऑनलाइन टिकट बुक कर पाएंगे जिनका आधार वेरिफिकेशन हुआ है।

काउंटर टिकट के नियम में बदलाव नहीं

रेलवे अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि यह नया नियम केवल ऑनलाइन बुकिंग पर लागू होगा। कंप्यूटरीकृत पीआरएस काउंटरों से टिकट लेने वालों के लिए समय और प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

जेन-जी के हंगामे में 36 हजार से ज्यादा रिकॉर्ड जलकर स्वाहा

टेंट में सुप्रीम कोर्ट, दस्तावेज नहीं इसलिए दी तारीख पर तारीख

एजेंसी ▶▶| काठमांडू

नेपाल में जेन-जी विरोध के दौरान प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट की इमारत में भी आग लगा दी थी। इस आगजनी और तोड़फोड़ के कारण सुप्रीम कोर्ट की इमारत के साथ ही दस्तावेज नष्ट हो गए। हालांकि, अब नई सरकार के गठन के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपने परिसर में टेंट लगाकर कामकाज फिर से शुरू कर दिया है। नेपाल के इतिहास में यह पहला मौका है, जब सुप्रीम कोर्ट को खुले आसमान के नीचे लगाया गया है। बताया जा रहा है कि इस आगजनी में कोर्ट के 36 हजार से ज्यादा दस्तावेज जलकर खाक हो चुके हैं। ऐसे में लंबित मामलों की जगह नए केस पर सुनवाई की गई। सुप्रीम कोर्ट ने पहले दिन मामलों की जानकारी ली, पुराने ▶▶|शेष पेज 7 पर

सुप्रीम कोर्ट का तंबू एडिशन

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा कामकाज शुरू किया, लेकिन चारदीवारी के भीतर नहीं। कोर्ट अब अपने आंगन में लगे सफेद टेंटों से चल रहा है। इन टेंटों पर बड़े अक्षरों में लिखा है कि 'सुप्रीम कोर्ट नेपाल'। स्टाफ याचिकाकर्ताओं से मिल रहा है और नई तारीखें दे रहा है। चीफ जस्टिस प्रकाशमान सिंह राउत ने बयान दिया है कि हम हर हाल में न्याय के रास्ते पर डटे रहेंगे।

जल्द ही सामान्य होंगे हालात

रिपोर्ट में नेपाल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बिजय प्रसाद मिश्रा ने कहा कि अभी हालात ऐसे हैं कि सर्वोच्च न्यायालय पूरी तरह से कामकाज को शुरू नहीं कर सकता है, लेकिन इसे धीरे-धीरे फिर से शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि हालात में सुधार होने पर महिलाओं के मामलों, बंदियों के मामलों और राष्ट्रीय मुद्दों पर प्राथमिकता से सुनवाई की सिफारिश की गई है।

तीन नवनियुक्त मंत्रियों ने की शपथ ग्रहण

नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की ओर से नियुक्त तीन मंत्रियों को पद की शपथ दिलाई। देश की पहली महिला प्रधानमंत्री कार्की (73) ने रविवार को पदभार संभाला था। उन्होंने उसी दिन कुलमन घीसिंग, रामेश्वर खनाल और ओम प्रकाश आर्यल को अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया था। तीन मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह यहां महाराजगंज क्षेत्र में शीतल निवास स्थित राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित किया गया। पूर्व वित्त सचिव खनल को वित्त मंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई है।

अंतरिक्ष में अमेरिका ने बिछाया सबसे बड़ा जाल, छठवें स्थान पर है भारत का नाम

नई दिल्ली। अंतरिक्ष आज सिर्फ विज्ञान की नहीं बल्कि शक्ति, रणनीति और टेक्नोलॉजी के प्रदर्शन की भी जगह बन गयी है। नेविगेशन से लेकर कम्युनिकेशन, वेदर फॉरकास्ट से लेकर मिलिट्री सर्विलांस तक देशों के बीच इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। 2025 तक किस देश ने स्पेस में कितने सेटेलाइट लगाए हैं, इसका खुलासा हाल ही में जारी किए गए सेटेलाइट रजिस्ट्री आंकड़ों से हुआ। यहां आप टॉप 5 देशों में जान सकते हैं।

अमेरिका

अमेरिका खुद को सबसे ताकतवर देश बताता है। इसकी एक बड़ी वजह स्पेस में 8,530 से ज्यादा इसके सेटेलाइट्स की उपस्थिति भी है। स्पेस में सबसे अधिक सेटेलाइट अमेरिका के हैं। इनमें से 7000 हजार के लगभग सेटेलाइट्स स्पेसएक्स प्राइवेट कंपनी की है। अमेरिका सेना, विज्ञान और व्यापार से जुड़े सर्विलांस के लिए इसका इस्तेमाल करता है।

रूस

दूसरे स्थान पर रूस है, जिसके पास लगभग 1,559 सैटेलाइट्स हैं। इनका उपयोग क्मयूनिकेशन, रिमोट सेंसिंग, और मिलिट्री सर्विलांस के लिए होता है। रूस इसकी संख्या को आने वाले दशकों बढ़ाने और अमेरिका पछाड़ने की कोशिश में लगातार लगा हुआ है।

जापान

2025 तक जापान के 203 सैटेलाइट ओरबीट में घूम रहे हैं। ये सैटेलाइट क्वासी-जेनिथ सिस्टम से नौवहन, पृथ्वी अवलोकन, विज्ञान और सरकारी कामों में मदद करते हैं। जापान की प्राथमिकता विश्वसनीयता और नवाचार है, जिससे वह कई क्षेत्रों में मजबूत और उन्नत तकनीक विकसित कर रहा है।

चीन

स्पेस में चीन के लगभग 906 सैटेलाइट्स चक्कर काट रहे हैं। ये सैटेलाइट नेविगेशन, संचार, निगरानी और रक्षा जैसे काम करते हैं। चीन हर साल लगातार सैटेलाइट लॉन्च कर रहा है, जिससे वह अंतरिक्ष में अमेरिका और रूस जैसी ताकतों को टक्कर दे सके।

यूके

ब्रिटेन के पास 763 सैटेलाइट हैं, जो इसे दुनिया में चौथा स्थान दिलाते हैं। ये सैटेलाइट खुफिया, निगरानी, संचार, विज्ञान और व्यापार जैसे कई कामों में इस्तेमाल होते हैं। इससे पता चलता है कि यहां सरकार और निजी कंपनियां, दोनों ही अंतरिक्ष क्षेत्र में काफी एक्टिव हैं।

भारत

भारत 136 उपग्रहों के साथ 2025 तक अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा सैटेलाइट वाले देशों में छठवें स्थान पर है। ये सैटेलाइट्स इसरो, विश्वविद्यालयों और निजी कंपनियों के हैं। यह भारत की अंतरिक्ष तकनीक में बढ़ती क्षमता और वैश्विक स्तर पर उसकी मजबूत होती मौजूदगी को दर्शाता है, जो लगातार प्रगति का संकेत है।

रोचक खबरें

बेबी जेब्रा की मां नहीं थी, तो केयरटेकर ने दिखाया मम्मी वाला दुलार

नैरोबी। इंसान और जानवर के बीच गहरा रिश्ता है। जब कोई इंसान किसी जानवर को पालता-पोसता या उसकी देखभाल करता है, तो दोनों के बीच प्यार और विश्वास की बॉन्डिंग बन जाती है। अब एक ऐसा ही वीडियो सामने आया है, जिसमें इंसान और जानवर के बीच ऐसी ही बॉन्डिंग देखी जा रही है। यह वीडियो केन्या के शेलड्रिक वाइल्डलाइफ ट्रस्ट में एक अनाथ जेब्रा का है। यहां उसे एक केयरटेकर ने उसे मां की तरह प्यार दिया है। इस खूबसूरत और भावुक पल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद किसी का मन भावुक हो जाएगा, हालांकि, जिस-जिसने भी यह वीडियो देखा है, वो इमोशनल हो गया है। वीडियो में बोंबी नामक जेब्रा दिख रही है और जिसकी देखभाल उसका केयरटेकर पीटर कर रहा है। बोंबी एक अनाथ है और पीटर के अलावा उसका इस दुनिया में कोई नहीं है। ऐसे में पीटर अपनी बोंबी को मां वाला प्यार देता है। ऐसे में बोंबी भी पीटर में मां का प्यार महसूस कर रही है। पीटर ने जेब्रा लुक में कपड़े पहने हुए है और बोंबी को अपने हाथों से सहला रहा है। गौरतलब है कि मौजूदा साल की शुरुआत में ही बोंबी का अच्छे से पालन पोषण कर उसे बचाया गया था।

पति पर गिर गई उसकी 128 किलो की पत्नी, मौके पर ही हुई मौत

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में हाल ही में एक ऐसा हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके के लोगों को हैरान और दुखी कर दिया। यह घटना राजकोट के रामधाम सोसायटी की है, जहां एक परिवार में अचानक ऐसी अनहोनी हुई, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। हादसे में 68 साल के नटवरलाल नामक बुजुर्ग की जान चली गई और उनकी पत्नी मंजुला गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना सुबह करीब चार बजे की है। उस समय परिवार में अफरा-तफरी का माहौल था, क्योंकि उनके बेटे आशीष को अचानक सांस लेने में तकलीफ होने लगी थी। बेटे की तबीयत खराब देख उसकी मां मंजुला बहुत घबरा गईं। वह जल्दी-जल्दी सीढ़ियां चढ़कर ऊपर जा रही थीं, ताकि बेटे की मदद कर सकें। लेकिन, इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वह संतुलन खो बैठीं। मंजुला का वजन लगभग 128 किलो था। ऐसे में जब उनका पैर फिसला तो वह जोर से सीधा अपने पति नटवरलाल के ऊपर आ गिरीं। यह गिरना इतना अचानक और जोरदार था कि नटवरलाल को संभलने का मौका तक नहीं मिला। भारी वजन के कारण उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद परिवार के लोग तुरंत घबरा गए और दोनों को फौरन नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने नटवरलाल को मृत घोषित कर दिया। वहीं, मंजुला को भी चोटें आईं और उन्हें उपचार दिया गया।

सांप और नेवले में क्यों होती है दुश्मनी जानिए सदियों पुरानी इस लड़ाई की वजह

नई दिल्ली। सांप और नेवले की दुश्मनी का जिक्र आपने कई लोककथाओं, कहानियों और किस्सों में जरूर सुना होगा। इन दोनों के बीच की अनबन इतनी मशहूर है कि जब भी नेवला किसी सांप से भिड़ता है, उसे देखकर लोग रुक जाते हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर दोनों के बीच इतनी गहरी दुश्मनी क्यों है और इस लड़ाई में किसका पलड़ा भारी रहता है? आइए, इस रोचक कहानी को विस्तार से समझते हैं। दरअसल, सांप और नेवले की दुश्मनी कोई आज की नहीं है, बल्कि ये लाखों साल पुरानी है। जंतु विशेषज्ञ बताते हैं कि दोनों के बीच इस दुश्मनी की मुख्य वजह है उनका स्वभाव और उनकी आहार श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा। नेवला एक छोटा, लेकिन बेहद फुर्तीला और सतर्क शिकारी है। उसे सांप खाने में विशेष रुचि होती है, खासकर विषैले सांपों को। दूसरी ओर, सांप जंगल में शीर्ष शिकारी है, जो चूहों, मेढकों, छिपकलियों और अन्य छोटे जीवों का शिकार करके अपना पेट भरता है। इसीलिए, जब एक नेवला सांप पर हमला करता है, तो दोनों की एक-दूसरे से टक्कर तय होती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि नेवले में एक खास प्रकार की इम्यूनिटी होती है, जो उसे सांप के ज़हर से बचाती है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, नेवले के शरीर में एसीटाइलकोलाइन रिसेप्टर्स होते हैं, जो सांप के ज़हर को प्रभावी रूप से निष्क्रिय कर देते हैं। इसीलिए, ज़हरीले सांप जैसे कि कोबरा के काटने के बावजूद भी नेवला अक्सर बच जाता है। यही वजह है कि नेवले को सांप से डर नहीं लगता, बल्कि वह उस पर सीधे हमला करता है।

21 सितंबर को लगेगा साल का आखिरी सूर्य ग्रहण, आसमान में दिखेगा अद्भुत नजारा

वॉशिंगटन। खगोल विज्ञान में दिलचस्पी रखने वालों के लिए आने वाला वीकएंड खास होने जा रहा है। दुनियाभर के स्काईवॉचर इस साल के आखिरी सूर्य ग्रहण का जादू देखने के लिए तैयार हैं। साल का बहुप्रतीक्षित आखिरी सूर्य ग्रहण 21 सितंबर को लगने वाला है। यह आगामी ग्रहण विशेष महत्व रखता है। यह ग्रहण ठीक उस समय लगेगा, जब दुनियाभर में दिन और रात तकरीबन बराबर समय के होते हैं। हालांकि, रात का समय होने की वजह से यह भारत में नहीं दिखेगा।21 सितंबर के सूर्य ग्रहण के दौरान चंद्रमा सूर्य को आंशिक रूप से ढक लेगा। इससे एक शानदार नजारा बनेगा। हालांकि, पूरी तरह से अंधेरा नहीं होगा। यह सूर्य ग्रहण खासतौर से दक्षिणी गोलार्ध में दिखाई देगा। न्यूजीलैंड, पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों और अंटार्कटिका के क्षेत्रों में इसका सबसे अच्छा दृश्य दिखाई देगा। इन क्षेत्रों में चंद्रमा सूर्य के 72 फीसदी तक हिस्से को ढक लेगा। इससे सूर्य आसमान में रहस्यमयी अर्धचंद्राकार चमक से भर जाएगा।

भारत और उत्तरी गोलार्ध के देश नहीं देख सकेंगे

इस सूर्य ग्रहण को भारत और उत्तरी गोलार्ध के देश नहीं देख सकेंगे। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, अफगानिस्तान में सूर्य ग्रहण नहीं दिखेगा। दक्षिण और उत्तरी अमेरिका के महाद्वीपों में भी ये आंशिक सूर्य ग्रहण नहीं दिखेगा। दक्षिणी गोलार्ध के समुद्री क्षेत्रों और छोटे द्वीपीय देशों में इस सूर्य ग्रहण का सबसे अच्छा दृश्य दिखाई देगा।

क्यों होता है सूर्य ग्रहण

सूर्य ग्रहण का होना एक वैज्ञानिक घटना है। सूर्य ग्रहण तब होता है, जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच आ जाती है, जिससे पृथ्वी की सतह के कुछ हिस्सों पर छाया बनती है। यह सूर्य ग्रहण सितंबर के आखिरी दिनों में पड़ रहा है। यह ऐसा समय है, जब दिन और रात लगभग बराबर होते हैं। यह संयोग इस सूर्य ग्रहण में लोगों की दिलचस्पी को और बढ़ा रहा है।

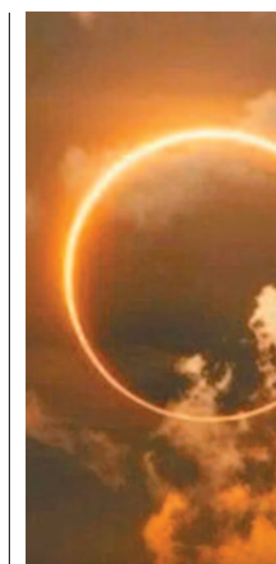

यहां दिखेगा सूर्यग्रहण

यह सूर्य ग्रहण न्यूजीलैंड, ईस्टर्न ऑस्ट्रेलिया, साउथ पैसिफिक आइसलैंड, अंटार्कटिका की कुछ जगहों पर देखा जाएगा। भारत में भले ही यह ग्रहण दिखाई नहीं देगा लेकिन ऑनलाइन लाइव स्ट्रीमिंग या खगोल विज्ञान से जुड़ी प्रसारण सेवाओं के जरिए इसे देख सकते हैं। यह लाइव स्ट्रीमिंग वैज्ञानिक अध्ययन में भी मददगार साबित होगी।

क्या मंगल ग्रह पर कभी रहते थे लोग? इन 5 जगहों पर मिल सकता है सबसे बड़ा सबूत

नई दिल्ली। मंगल ग्रह, ये वो ग्रह है जिसपर वैज्ञानिकों की दिलचस्पी आए दिन बढ़ती जा रही है कि यहां जीवन संभव है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मंगल ग्रह पर कुछ खास जगहें हैं जहां अरबों साल पहले जीवन मौजूद रहा होगा। इन्हीं जगहों पर जीवन के सबसे अच्छे सबूतों के मिलने की उम्मीद है। आइए जानते हैं उन 5 जगहों के बारे में जहां मंगल पर जीवन के होने की उम्मीद है। 2024 में नासा के पर्सिवियरेंस मार्स रोवर को जेजेरो क्रेटर में एक सूखी नदी के तल पर कुछ नमूने मिले हैं, जिनका वैज्ञानिक अभी भी अध्ययन कर रहे हैं।

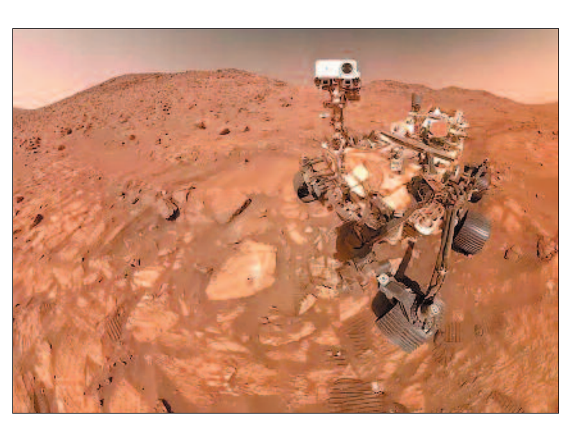

मंगल पर जीवन के सबूत

हाल ही में नासा ने खुलासा किया है कि उस मंगल ग्रह पर जीवन के सबसे बेहतरीन सबूत मिले हैं। ऐसा माना जाता है कि मंगल पर अरबों साल पहले जीवन मौजूद था। कई सालों से दुनिया भर के वैज्ञानिक इसपर शोध में जुटे हैं और रोवर्स की मदद से ये जानने की कोशिश कर रहे हैं।

जेजेरो क्रेटर

नेचर पत्रिका में छपी नई रिसर्च के मुताबिक जेजेरो क्रेटर में मिली एक चट्टान में ऐसे रासायनिक संकेत मिले हैं जो जीवन से जुड़े हो सकते हैं। इस चट्टान का नाम सैफायर कैन्यन है और यह सूखी नदी के तल में चेयावा फॉल्स से ली गई थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि नेरेत्वा वैलिस नदी चैनल जैसी कुछ जगहों पर मंगल पर जीवन की उम्मीद सबसे ज्यादा है।

गेल क्रेटर

मंगल ग्रह पर गेल क्रेटर 154 किमी चौड़ा इलाका है जिसकी खोज नासा के क्यूरियोसिटी रोवर 2012 से कर रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यहां 3.8 अरब साल पहले मीठे पानी की झील थी, जिसका पानी बहुत तेजी से बहता था। इसके आसपास सल्फेट जैसे खनिज पाए गए हैं जो पानी की मौजूदगी में बनते हैं।

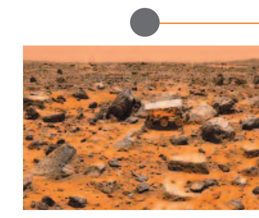

वैलेस मेरिनेरिस

यह हमारे सौरमंडल की सबसे बड़ी घाटी है जो लगभग 4,000 किलोमीटर लंबी और 7-8 किमी तक गहरी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस जगह पर कभी कई पुरानी झीलें थीं।

हेलास बेसिन : मंगल ग्रह पर मौजूद इस जगह को हेलास प्लैनिटिया भी कहते हैं। शायद किसी बड़े उल्कापिंड से टकराने की वजह से यहां जीवन की शुरुआत हुई होगी। यह जगह काफी गहरी है और यहां अक्सर बादल दिखाई देते रहते हैं। वैज्ञानिकों का ये भी मानना है कि इस जगह पर जियोथर्मल गर्मी के सोर्स रहे होंगे।

एरिडानिया क्रेटर: एरिडानिसा बेसन के नाम से भी जाने जानी वाली इस जगह पर कभी 1.1 मिलयन वर्ग किमी में फैली एक विशाल झील थी। यहां की मिट्टी में मैग्निशियम और सिलिका जैसे खनिज मिले हैं, जो बताते हैं कि यहां कभी एक झील थी।

चांद के बिना नहीं बचेगा धरती का वजूद! रोशनी नहीं सांसों के लिए भी जरूरी

वॉशिंगटन। चांद को लोगों ने अपने-अपने हिसाब से प्रदर्शित किया है। किसी के लिए चांद मामा है तो किसी के लिए महबूब, चांद हमारे जीवन के लिए भी काफी ज्यादा महत्वपूर्ण है। इसका हमारे जीवन पर कई तरह से प्रभाव पड़ता है, आलम ऐसा है कि चांद के बिना धरती पर रहने वाले लोग जीवित नहीं रहेंगे, क्योंकि चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण जलवायु, हमारे दिनों की लंबाई को प्रभावित करता है। इसका जैविक असर भी काफी ज्यादा है। इसके बिना जिंदगी खत्म हो जाएगी, इसके पीछे 5 चौंकाने वाले कारण हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक चंद्रमा पृथ्वी के झुकाव को नियंत्रित रखता है। जो लगभग 23.5 डिग्री पर है। अगर चांद नहीं होगा तो ये झुकाव बार-बार बदल सकता है। ऐसे में मौसम में भी काफी ज्यादा परिवर्तन आएगा। चंद्रमा की वजह से ही मौसम स्थिर बना रहता है। रिपोर्ट के मुताबिक चांद की गुरुत्वाकर्षण शक्ति की वजह से ही ज्वार-भाटा आते हैं। इसका बल पृथ्वी के महासागरों को उभार देता है। बता दें कि ज्वार समुद्री जीवों, पोषक तत्वों के मिश्रण और समुद्री धाराओं के लिए महत्वपूर्ण हैं। ज्वार की वजह से पृथ्वी की गर्मी को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। चंद्रमा धीरे-धीरे पृथ्वी के घूमने की गति को धीमा कर देता है। लगभग 1.4 अरब वर्ष पहले, चंद्रमा की निकटता की वजह से पृथ्वी पर एक दिन लगभग 18 घंटे लंबा होता था। चंद्रमा द्वारा उत्पन्न ज्वारीय बल पृथ्वी के आंतरिक भाग को भी प्रभावित करते हैं। जिससे ग्रह के चुंबकीय क्षेत्र का निर्माण होता है और ये क्षेत्र पृथ्वी को हानिकारक सौर से बचाते हैं और पृथ्वी के जीवन की रक्षा करते हैं।

छह महीने पहले हुई थी शादी, शुरू से पत्नी नहीं थी खुश

मंगलसूत्र से सिंदूर तक पति ने किया इंतजाम, फिर पत्नी की प्रेमी से शादी कराई

अमेठी। छह महीने पहले हमारी शादी हुई थी, लेकिन पत्नी इस शादी से खुश नहीं थी, वो बार-बार अपने मायके जाती थी। ऐसे में मैंने अपनी पत्नी की शादी उसके ब्वॉयफ्रेंड से करा दी। यह कहना है दीना का पुरवा सिंदूरवा गांव निवासी शिवशंकर का। 25 वर्षीय शिवशंकर ने बताया कि 2 मार्च, 2025 को उसकी शादी उमा प्रजापति (22) से हुई थी। लेकिन, शादी के बाद जब उसे अपनी पत्नी के अफेयर के बारे में पता चला तो उसने खुद ही अपनी पत्नी की शादी उसके प्रेमी विशाल से करा दी। शिवशंकर ने इसके लिए सबसे पहले अपनी पत्नी के प्रेमी विशाल को इस शादी के लिए राजी किया। फिर खुद ही पंडिल बुलाया, मंगलसूत्र और सिंदूर के साथ-साथ वरमाला का भी इंतजाम किया. इसके बाद मंदिर में विशाल और उमा की शादी करावा दी। पति द्वारा पत्नी की शादी करना का यह अजीबो-गरीब मामला अमेठी जिले के कमरौली थाना क्षेत्र के दीना का पुरवा गांव से सामने आया है। यह मामला अब गांव में ही नहीं, बल्कि पूरे अमेठी जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मंदिर में हुई शादी, पति बना शादी का आयोजक

गांव के मंदिर में तीनों परिवारों की मौजूदगी में उमा और विशाल की शादी पूरी विधि-विधान से कराई गई। शिवशंकर ने स्वयं पंडित, जयमाला, मंगलसूत्र और सिंदूर तक का इंतजाम किया। शादी के बाद सभी परिवारों ने इस फैसले को सराहा और माहौल शांतिपूर्ण रहा।

दो साल पुराना प्रेम, जो अब भी ज़िंदा था

शिवशंकर ने की मानें तो उमा मेरे साथ खुश नहीं थी, केवल दो महीने ही मेरे साथ रही। मैंने उसे कई बार समझाया, लेकिन वह प्रेमी से संपर्क नहीं तोड़ पाई। मेरे साथ खुश नहीं थी तो रखकर क्या ही करता। मुझे लगा कि अगर उसे वहीं खुशी मिलती है, तो उसे आजादी दे देना ही बेहतर है। इसलिए उसकी शादी करवा दी।

घर में मचा बवाल : शिवशंकर के इस फैसले से उसके घर में विरोध का तूफान खड़ा हो गया। लेकिन उसने सभी को समझाया कि यह फैसला सभी के भविष्य के लिए बेहतर है। फिर वह उमा के परिवार और विशाल के परिवार से भी मिला। पहले तो कोई तैयार नहीं हुआ, लेकिन युवक ने सहनशीलता और समझदारी से सभी को राजी कर लिया।

पत्नी का मायके आना-जाना लगातार बना रहा

2 मार्च 2025 को शिवशंकर की शादी उमा प्रजापति से हुई थी। उमा शुरू से ही इस रिश्ते से असंतुष्ट थी,क्योंकि शिवशंकर बेरोजगार था। शादी के महज 15 दिन बाद ही उमा अपने मायके चली गई थी. कुछ दिनों बाद शिवशंकर उसे विदा कराके वापस ले गया। लेकिन, उमा का मायके आना-जाना लगातार बना रहा। ससुराल पक्ष को यह बात खटकने लगी और जब पड़ोसियों से पूछताछ की गई तो उमा के अफेयर का खुलासा हुआ।

जम्मू-कश्मीर में हुई है ऐतिहासिक घटना

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में एक ऐतिहासिक घटना हुई है। उद्धमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) पर भारतीय सेना की पहली विशेष मालगाड़ी सफलतापूर्वक चली। 12-13 सितंबर 2025 को यह गाड़ी बीडी बारी से अनंतनाग पहुंची। इसमें 753 मीट्रिक टन एडवांस्ड विंटर स्टॉकिंग (एडब्ल्यूएस) सामान लदा था, जो सेना की इकाइयों के लिए था। यह कदम सेना की सर्दियों की तैयारी में क्रांति लाएगा।

कश्मीर पहुंची भारतीय सेना की पहली मालगाड़ी, लौटेगी सेब लेकर

यह कदम सेना की सर्दियों की तैयारी में लाएगा क्रांति ▪ यूएसबीआरएल है भारत की एक महत्वाकांक्षी रेल परियोजना

यूएसबीआरएल का महत्व

यूएसबीआरएल भारत का एक महत्वाकांक्षी रेल परियोजना है, जो जम्मू को कश्मीर घाटी से जोड़ती है। इसकी कुल लंबाई 272 किलोमीटर है। यह हिमालय के कठिन इलाके से गुजरती है। इसमें दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल चेनाब ब्रिज (359 मीटर ऊंचा) और भारत का सबसे लंबा रेल सुरंग पीर पंजाल (11.215 किमी) शामिल हैं। यह परियोजना 2002 में शुरू हुई और जून 2025 में पूरी तरह चालू हो गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 जून 2025 को इसकी शुरुआत की, जब वंदे भारत ट्रेन को फ्लैग ऑफ किया गया।

इस रेल लिंक की यह है विशेषता

इस रेल लिंक से कश्मीर घाटी बाकी भारत से जुड़ गई, जो सड़कों पर भूस्खलन या बाढ़ से होने वाली परेशानियों को कम करेगी। अगस्त 2025 में पहली मालगाड़ी अनंतनाग पहुंची, जो सीमेंट ले जा रही थी। लेकिन भारतीय सेना की यह गाड़ी पहली विशेष मालगाड़ी है, जो सैन्य और सिविल उपयोग का उदाहरण है।

सेना को होगी इससे मदद : 12-13 सितंबर 2025 को चली यह मालगाड़ी बीडी बारी (कटरा के पास) से अनंतनाग पहुंची। इसमें 753 मीट्रिक टन एडब्ल्यूएस सामान लदा था, जैसे राशन, ईंधन, दवाइयां और अन्य जरूरी चीजें। ये सामान जम्मू-कश्मीर में तैनात सेना की इकाइयों के लिए था, ताकि सर्दियों में बर्फीले हिमालयी इलाके में कोई कमी न हो।

यह होता था पहले

पहले सेना सड़कों पर ट्रक से सामान भेजती थी, जो भूस्खलन या बर्फबारी से रुक जाती थी। अब रेल से तेज और सुरक्षित तरीके से स्टॉकिंग होगी। यह सेना की क्षमता विकास का हिस्सा है, जो कठिन इलाकों में ऑपरेशनल तैयारी सुनिश्चित करेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह कश्मीर को राष्ट्रीय फ्रेट नेटवर्क से जोड़ने का मील का पत्थर है।

सिविल-मिलिट्री फ्यूजन कश्मीरी सेब का निर्यात

यह गाड़ी सिर्फ सैन्य उपयोग की नहीं. वापसी में यह कश्मीरी सेब ले जाएगी, जो भारत के बाकी बाजारों में बेचे जाएंगे। यह ड्यूल-यूज लॉजिस्टिक्स का शानदार उदाहरण है। कश्मीरी किसान पहले भूस्खलन या बाढ़ से सड़कें बंद होने पर भारी नुकसान उठाते थे। अब रेल से उनका फल तेजी से बाजार पहुंचेगा, जिससे आर्थिक राहत मिलेगी। यह कदम सेना की राष्ट्र-निर्माण में भूमिका दिखाता है। सेना न सिर्फ रक्षा करती है, बल्कि कश्मीर के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी योगदान दे रही है। रेल इंफ्रास्ट्रक्चर का सैन्य और सिविल उपयोग से क्षेत्र की लचीलापन, कनेक्टिविटी और समृद्धि बढ़ेगी। परियोजना से 5 करोड़ से ज्यादा मैन-डे रोजगार पैदा हुए हैं।

खबर संक्षेप

अंबानी के वनतारा को मिली क्लीनचिट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गठित विशेष जांच दल ने वनतारा के मामले में अपनी जांच रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप दी है। एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में वनतारा को क्लीन चिट दी है। गुजरात के जामनगर में रिलायंस फाउंडेशन की पशु बचाव, देखभाल और पुनर्वास केंद्र का नाम वनतारा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों ने वनतारा में अनुपालन और नियामक उपायों के मुद्दे पर संतोष व्यक्त किया है। यह रिपोर्ट शुक्रवार को प्रस्तुत की गई थी और शीर्ष अदालत ने सोमवार को इसका अवलोकन किया।

पाक : बलूच आर्मी ने मारे मेजर समेत कई जवान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के हमले में मेजर सहित पाकिस्तानी सेना के 4 सैनिक मारे गए हैं। बीएलए ने अपने ऑपरेशन में मेजर काकर को निशाना बनाकर आईईडी ब्लास्ट कर उनकी हत्या कर दी। इस हमले की जिम्मेदारी बीएलए ने ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बलूचिस्तान प्रांत में पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाकर शक्तिशाली आईईडी बम ब्लास्ट किया गया, इस हमले में पांच सैनिक मारे गए।

एमपी पुलिस में बंपर भर्ती मांगे जा रहे हैं आवेदन

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड (एमपीईएसबी) ने पुलिस विभाग में 7,500 रिक्तियों पर भर्ती अभियान शुरू किया है। यह भर्ती कांस्टेबल, सब-इंस्पेक्टर, सूबेदार, असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर और स्टेनोग्राफर के पदों पर होगी। पंजीकरण की प्रक्रिया 15 सितंबर 2025 से बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट esb.mp.gov.in पर शुरू होगी। पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 29 सितंबर 2025 है। यदि उम्मीदवार फॉर्म में कोई गलती ठीक कराना चाहते हैं, तो करेक्शन विंडो 15 सितंबर से 4 अक्टूबर तक खुली रहेगी। अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों का कम से कम आठवीं पास, तो वहीं अनुसूचित जाति (एससी), अन्य पिछड़ा वर्ग और सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों का दसवीं पास होना जरूरी है।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने दी चेतावनी

कोई भी गड़बड़ी मिली तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर दी जाएगी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बिहार एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को चेतावनी देते हुए कहा, 'अगर उन्हें बिहार चुनाव के किसी भी चरण में निर्वाचन आयोग की ओर से अपनाई गई प्रक्रिया में कोई भी अवैधता मिलती है, तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर दी जाएगी और उसका अंतिम फैसला केवल बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में एसआईआर पर लागू होगा।' कोर्ट ने बिहार में एसआईआर की वैधता पर अंतिम दलीलें सुनने के लिए 7 अक्टूबर की तारीख निर्धारित की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारा मानना है कि संवैधानिक संस्था भारत निर्वाचन आयोग बिहार में कानून और अनिवार्य नियमों का पालन कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि वे बिहार में एसआईआर पर आंशिक रूप से राय नहीं दे सकते हैं, क्योंकि उनका अंतिम फैसला पूरे देश पर लागू होगा।

खास बातें

- बिहार का फैसला ही पूरे देश पर होगा लागू
- 7 अक्टूबर को होगी इस पर अंतिम सुनवाई
- आरोप : निर्देश के बावजूद नहीं हो रहे आधार स्वीकार

कठोर शब्दों में दी चेतावनी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि अगर बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली में कोई अवैधता पाई जाती है, तो पूरी प्रक्रिया को रद्द किया जा सकता है। पीठ ने स्पष्ट किया कि वो बिहार एसआईआर पर टुकड़ों में फैसला नहीं दे सकती क्योंकि उसका अंतिम फैसला केवल बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में आयोजित एसआईआर पर लागू होगा।

निर्देश के बावजूद नहीं हो रहे आधार स्वीकार

यह आदेश उन शिकायतों के बाद आया है कि चुनाव अधिकारी शीर्ष अदालत द्वारा पहले दिए गए निर्देशों के बावजूद आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने से इनकार कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि यद्यपि आधार कार्ड को नागरिकता साबित करने वाला दस्तावेज नहीं माना जा सकता, फिर भी यह पहचान और निवास का वैध प्रमाण बना रहेगा। बिहार में चल रही एसआईआर ड्राइव की विपक्षी दल आलोचना कर रहे हैं। उनका आरोप है कि लाखों वास्तविक मतदाताओं के नाम बिना उचित सत्यापन के मतदाता सूची से हटा दिए जा रहे हैं।

7 अक्टूबर को अंतिम बहस

मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने ये भी कहा कि वह ये मानता है कि एक संवैधानिक प्राधिकारी के रूप में भारत का निर्वाचन आयोग एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने में कानून और अनिवार्य नियमों का पालन कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में एसआईआर अभ्यास की वैधता पर अंतिम बहस सुनने के लिए 7 अक्टूबर की तारीख तय की।

पिछली सुनवाई में आधार कार्ड को दी थी मान्यता

सुप्रीम कोर्ट ने 8 सितंबर को आदेश दिया कि बिहार में चल रहे एसआईआर के दौरान मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए आधार को बारहवें वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। न्यायालय ने ये आदेश उन शिकायतों के बाद दिया, जिनमें कहा गया था कि चुनाव अधिकारी पूर्व निर्देशों के बावजूद इसे मान्यता देने से इनकार कर रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आधार को औपचारिक रूप से अपनी अनुमोदित पहचान प्रमाण सूची में शामिल करने के खिलाफ भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) की आपत्तियों को खारिज कर दिया, इस बात पर जोर दिया कि हालांकि ये दस्तावेज नागरिकता स्थापित नहीं कर सकता, लेकिन ये पहचान और निवास का एक वैध संकेतक बना हुआ है।

संयुक्त कमांडर सम्मेलन का उद्घाटन

मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए सशस्त्र बलों को सराहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर में अनुकरणीय भूमिका के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की और राष्ट्र निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। मोदी ने यहां विजय दुर्ग (पूर्व में फोर्ट विलियम) स्थित भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय में तीन दिवसीय संयुक्त कमांडर सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद 'भारतीय सशस्त्र बल विजन 2047'' दस्तावेज भी जारी किया। बयान में कहा गया है कि यह दस्तावेज भविष्य के लिए तैयार भारतीय सशस्त्र बलों का मार्ग प्रशस्त करता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में शामिल हुए, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस तरह का पहला सम्मेलन है।

सशस्त्र बलों का शीर्ष विचार-मंथन मंच

यह द्विवार्षिक सम्मेलन सशस्त्र बलों का शीर्ष विचार-मंथन मंच है, जो देश के शीर्ष नागरिक और सैन्य नेतृत्व को वैचारिक और रणनीतिक स्तर पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक साथ लाता है। साथ ही इसमें विभिन्न रैंक के अधिकारियों के साथ संवाद सत्र भी होते हैं। इस वर्ष 16वां सम्मेलन आयोजित किया जा रहाहै जिसमें सुधारों, परिवर्तन, बदलाव और अभियानगत तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

सुशीला कार्की के फैसले से भड़के जेन जेड

'जैसे कुर्सी पर बिठाया वैसे ही हटा भी सकते हैं'

मंत्रिमंडल का गठन मनमाने तरीके से करने का लगाया आरोप

एजेंसी ▶▶| काठमांडू

नेपाल में जेन जी Z आंदोलनकारियों ने तख्तापलट कर दिया है। यहां प्रदर्शन खत्म होने के बाद चुनी हुई नेता के तौर पर सुशीला कार्की का नाम सामने आया और वो अंतरिम प्रधानमंत्री बनी। वहीं जैसे ही सुशीला कार्की ने प्रधानमंत्री का पद संभाला, अब जेन जेड प्रदर्शनकारी उनसे भी नाराज हो गए। इस आंदोलन का प्रमुख चेहरा बने सामाजिक कार्यकर्ता सुदन गुरुंग ने बड़ी मांग की है। सुदन गुरुंग के नेतृत्व वाला एक युवा समूह रविवार को अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के बलुवतार स्थित आवास के बाहर देर रात तक प्रदर्शन करता रहा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि मंत्रिमंडल का गठन मनमाने तरीके से किया गया है और उन्होंने कार्की से इस्तीफे की मांग की। खासतौर पर उन्होंने ओम प्रकाश आर्यल को गृह मंत्री बनाए जाने का विरोध किया।

पीएम आवास के बाहर हुआ प्रदर्शन

रविवार रात प्रधानमंत्री आवास के बाहर जुटे सुदन गुरुंग के समर्थकों ने ओम प्रकाश आर्यल को गृह मंत्री बनाए जाने पर नारेबाजी की। उनका कहना था कि इतने अहम पद पर किसी 'बाहरी सूत्रधार' को क्यों बैठाया गया। सूत्रों के मुताबिक, ग्रुप ने चेतावनी दी कि मौजूदा आंदोलन को रास्ते से भटकाया जा रहा है और अपील की कि कोई भी इसे अपने हित में इस्तेमाल न करे। सूडान गुरुंग ने अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को सीधे संदेश देते हुए कहा, 'आपको प्रधानमंत्री बनाने में हमारा ही हाथ था, और अगर हालात ऐसे ही रहे तो आपको हटाने की ताक़त भी हमारे पास है।'

पहली महिला अंतरिम प्रधानमंत्री हैं कार्की

पिछले शुक्रवार को सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला अंतरिम प्रधानमंत्री बनीं। यह फैसला उस समय आया जब सोशल मीडिया बैन के खिलाफ देशभर में भड़के आंदोलन के चलते के.पी. शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा और कई दिनों से जारी राजनीतिक अनिश्चितता खत्म हुई। कार्की का चयन राष्ट्रपति पौडेल, सेना के शीर्ष अधिकारियों और सरकार विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे युवाओं के बीच हुई बैठक के बाद किया गया।

आईएनएस निस्तार पहुंचा सिंगापुर, पहली बार किया डॉक

सिंगापुर में शुरू हुआ एक्सपीआर-25 अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत का पहला स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) आईएनएस निस्तार ने 14 सितंबर 2025 को सिंगापुर के चांगी पोर्ट पर पहली बार डॉक किया। यह जहाज ईस्टर्न फ्लीट के कमांडर के अधीन काम करेगा। 15 सितंबर 2025 से शुरू हो रही बहुराष्ट्रीय एक्सरसाइज 'पैसिफिक रीच 2025' (एक्सपीआर 25) में हिस्सा लेगा। यह एक्सरसाइज साउथ चाइना सी में होगी, जिसमें 40 से ज्यादा देश भाग लेंगे।

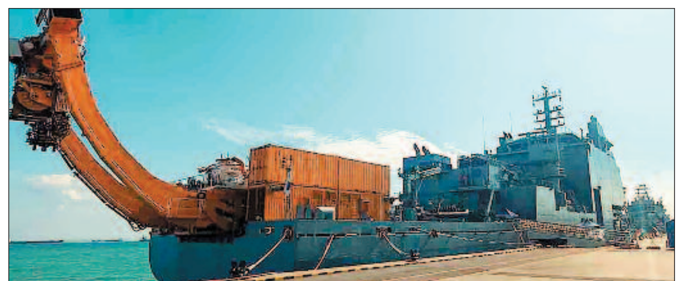

40 से ज्यादा देशों का सहयोग

यह द्विवार्षिक एक्सरसाइज सिंगापुर द्वारा होस्ट की जा रही है, जो 15 सितंबर 2025 से साउथ चाइना सी में हो रही है। इसमें 40 से ज्यादा देश सक्रिय भागीदार या पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हैं। एक्सरसाइज दो चरणों में होगी। यह एक्सरसाइज पनडुब्बी बचाव प्लेटफॉर्म्स को एकजुट करेगी, जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण है। भारत की भूमिका 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' के रूप में मजबूत होगी, जहां हम **ASEAN** देशों या हिंद महासागर के पड़ोसियों की मदद कर सकेंगे।

आईएनएस निस्तार की खासियत

स्वदेशी निर्माण का प्रतीक आईएनएस निस्तार को 18 जुलाई 2025 को विशाखापत्तनम में कमीशन किया गया। यह हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) द्वारा डिजाइन और बनाया गया पहला स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल है। इस जहाज की लंबाई 118.4 मीटर और चौड़ाई 22.8 मीटर है, जो 60 दिनों तक बिना रिफ्यूलिंग के चल सकता है। इसमें 80% से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल हुआ है।

चिंतन

अब नहीं हो पाएगा वक्फ की संपत्ति का दुरुपयोग

वक्फ संशोधन अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट का पूरी तरह से रोक लगाने से इनकार करने के साथ ही साफ हो गया कि एक बड़े फैसले पर मुहर लग गई है। हालांकि, कोर्ट ने कुछ प्रावधानों पर रोक भी लगाई है। इसके साथ ही सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने साफ शब्दों में कहा कि पूरे कानून पर रोक लगाने का कोई आधार नहीं बनता, लेकिन कुछ धाराओं को संरक्षण दिए जाने की जरूरत है। वक्फ के पास भारत में 8.72 लाख एकड़ संपति है। यह संपति इतनी ज्यादा है कि सेना और रेलवे के बाद वक्फ सबसे अमीर संगठन है। 2009 में यह प्रॉपर्टी करीब 4 लाख एकड़ ही थी, जो अब दोगुनी हो चुकी है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय ने दिसंबर 2022 में लोकसभा में जानकारी दी थी जिसके अनुसार वक्फ बोर्ड के पास 8,65,644 एकड़ अचल संपतियां हैं। वक्फ की इन जमीनों की अनुमानित कीमत 1.2 लाख करोड़ से भी ज्यादा है। हालांकि ये सरकारी अनुमान है। असल में यह संपति बाजार भाव के हिसाब से इससे कहां ज्यादा की बताई जा रही है। अब वक्फ संशोधन कानून में यह प्रावधान रहेगा जो सरकार की ओर से नियुक्त अधिकारी को यह निर्धारित करने का अधिकार देता है कि क्या वक्फ संपत्ति ने सरकारी संपत्ति में अतिक्रमण किया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बोर्ड में गैरमुस्लिम को सीईओ नियुक्त करने संबंधी संशोधन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। साथ ही यह निर्देश दिया कि जहां तक संभव हो वक्फ बोर्ड का मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुस्लिम होना चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के उस प्रावधान पर भी रोक लगाई, जिसमें वक्फ बनाने के लिए किसी व्यक्ति का 5 वर्षों तक इस्लाम का अनुयायी होना आवश्यक बताया गया था। यह प्रावधान तब तक स्थगित रहेगा, जब तक राज्य सरकारें यह तय करने के लिए नियम नहीं बना लेतीं कि कोई व्यक्ति इस्लाम का अनुयायी है या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि कलेक्टर को व्यक्तिगत नागरिकों के अधिकारों का निर्णय करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। यह शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का उल्लंघन होगा। जब तक ट्रिब्यूनल द्वारा निर्णय नहीं हो जाता, तब तक किसी भी पक्ष के विरुद्ध किसी तीसरे पक्ष का अधिकार निर्मित नहीं किया जा सकता। कलेक्टर को ऐसी शक्तियां देने वाले प्रावधान पर रोक रहेगी। हम यह भी मानते हैं कि वक्फ बोर्ड में 3 से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं हो सकते और कुल मिलाकर 4 से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि किसी भी कानून की संवैधानिक वैधता का आकलन उसके पक्ष में ही होता है। केवल दुर्लभ मामलों में ही पूरे कानून पर रोक लगाई जा सकती है। दरअसल, याचिकाकर्ताओं ने इस पूरे कानून को ही रद करने की मांग की थी। मगर, सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला अब इस्लामी वक्फ बोर्ड के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा। शीर्ष अदालत ने एक तरह से इस कानून के जरिये पुराने वक्फ का अंत ही कर डाला है। अब याचिकाकर्ताओं के पास हाथ मलने के सिवा कोई विकल्प नहीं है। सरकार ने शुरुआत से ही साफ कर दिया था कि वक्फ संशोधन अधिनियम का उद्देश्य गरीब मुसलमानों को लाभ पहुंचाना व संपति का दुरुपयोग रोकना है। भारत जैसे बड़े देश में जमीन के एक-एक इंच का उचित उपयोग होना चाहिए। संशोधन लागू होने के बाद वक्फ बोर्ड मनमाने ढंग से किसी भी गांव को वक्फ संपति घोषित नहीं कर कर पाएगा, लेकिन कुछ लोग इसे लेकर भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे थे। अब सुप्रीम मुहर लगने पर बाद ऐसे मनसूबों पर पानी फिर गया है।

विश्व ओजोन दिवस

रोहित कौशिक

ओजोन परत बचेगी तो ही धरती पर हम सब बचेंगे

आज विश्व ओजोन दिवस है। यह दिन हमें पर्यावरण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बहुत कुछ सोचने के लिए प्रेरित करता है। दरअसल ओजोन परत की स्थिति में उतार-चढ़ाव होता रहता है। समय-समय पर ओजोन परत को लेकर विभिन्न अध्ययन सामने आते रहते हैं। कभी-कभी इन अध्ययनों में विरोधाभासी बातें भी सामने आती हैं। यानी कभी ओजोन परत की स्थिति में सुधार का शोध प्रकाशित होता है तो कभी ओजोन परत की स्थिति बदतर होने का शोध प्रकाशित होता है। ऐसी विरोधाभासी शोध हमें भ्रमित करते हैं। मूल बात यह है कि आज जिस तरह से पर्यावरण को हानि पहुंचायी जा रही है, वह ओजोन परत के लिए शुभ नहीं है। पिछले कुछ दशकों में मानवीय गतिविधियों ने ओजोन परत को काफी नुकसान पहुंचाया है। कुछ समय पहले नासा और यूएस नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के वैज्ञानिकों ने यह बताया था कि आजोन छिद्र की स्थिति अब बेहतर हो रही है। यह छेद अंटार्कटिका के ऊपर स्थित है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुमान के अनुसार अंटार्कटिक आजोन परत 2066 के आस-पास 1980 के स्तर पर पहुंच जाएगी, जबकि बाकी दुनिया में 2040 और 2045 के बीच रिकवरी होगी। वहीं विभिन्न शोधों में यह बात सामने आई है कि 1997 के आसपास ओजोन क्षय की दर कम हो गई थी। वैज्ञानिकों ने इस सम्बन्ध में 25 साल के आंकडों का अध्ययन किया और इस नतीजे पर पहुंचे कि लगातार खराब होती जा रही ओजोन परत की स्थिति कुछ जगहों पर अब बेहतर है। वैज्ञानिकों का मानना है कि कुछ जगहों पर ओजोन परत की स्थिति में सुधार 1987 की अन्तर्राष्ट्रीय मांट्रियल संधि के कारण ही संभव हुआ है।

वैज्ञानिकों ने सत्तर के दशक में यह खोजा था कि ओजोन परत पतली हो रही है। 1980 के आसपास यह बहुत स्पष्ट हो गया था कि ओजोन परत का तेजी से क्षरण हो रहा है। विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों के द्वारा यह बात सामने आई कि क्लोरो फ्लोरो कार्बन नामक गैस ओजोन परत को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा रही है। यह गैस मुख्यतः वातानुकूलन एवं प्रशीतन, रेफ्रिजिरेशन में काम आती है। इसके अतिरिक्त वातावरण में ऊंचाई पर उड़ने वाले जेट विमान भी क्लोरो फ्लोरो कार्बन छोड़ते हैं। इसलिए इस तरह की गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए 1987 में अन्तर्राष्ट्रीय मांट्रियल संधि को लागू किया गया। वैज्ञानिकों का मानना है कि कुछ जगहों पर ओजोन परत की सुधरती स्थिति इसी मांट्रियल संधि का नतीजा है। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि मात्र क्लोरो फ्लोरो कार्बन ही ओजोन परत को नुकसान नहीं पहुंचाती है बल्कि कुछ अन्य कारक भी ओजोन परत के क्षरण के लिए जिम्मेदार होते हैं। सूर्य कंलक, सन स्पोट, ज्वालामुखी तथा मौसम जैसे कारक ओजोन परत का स्वरूप निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। नासा तथा कुछ विश्वविद्यालयों का मानना है कि आज कुछ जगहों पर ओजोन परत की बेहतर स्थिति के लिए क्लोरो फ्लोरो कार्बन के उत्सर्जन में कमी ही मुख्य रूप से जिम्मेदार है।

ओजोन वातावरण के स्ट्रेटोस्फीयर भाग में धरती की सतह से ऊपर 15 किमी से लेकर 40 किमी तक की ऊंचाई में पाई जाती है। यह सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को सोखकर ऐसे विभिन्न रासायनिक तत्वों को बचाती है जो कि जीवन के लिए बहुत ही आवश्यक होते हैं। जब वातावरण में आक्सीजन पराबैंगनी किरणों को सोखती हैं तो रासायनिक प्रक्रिया के द्वारा ओजोन का निर्माण होता है। ओजोन परत के क्षरण से सूर्य से निकलने वाली हानिकारक पराबैंगनी किरणें धरती पर पहुंचकर मनुष्यों, जानवरों, पेड़-पौधों तथा अन्य बहुत सारी चीजों को नुकसान पहुंचाती हैं। पराबैंगनी किरणों से त्वचा कैंसर,फेफडों का कैंसर, शरीर की प्रतिरक्षक प्रणाली का कमजोर होना ,आंखों के रोग, डीएनए का टूटना तथा सन बर्न जैसे रोग हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त ये किरणें पेंट एप्लास्टिक तथा सीमेंट जैसी चीजों के लिए भी हानिकारक सिद्ध होती हैं। सर्वप्रथम स्वीडन ने 23 जनवरी 1978 को क्लोरो फ्लोरो कार्बन वाले ऐरोसोल स्प्रे को प्रतिबन्धित किया था। इसके बाद कुछ अन्य देशों जैसे अमेरिका, कनाडा तथा नार्वे ने भी यही कदम उठाए। लेकिन यूरोपियन समुदाय ने इस तरह के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। यहां तक कि अमेरिका में भी प्रतिशीलन, रेफ्रीजेरेशन जैसे उद्देश्यों के लिए क्लोरो फ्लोरो कार्बन का उपयोग होता रहा। मांट्रियल संधि के बाद ही सभी देशों ने क्लोरो फ्लोरो कार्बन के उत्सर्जन को कम करने के लिए गंभीरता से सोचा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

नेपाल

अवधेश कुमार

विद्रोह की पड़ताल आवश्यक

आप देखेंगे कि पिछले काफी समय से नेपाल में अलग-अलग किस्म के आंदोलन चलते रहे हैं जिनमें नेपाल को फिर हिंदू राष्ट्र घोषित करने तथा राजशाही की पूर्ण वापसी प्रमुख था। इनकी रैलियों में हजारों लोग आने लगे। केपी शर्मा होली ने राजा ज्ञानेंद्र की गतिविधियों को रोकने की कोशिश की तथा आंदोलन में हुए तोड़फोड़ के लिए उन पर 7 करोड़ 93 लाख का जुर्माना भी लगाया। मधेसी आंदोलन ने सदियों से उपेक्षित यहां तक की नागरिकताविहीन व्यक्तियों के दमन को आवाज दी किंतु अधिकतर मधेस नेता भी राजनीतिक स्वार्थ एवं निजी लाभ के वशीभूत एकजुट नहीं रह सके। उन्होंने भी निराश किया।

नेपाल में उथल-पुथल के बीच सुशीला कार्की ने अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। किंतु इसके पूर्व तीन दिनों में नेपाल जिस अकल्पनीय हिंसा, उथल-पुथल और हृदयविदारक घटनाओं से गुजरा उसने सबको डराया है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरुद्ध जेन जी के बैनर से जारी विरोध प्रदर्शन कितना उग्र, हिंसक, अराजक और अनेक मायनों में आपराधिक हुआ। ऐसा लगता था जैसे उग्र भीड़ नेपाल की राजनीति और सत्ता से संबंधित हर चीज नष्ट करना चाहती हो। संसद भवन, प्रधानमंत्री आवास, राष्ट्रपति आवास और उच्चतम न्यायालय जला देना, मंत्रियों, पूर्व मंत्रियों, नेताओं के घरों में घुसकर, खींच-खींच कर सड़कों पर दौड़ा - दौड़ा कर पीटना और महिलाओं को भी नहीं बख्शना किसी आंदोलन का पर्याय नहीं हो सकता। पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल की पत्नी को जलाया गया। शेर बहादुर देउबा की पत्नी विदेश विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा की बेरहमी पिटाई वाकई हृदयविदारक थी। लगता था जैसे भीड़ किसी भी नेता को नेपाल की धरती पर साक्षात सहन करने को ही तैयार नहीं थी। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को सेना ने हेलिकॉप्टर से बचाकर निकाला। नेताओं के व्यक्तिगत घर भी जला डाले गए। केवल सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के कारण इस तरह का हिंसक विरोध, जिसने उग्र अराजकता की सीमाएं पार कर दिया गले नहीं उतरता।

जरा सोचिए, 28 अगस्त को नेपाल सरकार ने 26 सोशल मीडिया साइट को प्रतिबंधित किया जिन्होंने वहां रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था और 3 सितंबर को आंदोलन आरंभ हो गया। ठीक है कि सोशल मीडिया नई पीढ़ी और सक्रिय लोगों के जीवन में इतना पैठ बना चुका है कि प्रतिबंध सामान्य तौर पर स्वीकार नहीं हो सकता। नेपाल में सोशल मीडिया के माध्यम से 12 अरब डॉलर माह से ज्यादा का कारोबार हो रहा है। नई पीढ़ी रील बनाने से लेकर अन्य वीडियो आदि से भारी कमाई कर रही है। सोशल मीडिया भुगतान का भी जरिया बन गया है।

तो नेपाल में इसका प्रतिबंधित होना आसानी से स्वीकार नहीं हो सकता था। सरकार का कहना था कि सोशल मीडिया के माध्यम से देश की सुरक्षा को खतरा पहुंचाया जा रहा था, सांप्रदायिक घृणा भी फैलाई जा रही थी। इसलिए इनका नियमन करना जरूरी है। उच्चतम न्यायालय ने निबंधन की बात कही थी कि जिसका आधार बनाकर सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन उग्र विरोध को देखते हुए सरकार ने प्रतिबंध भी हटा लिया। अगर केवल इसका प्रतिबंध विरोध का कारण होता तो ऐसी स्थिति नहीं बनती। पहले दिन ही विरोध प्रदर्शन के बीच 21 लोगों की मृत्यु आग में घी डालने वाला साबित हुआ, इतनी बड़ी संख्या में किसी आंदोलन में सुरक्षा बलों की कार्रवाई से मृत्यु हो तो गुस्सा, उत्तेजना पैदा होना स्वाभाविक था। बावजूद ऐसी हिंसा, हर विचारधारा की राजनीति और नेताओं को संपूर्ण नष्ट करने की सीमा तक अभियान चलाना किसी दृष्टिकोण से सामान्य नहीं था।

हाल के समय में जहां भी इस तरह की घटनाएं हुई हमने आधार कारणों का विश्लेषण करते हुए प्रकारांतर से उन्हें न्यायसंगत ठहराने की कोशिश की है। नेपाल के संदर्भ में भी नेताओं के भ्रष्टाचार, उनके बच्चों का

विलासितापूर्ण जीवन, राजनीतिक अस्थिरता आदि को इसके पीछे प्रमुख कारण बताया गया। यह तो नहीं कह सकते कि नेपाल में असंतोष और विरोध के कारण नहीं थे। 2006 में माओवादियों के शांति समझौते के बाद 2008 में राजशाही के अंत के साथ आरंभ संसदीय लोकतंत्र का प्रयोग नेपाल में अनेक विद्रूपताओं का शिकार हुआ। 2008 से एक नया दौर आरंभ हुआ तो 2015 में फिर नए संविधान के साथ नेपाल ने कदम आगे बढ़ाया। किंतु 17 वर्षों में 14 सरकारों के आने- जाने से बड़ा प्रमाण राजनीतिक अस्थिरता का क्या हो सकता था। हथियार के दबाव में परिवर्तन लाने वाले पुष्पकमल दहल प्रचंड तीन बार प्रधानमंत्री बने तो कम्युनिस्ट पार्टी और नेपाल के केपी शर्मा ओली तथा कांग्रेस के शेर बहादुर भी इतनी ही बार।

आप देखेंगे कि पिछले काफी समय से नेपाल में अलग-अलग किस्म के आंदोलन चलते रहे हैं जिनमें नेपाल को फिर हिंदू राष्ट्र घोषित करने तथा राजशाही की पूर्ण वापसी प्रमुख था। इनकी रैलियों में हजारों लोग आने लगे। नेपाल के ज्यादातर जिलों में इनकी रैलिया हुईं और हजारों लोगों की इनमें भागीदारी थी। केपी शर्मा होली ने राजा ज्ञानेंद्र की गतिविधियों को रोकने की कोशिश की तथा आंदोलन में हुए, तोड़फोड़ के लिए उन पर 7 करोड़ 93 लाख का जुर्माना भी लगाया। मधेसी आंदोलन ने सदियों से उपेक्षित यहां तक की नागरिकता विहीन व्यक्तियों के दमन को आवाज दी किंतु अधिकतर मधेस नेता भी राजनीतिक स्वार्थ एवं निजी लाभ के वशीभूत एकजुट नहीं रह सके। हाल में नेपाल में मुस्लिम तथा ईसाई समुदाय की बढ़ती आबादी के विरुद्ध भी असंतोष बढ़ा है। मुस्लिम आबादी तराई या मधेश के क्षेत्र में है और उसके कारण समाज में असहज स्थिति पैदा हुई है। 2008 की संविधान सभा सह संसद ने बिना घोषणा के हिंदू राष्ट्र का अंत कर नेपाल को सेक्युलर देश घोषित किया। इसमें बालेंद्र शाह जैसे रैपर तथा सूदन गुरुंग जैसे हामी नेपाल एनजीओ के संचालकों ने नई पीढ़ी को आकर्षित किया। उनकी लोकप्रियता बढ़ी। बालेंद्र शाह ने कांग्रेस और कम्युनिस्ट दोनों को पराजित कर काठमांडू के मेयर का चुनाव जीता तथा 2023 में टाइम्स पत्रिका ने उन्हें विश्व के 100 प्रभावशाली व्यक्तियों में शामिल कर दिया। हालांकि इस बीच दुर्गा परसाई जैसे राष्ट्रीय प्रजातांत्रिक पार्टी के नेता भी उभरे जो संवैधानिक राजशाही की पुनर्स्थापना के समर्थक हैं। बेरोजगारी के कारण युवाओं का विदेशों में पलायन नेपाल के लिए आम बात थी। इस समय नेपाल के लोग दुनिया के अनेक कोने में है। वहां से प्रभावित हैं।

किंतु कई बार हम जल्दीबाजी में तात्कालिक घटनाओं की वास्तविक पृष्ठभूमि, उसके उसके पीछे की सोच, विचारधारा तथा इसके भावी डरावने प्रभावों का आकलन नहीं कर पाते। नेपाल अकेला देश नहीं है जहां राजनीति और सत्ता भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी हो और काफी हद तक प्रत्यक्ष दिखाई भी पड़ता हो। इस तरह की स्थिति इसके पूर्व दक्षिण एशिया में श्रीलंका तथा बांग्लादेश में ही पैदा हुई। बांग्लादेश की घटना के पीछे अमेरिका और तथा पाकिस्तान की प्रमुख भूमिका थी।

कहने का तात्पर्य इस तरह के विद्रोहों के पीछे ऐसी सोच, विचारधारा, योजना और तैयारी रही है जिसकी ओर हमारा स ध्यान नहीं जाता। आज भी स्थिति यह है कि अगर आप इस तरह के कृत्यों का तार्किक विरोध करें तो आपको उग्र प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान भारत के प्रति विरोध की भी अनेक घटनाएं सामने आई। साफ है कि नेपाल के पूरे घटनाक्रम के पीछे के कारणों की गहराई से पड़ताल करनी होगी। पूरे विश्व में विरोधों का जैसा चरित्र दिख रहा है उसी क्रम में ही इसे देखा जाना चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

व्यक्ति को कैसे मिल सकती है दुखों से मुक्ति

संकलित

दर्शन

छठी शताब्दी ईसा पूर्व में संपूर्ण विश्व दर्शन के नए क्षितिज स्पर्श कर रहा था। चीन में कन्फ्यूशियस और लाओत्से, ईरान में जरथुस्त्र, यूनान में पाइथागोरस नए तर्क गढ़ रहे थे तो भारत में महावीर स्वामी और गौतम बुद्ध वैदिक दर्शन को नया आयाम देने में लगे थे। गौतम बुद्ध ने बताया कि जन्म से लेकर मृत्यु तक संपूर्ण जीवन दुखमय है। मृत्यु भी दुख का अंत नहीं है, बल्कि नए दुख का आरंभ है, क्योंकि मृत्यु के बाद भी पुनर्जन्म होता है। उनका मानना था कि प्राणी की इच्छा अपूर्ण रहती है तो पुनर्जन्म लेना पड़ता है। बुद्ध अनात्मवादी और अनीश्वरवादी तो थे, किंतु भौतिकवादी नहीं थे। उनका मत है कि सृष्टि में जो कुछ है वह क्षणिक है, परिवर्तनशील है। द्वितीय आर्य सत्य है कि प्रत्येक कार्य का कारण अवश्य होता है, जिसे बुद्ध ने प्रतीत्यसमुत्पाद कहा। इस दुख के कारणता सिद्धांत को द्वादश निदान चक्र भी कहा जाता है। इस दुख का मूलभूत कारण अविद्या है। अविद्या से संस्कार या पूर्व में किए गए कर्मों की प्रवृत्तियां उत्पन्न होती हैं। संस्कार से विज्ञान, विज्ञान से नामरूप, नामरूप से षडायतन, षडायतन से स्पर्श, स्पर्श से वेदना, वेदना से तृष्णा, तृष्णा से उपादान, उपादान से भव, भव से जाति, जाति या जन्म से जरा-मरण का दुख भोगना पड़ता है। बौद्ध दर्शन का तृतीय आर्यसत्य दुख-निरोध है। दुखों के मूल कारण अविद्या को दूर करके इसी जीवन में दुखों का अंत किया जा सकता है। दुखों का निरोध ही निर्वाण है। चतुर्थ आर्यसत्य दुख निरोध के अष्टांग मार्ग हैं-सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाक, सम्यक कर्मात, सम्यक आजीव, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि।

अपने बल पर न इतराए और न दूसरे को कमजोर समझें

संकलित

प्रेरणा

महाभारत युद्ध में अर्जुन और कर्ण आमने-सामने थे। दोनों दिव्य अस्त्र-शस्त्रों से लड़ रहे थे। जब-जब अर्जुन के तीर कर्ण के रथ पर लग रहे थे तो कर्ण का रथ बहुत पीछे खिसक रहा था। दूसरी ओर जब-जब कर्ण के तीर अर्जुन के रथ पर लगते तो उसका रथ थोड़ा सा ही पीछे खिसकता था। ये देखकर अर्जुन को घमंड हो गया कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। अर्जुन ने ये बात श्रीकृष्ण से कही तो भगवान ने कहा कि तुम्हारे बाणों से ज्यादा शक्ति कर्ण के बाणों में है। भगवान की बात सुनकर अर्जुन ने कहा कि ये कैसे संभव है, मेरा रथ तो थोड़ा सा ही पीछे खिसक रहा है। श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम्हारे रथ पर मैं स्वयं बैठा हूं, ऊपर ध्वजा पर हनुमान जी विराजित हैं, तुम्हारे रथ के पहिए को शेषनाग ने थाम रखा है। इतना होने के बाद भी कर्ण के बाण ये रथ पीछे खिसक रहा है तो इसका मतलब यही है कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। यदि ये न होता तो पता नहीं तुम्हारे रथ की क्या स्थिति होती। ये बात सुनकर अर्जुन को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसका घमंड टूट गया। इस कथा में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को सीख दी है कि कभी अपनी शक्ति का घमंड न करें और शत्रु को कमजोर न समझें। यथा स्थिति का अच्छा से अवलोकन करे।

अंतर्मन

आज की पाती

प्राइवेट कर्मचारियों को मिले उचित पेंशन

आजकल एक खबर सुर्खियों में है कि केंद्र सरकार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन कर्मचारी पेंशन योजना के तहत प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों की न्यूनतम पेंशन में वृद्धि कर सकती है। अभी यह न्यूनतम पेंशन लगभग 1000 रुपए है। अगर सरकार इस पेंशन को लगभग 7500 रुपए कर देती है तो इससे करोड़ों लोगों को खुशी होगी और इससे इनकी बुढ़ापे में अपने खर्चे की टेंशन कुछ कम होगी। देश के हर कर्मचारी, चाहे वो सरकारी नौकरी का हो या निजी किसानों-संस्थान का, को पेंशन महंगाई के हिसाब से मिलनी चाहिए। 60 वर्ष के बाद तो किसी भी व्यक्ति में इतनी एनर्जी नहीं रह जाती कि वो अपने खर्चे पूरे करने के लिए और कोई नौकरी कर ले या काम धंधा कर ले। – *विवेक जोशी, बिलासपुर*

ट्रेंड

सबसे बड़ी विशेषता

जब नरेंद्र मोदी जी भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री थे, तब वे अक्सर मध्यप्रदेश आया करते थे। उन्होंने पूरे प्रदेश का व्यापक दौरा किया। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि वर्षों बाद भी वे उन कार्यकर्ताओं को याद रखते हैं और उन्हें सम्मान देते हैं।
- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री

बहुत भावुक क्षण

यह एक बहुत ही भावुक क्षण था। असम के कलाकारों ने प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में भूपेन दा की 100वीं जयंती समारोह के दौरान भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका दा की कुछ कालजयी रचनाओं का प्रदर्शन किया।
-किरण रिजिजू, केंद्रीय मंत्री

राहत पैकेज मिले

बाढ़ ने पंजाब में भीषण तबाही मचाई है। आज घोनेवाल में गांववासियों से मिला - उजड़े आशियाने, बर्बाद खेत, बिखरी ज़िंदगियां। राज्य और केंद्र बिना देरी पीड़ितों राहत पैकेज और मुआवज़ा दें।
- राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

खेलना सही नहीं

भारत की 26 विवाहित महिलाओं को भारत के कश्मीर में पाकिस्तानियों द्वारा अपने-अपने पतियों की निर्मम हत्या देखने के लिए मजबूर किया गया। भयानक, लेकिन उससे भी भयानक है, तथाकथित कसाइयों पाकिस्तान के साथ बाहर आकर क्रिकेट खेलना।
- सुब्रमण्यम स्वामी, भाजपा नेता

करंट अफेयर

ट्रंप के प्रतिबंधों से अमेरिका नहीं आ सकेंगे विदेशी छात्र

अफगानिस्तान में लड़कियों के कॉलेज जाने पर तालिबान की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के बाद बहारा सागरी नाम की युवती ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अमेरिका जाने के बारे में सोचा। बहारा (21) ने कई वर्षों तक प्रतिदिन आठ घंटे तक अंग्रेजी का अभ्यास किया और आखिरकार उसे इलिनॉय के एक निजी लिबरल आर्ट्स कॉलेज में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई करने का प्रस्ताव मिला। बहारा इस साल अमेरिका पहुंचने की उम्मीद में थीं लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यात्रा प्रतिबंध के कारण उनका सपना एक बार फिर पूरा नहीं हो पाया। बहारा ने कहा, आपको लगता है कि आखिरकार आप अपने सपने की ओर बढ़ रहे हैं लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि जैसे सब कुछ खत्म हो गया हो। ट्रंप प्रशासन ने 19 देशों के नागरिकों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं और इन प्रतिबंधों से हजारों विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं, जिनमें से कई ऐसे भी हैं जो अमेरिका आने के लिए काफी समय और पैसा लगाने के बाद अब खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। कुछ विदेशी छात्र इस साल कॉलेजों में प्रवेश के प्रस्ताव मिलने के बावजूद नहीं आ पा रहे हैं क्योंकि वीजा प्रक्रिया के दौरान अतिरिक्त जांच-पड़ताल होने के कारण वीजा मिलने में देरी हो रही है।

ऑफ बीट

क्या छोटे व्यायाम सत्र भी उपयोगी हो सकते हैं ?

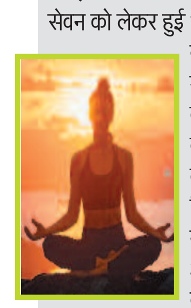

'माइक्रोडोज़िंग' शब्द की शुरुआत साइकेडेलिक ड्रग्स की बेहद कम मात्रा में सेवन को लेकर हुई थी, जिससे मूड और प्रदर्शन में सुधार हो सके और दुष्प्रभाव कम हों। अब यह शब्द किसी भी चीज़ की अल्प मात्रा में खपत के लाभ को संदर्भित करने लगा है-जिसमें व्यायाम भी शामिल है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति समयाभाव के कारण 30 मिनट की दौड़ नहीं कर सकता, तो छोटे-छोटे व्यायाम सत्र भी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकते हैं। कम से कम कितना चलना जरूरी है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वयस्कों को सप्ताह में कम से कम 150 मिनट का मध्यम तीव्रता वाला एरोबिक व्यायाम (जैसे कि तेज़ चलना) या 75 मिनट का तीव्र व्यायाम (जैसे दौड़ना) करना चाहिए। यह व्यायाम दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना या टीम स्पोर्ट्स जैसी गतिविधियां हो सकती हैं। साथ ही, मांसपेशियों को मज़बूत करने वाले व्यायाम (जैसे भार उठाना या स्प्रिंटिंग) सप्ताह में दो बार करना भी आवश्यक है। क्या घरेलू काम भी व्यायाम है? रोज़मर्रा की गतिविधियां जैसे बच्चों के साथ खेलना या बस स्टॉप तक पैदल जाना भी कुल शारीरिक गतिविधि में योगदान देती हैं। जैसे कि पोछा लगाना आदि मध्यम तीव्रता की गतिविधियों के अंतर्गत आ सकते हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

बेकाबू ट्रक ने भीड़ को रौंद डाला, 5 की मौत!

इंदौर की घटना, आक्रोशित लोगों ने ट्रक में लगाई आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

एयरपोर्ट रोड पर सोमवार शाम एक अनियंत्रित ट्रक ने कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें 4 से 5 लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। हादसे में कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना के बाद मौके पर जमा हुई गुस्साई भीड़ ने ट्रक को आग के हवाले कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह भीषण हादसा एयरपोर्ट रोड स्थित शिक्षक नगर के पास हुआ। एक तेज रफ़्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क पर चल रहे कई लोगों को रौंदता हुआ आगे बढ़ गया। जब तक कोई कुछ समझ पाता, तब तक कई लोग ट्रक की चपेट में आ चुके थे।

हजारीबाग में बड़ी कार्रवाई, 1 करोड़ का ईनामी नक्सली सोरेन ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

झारखंड के हजारीबाग जिले में केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल की कोबरा बटालियन और राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आज एक बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षा बलों ने 1 करोड़ के ईनामी और भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय कमिटी के सदस्य सहदेव सोरेन उर्फ परवेश को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। इस अभियान में दो अन्य इनामी नक्सलियों को भी मार गिराया गया। रघुनाथ हेम्ब्रम उर्फ चंचल, बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी सदस्यों सिर पर 25 लाख रुपए का ईनाम था जबकि बीरसेन गांझू उर्फ रामखेलावन, जोनल कमेटी सदस्य पर इनाम 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस सफलता पर सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस की जमकर प्रशंसा की।

पीएम मोदी ने पूर्णिया हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का किया उद्घाटन

घुसपैठियों को जाना होगा बाहर, कांग्रेस व राजद राज्य के सम्मान के लिए खतरा बने

एजेंसी ▶▶ पूर्णिया

पीएम मोदी ने करीब 40 हजार करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इसमें मखाना बोर्ड की स्थापना सबसे प्रमुख है। इसके बाद पूर्णिया एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद 4 ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं पूर्णिया की गरीब महिलाओं को आवास योजना के तहत घर की चाबी भेंट की।

इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि मैं इन लोगों को एक बात अच्छी तरह समझाना चाहता हूं कि राजद और कांग्रेस की जमात कान खोलकर सुन लो, जो भी घुसपैठिया है, उसे बाहर जाना ही होगा। घुसपैठ पर ताला लगाना, एनडीए की पक्की जिम्मेदारी है। जो घुसपैठियों को बचा रहे हैं, मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि आप कितनी भी ताकत लगा लो अब हम उन्हें घुसने नहीं देंगे। भारत में घुसपैठियों की मनमान नहीं चलेगी। यह मोदी की गारंटी है। कांग्रेस और राजद के लोग घुसपैठियों की वकालत कर रहे हैं। यह लोग घुसपैठियों के लिए नारे लगा रहे हैं। राजद की सरकार में माताएं-बहनें परेशान थीं। वह डरी हुई थीं।

विपक्ष को केवल अपने परिवार की चिंता हम बना रहे 'लखपति दीदी'

जीएटी घटाई

आज डबल इंजन की सरकार में वे लखपति दीदी बन रही है। जीविका दीदी आज पूरे देश के लिए प्रेरणा है। पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस को केवल अपने परिवार की चिंता है। यह लोग कभी आपकी चिंता नहीं करेंगे। लेकिन, मोदी के लिए आप ही परिवार हो। इसलिए मोदी कहता है सबका साथ सबका विकास। आने वाले दिनों में कई पर्व और त्योहार आने वाले हैं। इस बार हमारी सरकार ने गरीबों के लिए बहुत बड़ा उपहार दिया है। आज से ठीक हफ्ते बाद नवरात्र का त्योहार आएगा। और, 22 सितंबर से जीएसटी कम हो जाएंगी।

राजद की सहयोगी कांग्रेस को बिहार से लेना-देना नहीं

पीएम मोदी ने कहा कि बिहार का विकास कांग्रेस और राजद वालों को पच नहीं रहा है। कुछ दिन पहले ही राजद की सहयोगी कांग्रेस पार्टी बिहार की तुलना बीड़ी से कर रही है। ये केवल अपनी तिजोरियां भर रहे हैं। ऐसे लोग बिहार का विकास कैसे कर सकते हैं? कांग्रेस के एक प्रधानमंत्री ने माना कि दिल्ली से चला हुआ 100 पैसा में से 85 पैसा रास्ते में ही रह जाता है। पहले लालटेन जलाकर पंजा सारा पैसा रख लेता था। कांग्रेस और राजद को विकास से कोई लेना देना नहीं है। बिहार की सम्मान और पहचान को खतरा है।

कांग्रेस का दावा

बिहार में अदाणी को 1 रुपए में मिली 1 हज़ार 50 एकड़ जमीन और 10 लाख पेड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने बिहार के भागलपुर में उद्योगपति गौतम अदाणी को पावर प्लांट लगाने के लिए 1 रुपये प्रतिवर्ष की दर से 1,050 एकड़ जमीन और 10 लाख पेड़ दिए जाने का बड़ा खुलासा करते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने दोस्त के लिए प्रदेश को लूटने की संज्ञा दी है। इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने बताया कि किसानों से उनकी जमीन जबरदस्ती और धमकाकर ली जा रही है।

यहां हुआ सौदा

खेड़ा ने बताया कि यह जमीन और आम, लीची, सागवान के पेड़ मात्र 1 रुपये प्रति वर्ष की दर से 33 साल के लिए अदाणी समूह को सौंप दिए गए हैं। यह सौदा भागलपुर के पीरपैंती में 2,400 मेगावाट के पावर प्लांट के लिए है, जिसकी अनुमानित लागत 21,400 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि इस पावर प्लांट की घोषणा केन्द्रीय बजट में भी हुई थी।

भारत का लक्ष्य वैश्विक ऑटोमोबाइल विनिर्माण में पहला स्थान हासिल करना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित 'सेव इंटरनेशनल 2025 वैल्यू समिट' में कहा कि भारत अब जापान को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाज़ार बन गया है और सरकार अगले पांच वर्षों में इसे पहले स्थान पर लाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख वैश्विक ऑटोमोबाइल ब्रांड अब भारत में मौजूद हैं, जिनका ध्यान केवल असेंबलिंग करने से हटकर भारत से पूरे विश्व में वाहन निर्यात पर केंद्रित हो गया है। गडकरी ने कहा कि भारत का दोपहिया क्षेत्र ही अपने उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक निर्यात करता है, जो वैश्विक स्तर पर देश की बढ़ती वाहन उपस्थिति दर्ज कर रहा है। गडकरी ने स्वच्छ परिवहन के मुद्दे पर इलेक्ट्रिक वाहनों, हाइड्रोजन ईंधन और वैकल्पिक ईंधनों में भारत की अग्रणी भूमिका का उल्लेख किया।

तरक्की में महिला सशक्तिकरण की भूमिका महत्वपूर्ण : हरिवंश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने आज तिरुपति में आयोजित महिला सशक्तिकरण पर विधान समितियों के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित किया। यह सम्मेलन ऐतिहासिक रहा क्योंकि 1997 में महिला सशक्तिकरण समिति की स्थापना के बाद पहली बार संसद और विभिन्न राज्य विधानसभाओं की समितियाँ एक मंच पर एकत्र हुईं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सम्मेलन अधिक बार होने चाहिए ताकि न केवल चुनौतियों की पहचान हो, बल्कि ठोस समाधान भी सामने आएं।

कई नई योजनाएं और नीतियां

राज्यसभा के उपसभापति ने कहा कि महिला सशक्तिकरण भारत के 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प का अभिन्न हिस्सा है।उन्होंने उल्लेख किया कि पिछले 10 वर्षों में महिलाओं के कल्याण और उत्थान के लिए कई नई योजनाएँ और नीतियाँ लाई गई हैं। महिलाएँ राष्ट्र-निर्माण में अग्रणी बन रही हैं।

भारत और रूस के संबंधों को तोड़ने के प्रयास होंगे 'विफल'

मॉस्को। रूस से तेल खरीदने और यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने का आरोप लगाकर अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। इतना ही नहीं अमेरिका द्वारा जी7 देशों पर भी दबाव बनाया जा रहा है कि वे रूस से तेल खरीदने के लिए भारत के सामान पर भारी-भरकम टैरिफ लगाएं। इसे लेकर रूस ने बयान जारी किया है और कहा है कि भारत और रूस के संबंध समय की कसौटी पर खरे उतर चुके हैं और लगातार आगे बढ़ रहे हैं। रूस ने चेतावनी दी कि दोनों देशों को संबंधों को तोड़ने की हर कोशिश विफल होगी। रूस के विदेश मंत्रालय से मीडिया ने सवाल किया कि अमेरिका और पश्चिमी देशों का भारत पर टैरिफ दबाव बढ़ता जा रहा है। इसके जवाब में रूसी विदेश मंत्रालय ने ट्रंप के टैरिफ दबाव के बावजूद भारत के अडिग रुख की तारीफ की।

गुवाहाटी में बिम्सटेक का आयोजन, क्षेत्रीय सहयोग पर सहमति

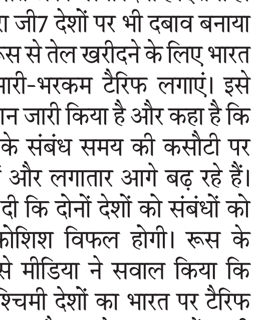

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

भारत ने गुवाहाटी में 9 से 11 सितंबर तक बिम्सटेक युवा नेताओं का शिखर सम्मेलन हुआ। इसमें सदस्य देशों से 80 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसका उद्देश्य समावेशी नेतृत्व को बढ़ावा देना और विभिन्न संस्कृतियों के बीच सहयोग व समझ को मजबूत करना था। यह भारत के स्काउट्स एंड गाइड्स के सहयोग से हुआ और इसका उद्घाटन असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने किया।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 175010/निविदा सूचना क्रमांक 07/ वलेलि/2025-26,
गरियाबंद, दिनांक 10.09.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 01.10.2025 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम : गरियाबंद जिले के विकासखण्ड छुरा की पीपरछेड़ी जलाशय योजना के शीर्ष कार्य का शेष मिट्टी का कार्य आर.डी. 870 मी. से 1140 मी. के मध्य नाला क्लोजर का कार्य कटऑफ रॉक टो फिल्टर एवं पिचिंग का निर्माण कार्य, स्लूस का मरम्मत कार्य, वेस्ट वियर का निर्माण कार्य एवं स्पिल चैनल में शूटफाल का निर्माण कार्य ।

अनुमानित लागत : रूपये 2139.68 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 17.09.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोटः- 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, गरियाबंद
कृते मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

G-252603481/4

बिहार सरकार

समाहरणालय, खगड़िया
(मद्य निषेध शाखा)

अल्पकालीन सूचना

बिहार मद्य-निषेध एवं उत्पाद अधिनियम-2016 के तहत राज्यसात किये गये वाहनों के निलामी के पुर्व वाहन स्वामीयों को अपना पक्ष रखने हेतु अल्पकालिन सूचना संख्या-(05/2025-26)

एतद् द्वारा निम्न सूची में अंकित वाहन स्वामियों को सूचित किया जाता है कि वैसे वाहन जिन्हें मद्य-निषेध एवं उत्पाद अधिनियम-2016 की धारा-58 के तहत मद्य निषेध विभाग एवं पुलिस थाना द्वारा जप्त किया है तथा समाहर्त्ता-सह-जिला दंडाधिकारी, खगड़िया द्वारा गठित विभिन्न अधिहरण न्यायालय द्वारा राज्यसात किया गया है एवं जिसकी नीलामी किया जाना है। नीलामी से पुर्व सूची में अंकित सभी वाहन स्वामियों को व्यक्तिगत नोटिस निर्गत किया गया है। जिसमें से कुछ वाहन स्वामी उपस्थित हुए तथा कुछ नहीं। अतः निम्नांकित वाहनों के स्वामी को सूचित किया जाता है कि दिनांक-27.09.2025 तक अधीक्षक मद्यनिशेध, खगड़िया के कार्यालय में वाहन के संबंध में अपना पक्ष रखें। आप सभी को ये अंतिम अवसर दिया जा रहा है। समय सीमा के अंदर अपना पक्ष नहीं रखने पर यह माना जायेगा कि इस संबंध में आपको कुछ नहीं कहना है, तत्पश्चात आपके वाहनों को नीलाम कर दिया जायेगा।

अधिहरित वाहनों की सूची

क्र0	अधिहरण वाद संख्या	थाना का नाम	कान्ड संख्या	वाहन का प्रकार	वाहन निबंधन संख्या/ विवरण	वाहन स्वामी का नाम व पता
2	14/22-23	पसराहा	166/22 05.09.20022	ट्रक	CG04JB-4756, Eng.- 6BT45HP90D62747207, Ch.- MAT42603192D04772	शिव शंकर सिंह, H.N.-36, भंडारी डिह, थाना-कटरास, धनवाद, राज्य-छत्तीसगढ़ (रायपुर RTO)

विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar पर देखी जा सकती है।

PR- 014781 (EXCISE) 2025-26

समाहर्त्ता-सह-जिला दंडाधिकारी,
खगड़िया।

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

DIRECTORATE OF ANIMAL HUSBANDRY
DEPARTMENT OF AGRICULTURE, ANIMAL HUSBANDRY & CO-OPERATIVE
(GOVERNMENT OF JHARKHAND)

NOTICE FOR INVITING Re e- TENDER No.- 01/2025-26
FOR
Selection of Insurance Intermediaries to provide Technical & Operational Support and Overseeing effective implementation of Jharkhand Livestock and Poultry Insurance Scheme through Registered Insurance Company under Mukhyamantri Pashudhan Vikash Yojna (MMPVY)

Directorate of Animal Husbandry, Govt. of Jharkhand, Ranchi invites Proposals from eligible IRDAI approved Insurance Intermediaries for implementation of Livestock (Goat, Sheep, Pig) and Poultry Insurance scheme through Scheduled Bank Insurance Company in all districts of Jharkhand. Insurance Intermediary shall do the intermediation & coordination between the department of animal husbandry at the district level, Insurance Co. and beneficiaries for successfully implementation of the scheme.

1. After publication of the N.I.T., the desirous bidders may download tender documents along with terms & conditions from the Website. https://www.jharkhandtenders.gov.in and https:// www.jharkhand.gov.in but submit only through **NIC e-tender portal https://www.jharkhandtenders.gov.in.**
2. Disclosure of rate other than financial bid will disqualify the bidder.
3. Estimated Contract Value- Approx Rs. 6.5 Crore.
4. Each bidder, will have to deposit Earnest Money **Rs. 13 Lakh (Rupees Thirteen Lakh) online board of any Scheduled Bank** in favor of Director Animal Husbandry, Jharkhand payable at Ranchi.
5. **All uploaded documents should be legible/ readable if not tender may be rejected. Unsigned uploaded with documents will be rejected.**
6. The under mentioned schedule is fixed; however, the undersigned reserves the right to change the date of activities in case of any exigencies through a notice in the government website viz & Notice Board at official address Director, Animal Husbandry, Pashupalan Bhawan, Hesag, Hatia, Ranchi, Pin- 834003

Sl. no	Particulars	Details
1.	Scheme will cover Insurance of	A) Small Animal (Goat, Sheep and Pig). B) Poultry.
2.	Eligibility Criteria	Working in Livestock & Poultry insurance field for minimum 03 (Three) years .
3.	Date of Floating of Tender	15-09-2025
4.	Download of Tender document will start from	16-09-2025
5.	Online submission of bid will start from	16-09-2025
6.	Pre Bid Meeting	19-09-2025 at 01:00 PM
7.	Last date of online bid submission	06-10-2025
8.	Date,Time & Place of opening of Technical Bid	07-10-2025, Animal Husbandry Directorate, Hesag, Ranchi
9.	Date and Time of opening of Financial Bids	To be intimated later on (After Finalization of technical bid)
10.	About EMD	EMD/Bid Security Money by any Scheduled Bank should be submitted Online mode. Its Refundable.

***For any Query mail ID:** https://www.ahdjharkhand@gmail.com

Director,
Directorate of Animal Husbandry,
Jharkhand, Ranchi-834003.

PR 361981 (Animal Husbandry) 25-26 (D)

CHHATTISGARH MINERAL DEVELOPEMENT CORPORATION LIMITED
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking)
REGD.OFFICE: SECTOR 24, BLOCK NO. 07 A, THIRD FLOOR, ATAL NAGAR, NAVA RAIPUR (C.G.)-492015

e-Tender No.:- **MLS/Raipur/Operations/6/25-26/ET/10[CMDC Selection of Consultant]** Date 16.09.2025

NOTICE INVITING TENDER

1. Chhattisgarh Mineral Development Corporation Ltd. (CMDC) invites online e- tenders for Selection of Consultant for the Forest Clearance of Chhitapandariya Dolomite Mining Project having an Area of 326.167 Ha. in Tehsil - Jaijepur, District - Janjgir-Champa (Sakti), Chhattisgarh.
2. The Tender documents can be viewed and downloaded from the website of MSTC Ltd namely https://www.mstcecommerce.com/eprocn from **16.09.2025 to 15.10.2025 up to 3:00 P.M.** against payment of the cost of tender document of Rs. 20,000+3600 (18%GST) = 23,600 (Rs. Twenty Three Thousand Six Hundred Only). Tenders of such tenderers who don't pay the cost of tender document will not be considered
3. Tender notice reference can be viewed in CMDC's website http://www.cmdc.co.in from **16.09.2025**
4. For clarification of the issues related to the tender pre-tender conference will be held in CMDC H.O. on **24.09.2025 at 3:00 PM.** The address of venue for pre-tender conference will be as under:
   Sector-24, Office Complex, 3rd Floor, Block-7A, Nava Raipur, Atal Nagar, Raipur, (C.G.), Pin code -492015, Email - cmdcraipur@gmail.com
5. For further clarifications GM, CMDC, Raipur may be contacted at 0771-2960539/ 09425262592.
6. Last date for submission of Tender: **15.10.2025 at 3:00 PM**

Notice Inviting Tender is in brief. For further details, the Tenderer shall refer Tender Document.

For and on behalf of CMDC
Managing Director

S-45232/2

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची

अल्पकालीन ई निविदा

निविदा सूचना संख्या – पे०स्व०वि०/वितरण/02/2025-26
दिनांक- 12.09.2025

क्र०	कार्य का नाम	Construction of 3.00 lac Imperial gallon R.C.C. U.G.R. and E.S.R. - 21m staging in place of existing 1 lac gallon E.S.R. and U.G.R. with dismantling of existing E.S.R., U.G.R., pump house and other small structure and its rubbers disposal and necessary water supply line such as rising & delivery pipe and specials in the campus of Zila school water tower primises under D.W. & S. Sw. Distribution Division Ranchi.
1.	प्राक्कलित राशि	28743225.00 लाख (दो करोड़ सतासी लाख तैतालीस हजार दो सौ पच्चीस) रूपये मात्र।
2.	अग्रधन की राशि	290000.00 लाख (दो लाख नब्बे हजार) रूपये मात्र।
3.	परिमाण विपत्र का मूल्य जो लौटाई नहीं जायगी	10,000.00 (दस हजार) रूपये मात्र
4.	कार्य पूर्ण होने की समय	12 (बारह) महीना + 1 (एक) माह ट्रायल रन
5.	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	23.09.2025 अपरांह्न 4.00 बजे तक
6.	निविदा प्राप्ति (ऑनलाईन बिडिंग) की तिथि	27.09.2025 अपरांह्न 5.00 बजे तक
7.	निविदा अन्तर्गत परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि ई-गवर्नस विभाग झारखण्ड मंत्रालय धुर्वा, रांची के आदेश सह ज्ञापांक-120 दिनांक-03.10.2023 के अनुरूप Online करने की तिथि	27.09.2025 अपरांह्न 5.00 बजे तक
8.	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	03.10.2025 अपरांह्न 5.00 बजे
9.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची – 834009
10.	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची – 834009
11.	ई प्रोक्युरमेन्ट पदाधिकारी का फोन न०	9608892111 E-Mail ID :- distributionbooty@gmail.com
12.	ई प्रोक्युरमेन्ट प्रकोष्ट का हेल्पलाइन न०	0651-2480345

नोट :- निविदा अन्तर्गत परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि ई-गवर्नस विभाग झारखण्ड मंत्रालय धुर्वा, रांची के आदेश सह ज्ञापांक-120 दिनांक-03.10.2023 के अनुरूप प्राप्त की जाएगी।

1. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान संवेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जाएगा। उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
2. प्राक्कलित राशि घट अथवा बढ़ सकती है उसी प्रकार से अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि भी देय होगी।
3. केवल ई-निविदा ही स्वीकार किया जायेगा।
4. विस्तुत जानकारी हेतु वेबसाईट *http://jharkhandtenders.gov.in* पर देखें।
5. निविदा बिना कारण बताये कभी भी संशोधित या रद्द किया जा सकता है।
6. राज्य सरकार द्वारा निर्गत अद्यतन आदेश/परिपत्र लागु होगें।
7. निधि प्राप्त होने के उपरान्त ही भुगतान किया जायगा। इसके लिए अलग से कोई दावा मान्य नही होगा।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा
वितरण प्रमंडल, राँची

PR 361939 Drinking Water and Sanitation(25-26).D

कार्यालय कलेक्टर, जिला- बस्तर, जगदलपुर
(आदिवासी विकास शाखा)

// भर्ती सूचना //

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DA-JGUA) के तहत वन अधिकार अधिनियम, 2006 का क्रियान्वयन अंतर्गत वन अधिकार प्रकोष्ठ में मानव संसाधन की नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी करने बाबत।

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/4172/256/आ.वि./व.अ./2025/ जगदलपुर, दिनांक 12.09.2025 द्वारा अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवसी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 एवं नियमों की प्रभावी एवं सूचारू क्रियान्वयन हेतु जिला स्तर पर तथा चिन्हित अनुभाग स्तर पर वन अधिकार प्रकोष्ठ में क्रमशः जिला स्तरीय समन्वयक (समन्वयक-वन अधिकार अधिनियम) एवं एमआईएस सहायक (सहायक वन अधिकार अधिनियम) की नियुक्ति किये जाने हेतु विज्ञप्ति जिले के वेबसाईट पर अपलोड की गई है। उक्त पदों हेतु दिनांक 01.10.2025 तक आवेदन पत्र आमंत्रित की जाती है। विज्ञप्ति का विस्तृत विवरण जिले के वेबसाईट www.bastar.gov.in तथा कार्यालय के सूचना पटल पर कार्यालयीन समय में देखा जा सकता है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास जगदलपुर

G-252603494/1

C/PDCL

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्री कंपनी लिमिटेड
(छ.रा.वि.मं.की उत्तरदायी कंपनी) (छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
कार्यालय कार्यपालन अभियंता (संचा. / संधा.) संभाग सिलतरा

क्र./051-5500/सिल./2025-26/1092 सिलतरा, दिनांक 15.09.2025

// आम सूचना //

समस्त सम्मानीय उपभोक्ताओं, आम- जनता एवं ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि 220/132/33 के.व्ही. सब-स्टेषन सिलतरा से निर्गमित एवं ऊर्जीकृत 33 के.व्ही. सत्यम स्टील फीडर का मेसर्स सत्यम स्टील से ईस्पात इंडिया यूनिट- दो, औद्योगिक क्षेत्र फेस- दो, सिलतरा तक 0.220 किलो मीटर 33 के.व्ही. ओवर हेड लाईन का विस्तार/ निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उक्त 33 के.व्ही. लाईन दिनांक 16.09.2025 को या इसके बाद कभी-भी ऊर्जीकृत की जा सकती है।

अतः समस्त ग्रामवासियों, आम जनता एवं उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (विद्युत आपूर्ति और सुरक्षा से संबंधित उपाय) विनियम - 2023 एवं 2010 तथा विद्युत अधिनियम 2003 की संगत धाराओं के अंतर्गत विनियम 62, 63 एवं 64 में विनिर्दिष्ट प्रावधानों के अनुसार पोल/स्टे/तारों से निर्धारित न्यूनतम क्षैतिज एवं उर्ध्वाधार अंतर/ दूरी बनाए रखें एवं लाईन के नीचे या आस-पास कोई निर्माण या ऐसा कोई भी कार्य नहीं किया जावें, जिससे विद्युत दुर्घटना की संम्भावना हो।

उक्त विस्तारित 33 के.व्ही. लाईन को 16.09.2025 को या इसके बाद कभी-भी ऊर्जीकृत की जा सकती है, जिस संम्बंध में सूचना प्रकाषित किये जाने बाबत सादर प्रेषित।

कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं.लि. सिलतरा

S-45238/3

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 08.09.2025

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "**अ**" में प्रतिशत दर पर **दिनांक 29.09.2025** तक आमंत्रित की जाती हैः-

निविदा आमंत्रण सू.क./ सि.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
192/174980	जिला दुर्ग के अंतर्गत ब्लाक धमधा के खिलोराकला उच्च माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित।	116.28
193/174981	जिला दुर्ग के अंतर्गत ब्लाक धमधा के देवरी. उच्च. माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित	115.85
194/174982	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग गुण्डरदेही अंतर्गत शास. आई.टी.आई. भवन सुरेगांव का मरम्मत कार्य	41.78
195/174983	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्रं. 01 बालोद अंतर्गत शास. आई. टी. आई. भवन डौण्डीलोहरा वर्कशॉप का मरम्मत कार्य	20.37
196/174985	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्र. 01 बालोद अंतर्गत जिला जेल संजारी में पाथ-वे - ड्रेन निर्माण एवं बैरक में मरम्मत कार्य	14.43
199/174986	जिला कबीरधाम के सिविल कोर्ट पंडरिया में 11 नग शौचालय का निर्माण कार्य	17.64
200/174987	उपसंभाग कवर्धा के अंतर्गत सेक्शन क्रं. 01 एवं क्रं. 02 के अंतर्गत कुल 20 मार्ग एवं स. लोहरा एवं पिपरिया सेक्शन के अंतर्गत कुल 18 मार्ग पर बी. टी. पेंच रिपेयर कार्य	119.00
201/174988	शास. महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेकेण्ड्री स्कूल भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित	120.69

टीप-
1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष- 0788-2210876

G- 252603499/3

टीवी मसाला

बिग बॉस: नगमा के बेघर होते ही इमोशनल हुए आवेज

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 19' को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट इस वक्त काफी बढ़ी हुई है। शो में कंटेस्टेंट कब क्या नया रंग दिखा दें किसी को नहीं पता। एक तरफ जहां शो के कई कंटेस्टेंट खुलकर खेल रहे हैं तो वहीं, कई ऐसे हैं जो शांत रहकर अपना गेम प्ले कर रहे हैं। ऐसे में बिग बॉस के तीसरे हफ्ते शो में डबल एविक्शन हुआ जो काफी शॉकिंग रहा। शो से दो कंटेस्टेंट नतालिया जानोसजेक और नगमा मिराजकर घर से बेघर हुईं। नगमा के जाने से आवेज दरबार को काफी बुरा लगा और दोनों वीकेंड का वार में काफी इमोशनल भी हुए। 'बिग बॉस 19' में तीसरे हफ्ते ही नगमा मिराजकर का सफर शो से हमेशा-हमेशा के लिए खत्म हो गया है। नगमा के जाने से आवेज दरबार खुद को इमोशनल होने से रोक नहीं पाए। आवेज और नगमा काफी रोए और उन्हें इमोशनल होता देख फैंस और घरवाले सभी दुखी थे। जाते-जाते नगमा ने आवेज को ऐसी बात कही, जिसे सुनकर वो यकीनन बेहद खुश हुए होंगे। नगमा ने कहा कि अब वो बाहर जाकर शादी की तैयारी करती हूं। जी हां, नगमा और आवेज जल्द ही शादी करने वाले हैं। इस बात से दोनों के फैंस काफी खुश हैं। सभी को उनका निकाह में कबूल है बोलते हुए देखने के लिए फैंस उत्साहित हैं। बिग बॉस 19 से नतालिया जानोसजेक और नगमा मिराजकर के घर से बेघर होने के बाद अब फरहाना भट्ट, गौरव खन्ना, बसीर अली, अशनूर कौर, अवेज दरबार, अभिषेक बजाज, तान्या मित्तल, नेहल चुडासमा, अमाल मलिक, आईजी प्रणित मोरे, कुनिका सदानंद, जीशान कादरी, नीलम गिरी, मृदुल तिवारी और शहबाज बदेशा घर में बचे हैं।

संगीता ने बीच में छोड़ा राइज एंड फॉल

नई दिल्ली। रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रहा है और सुर्खियों में छाया हुआ है। इसमें अलग-अलग फील्ड के धुरंधरों को बतौर कंटेस्टेंट लाया गया है। भारतीय पहलवान संगीता फोगाट ने भी बतौर कंटेस्टेंट एंट्री की थी लेकिन उन्हें बीच में ही शो छोड़ना पड़ा। बीते एपिसोड में रेसलर को ससुर बलवान पुनिया के निधन की जानकारी दी गई, जिसके बाद वह फूट-फूटकर रोने लगीं। उन्होंने फिर इस शो से जाने का फैसला किया। 'राइज एंड फॉल' के एक एपिसोड में संगीता फोगाट को लाइब्रेरी रूम में बुलाया जाता है। वह जाती हैं और फिर जब लौटती हैं तो आंखों में आंसू होते हैं। वह सिसक-सिसककर रोती हैं।

काजोल-ट्विंकल के चैट शो टू मच का ट्रेलर रिलीज...

मुंबई। प्राइम वीडियो पर नया चैट शो शुरू होने वाला है, जिसे बॉलीवुड की दो चर्चित अभिनेत्री काजोल और ट्विंकल खन्ना द्वारा होस्ट किया जाएगा। अब इस शो का ट्रेलर रिलीज किया गया है, जिसमें कई आगामी मेहमानों की झलक दिख रही है। हालांकि, सलमान और आमिर खान की जोड़ी दर्शकों का ध्यान खींच रही हैं। काजोल-ट्विंकल के चैट शो 'टू मच' के ट्रेलर में कई मेहमानों की झलक दिखती है। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान आमिर-सलमान की जोडी ने खींचा। वीडियो में दिखता है कि काजोल ने पूछा कि वो उनके शो का कैसे प्रचार करेंगे? इसके जवाब में सलमान ने कहा, 'ट्विंकल-ट्विंकल लिटिल स्टार्स।' ये सुनते ही सब हंस पड़ते हैं। शो में दोनों खान को खूब मस्ती करते देखा गया। इतना ही नहीं आमिर खान ने खुश होकर सलमान के गाल पर चूम लिया। शो के ट्रेलर में गोविंदा और चंकी पांडी की भी जोड़ी नजर आ रही है। इसमें देखा

जाता है कि गोविंदा अपने आइकॉनिक डॉयलॉग को बोलते हैं, 'इत्ती खुशी।' इसके अलावा चंकी पांडे भी खूब मजाकिया करते दिखते हैं। इसमें वरुण धवन और आलिया भट्ट भी शो की शोभा बढ़ाने पहुंचे हैं। इसके अलावा विक्की कौशल, कृति सैनन, करण जौहर, जान्हवी कपूर जैसे दिग्गज कलाकार नजर आ रहे हैं। काजोल और ट्विंकल खन्ना का यह नया टॉक शो 25 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाला है।

घाटी की परफॉर्मेंस से सदमे में अनुष्का सोशल मीडिया से लिया ब्रेक....

अनुष्का शेट्टी ने 'बाहुबली' में देवसेना के रोल में सबका दिल जीत लिया और हर कोई उनका फैन बन गया था। उन्होंने इसके बाद कई और फिल्में कीं, पर अब एक्ट्रेस के एक फैसले ने फैंस को चौंका दिया है। अनुष्का शेट्टी ने सोशल मीडिया से ब्रेक लेने का फैसला किया है और पोस्ट लिखा है। अनुष्का ने यह फैसला अपनी हाल ही रिलीज हुई फिल्म 'घाटी' को मिले ठंडे रिस्पॉन्स के बाद लिया है।

मुंबई। अनुष्का शेट्टी का असली नाम है स्वीटी है, पर ऑनस्क्रीन ऐसी धाकड़ हैं कि बड़े-बड़े स्टार्स भी इनके आगे फीके पड़ जाते हैं। फैंस तो उन्हें 'लेडी सुपरस्टार' कहकर बुलाते हैं, पर अब यही सुपरस्टार सोशल मीडिया से ब्रेक ले रही है। अनुष्का ने बताया कि वह अब असली दुनिया से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया से दूर जा रही हैं। अनुष्का शेट्टी ने लिखा, 'ब्लू लाइट से कैंडल लाइट की ओर जा रही हूं। कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूर जा रही हूं ताकि असली दुनिया से दोबारा जुड़ सकूं। जल्द लौटूंगी और भी कहानियों और ढेर सारा प्यार लेकर।'

अनुष्का शेट्टी की फिल्म 'घाटी' 5 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठंडी पड़ गई और एक हफ्ते में सिर्फ 6.64 करोड़ रुपए ही कमा पाई है। इसे कृष्णा जगर्लामुड़ी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में अनुष्का के साथ विक्रम प्रभु हैं। अनुष्का शेट्टी अब जल्द ही रोजिन थॉमस की हॉरर-फैंटेसी थ्रिलर 'कथानार-द वाइल्ड सोर्सरर' में नजर आएंगी। इससे वह मलयालम फिल्मों में डेब्यू करने जा रही हैं। इसमें वह नीला नाम की बुनकर का रोल प्ले करेंगी।

द स्टूडियो को मिले 13 अवॉर्ड्स, 15 साल के ओवेन ने रचा इतिहास

लॉस एंजिल्स। *टेलीविजन के सबसे बड़े और चर्चित अवॉर्ड्स में शामिल एमी अवॉर्ड्स का आयोजन हुआ। ये अवॉर्ड्स लॉस एंजिल्स के पीकॉक थिएटर में हुए। 77वें एमी अवॉर्ड्स में कई अनोखे रिकॉर्ड्स भी बने और ऐसे पल भी आए जो पहली बार एमी अवॉर्ड्स में हुए। साथ ही इस दौरान रेड कार्पेट पर भी कलाकारों के अलग-अलग अंदाज देखने को मिले। 77वें एमी अवॉर्ड्स के दौरान नेटफ्लिक्स के ओरिजिनल शो 'एडोलसेंस' में अभिनय करने वाले ओवेन कूपर एमी पुरस्कार जीतने वाले अब तक के सबसे कम उम्र के अभिनेता बन गए। उन्होंने लिमिटेड सीरीज या फिल्म कैटेगरी में बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड जीता। उन्होंने यह अवॉर्ड सिर्फ 15 साल की उम्र में अपने नाम किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह वाकई अद्भुत है। सच कहूं तो, जब मैंने थिएटर क्लासेज शुरू की थीं, तो मुझे यह पुरस्कार जीतने की उम्मीद नहीं थी। तीन साल पहले मैं कुछ भी नहीं था, लेकिन अब मैं यहां हूं।*

टिलमैन बने एमी जीतने वाले पहले अश्वेत व्यक्ति

ट्रैमेल टिलमैन ने एमी अवॉर्ड्स 2025 में इतिहास रच दिया। वो सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का एमी पुरस्कार जीतने वाले पहले अश्वेत व्यक्ति बन गए। उन्हें 'सेवरेंस' में मिलचिक की भूमिका निभाने के लिए यह अवॉर्ड मिला। उन्होंने अपनी मां को अपने इस खास अवॉर्ड को समर्पित किया, जिन्हें वो अपना पहला एक्टिंग कोच भी मानते हैं।

स्टीफन ने नमस्ते के साथ खत्म किया भाषण

इस दौरान स्टीफन ग्राहम को नेटफ्लिक्स की 'एडोलसेंस' के लिए लिमिटेड या एंथोलॉजी सीरीज या फिल्म कैटेगरी में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला। इस दौरान अपने भाषण के दौरान अंत में नमस्ते कहकर उन्होंने भारतीय फैंस को खुश कर दिया। उनका भाषण अब वायरल है।

ओलिवर के स्पीच को दो जगह करना पड़ा बीप

77वें एमी अवॉर्ड्स में जॉन ओलिवर को 'लास्ट वीक टुनाइट' के लिए बेस्ट स्क्रिप्टेड वैरायटी सीरीज का एमी पुरस्कार जीता। लेकिन इस दौरान 15 सेकंड के उनके विनिंग स्पीच को लाइव टेलीविजन पर दो बार बीप किया गया। जिसके बाद उनका भाषण का चर्चा का विषय बन गया। हालांकि, बाद में सोशल मीडिया पर लोगों ने उनके उस बिना बीप वाले भाषण का भी वीडियो शेयर किया। इसमें ओलिवर कुछ अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करते हैं। इसी वजह से उन्हें बीप कर दिया गया।

द स्टूडियो ने जीते सबसे अधिक अवॉर्ड : *कॉमेडी सीरीज 'द स्टूडियो' ने भी एमी अवार्ड्स में इतिहास रचा। यह सीरीज एमी के इतिहास में अब तक की सबसे ज्यादा पुरस्कार जीतने वाली कॉमेडी सीरीज बन गई है। 77वें एमी अवॉर्ड्स में इस शो ने कुल 13 ट्रॉफी अपने नाम कीं। इसके साथ ही इस शो ने किसी कॉमेडी सीरीज का सबसे अधिक अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले यह अवॉर्ड 'द बियर' के नाम था, जिसने 2023 के एमी में 10 ट्रॉफी जीती थीं।*

एमी अवॉर्ड्स 2025 के विनर्स

लीड एक्ट्रेस इन कॉमेडी सीरीज- जीन स्मार्ट – हैक्स
लीड एक्टर इन कॉमेडी सीरीज- सेठ रोजन- द स्टूडियो
बेस्ट एक्ट्रेस इन ड्रामा- ब्रिट लोअर, सेवरेंस
बेस्ट एक्टर इन लिमिटेड सीरीज- स्टीफन ग्राहम- एडोलसेंस
बेस्ट एक्ट्रेस इन लिमिटेड सीरीज- क्रिस्टिन मिलिओटी- दे पेंगुइ
बेस्ट ड्रामा सीरीज द पिट
लीड एक्टर इन ड्रामा सीरीज- नूह वाइल - द पिट
बेस्ट कॉमेडी सीरीज- द स्टूडियो
बेस्ट लिमिटेड एंथोलॉजी सीरीज- एडोलसेंस
बेस्ट टॉक सीरीज- द लेट शो विद स्टेफिन
बेस्ट स्क्रिप्ट वैरायटी सीरीज- लास्ट वीक टू नाइट विद जन ऑलिवर
बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर इन ड्रामा- ट्रैमेल टिलमैन, सेवरेंस
बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस इन ड्रामा- कैथरीन लानासा- द पिट
बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर इन कॉमेडी- जेफ हिलर- समबडी समव्हेयर
बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस इन कॉमेडी- हन्नाह आइनबिंदर- हैक्स
बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट लिमिटेड सीरीज- ओवेन कूपर- एडोलसेंस
बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस इन लिमिटेड सीरीज- एरिन डोहर्टी- एडोलसेंस
डायरेक्टिंग फॉर ए ड्रामा सीरीज- एडम रैंडल - स्लो हॉर्सेस
डायरेक्टिंग फॉर ए लिमिटेड या एंथ्रोलॉजी सीरीज- फिलिप बैरंटिनी – एडोलेसेंस
डायरेक्टिंग फॉर ए कॉमेडी सीरीज- सेठ रोजेन- द स्टूडियो

व्लॉग में संजोईं मालदीव की झलकियां ...

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अनन्या पांडे मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। एक्ट्रेस लगातार अपनी मालदीव वेकेशंस की झलकियां फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। इन छुट्टियों के दौरान अनन्या ने एक नई चीज में हाथ आजमाया है। उन्होंने व्लॉग मेकिंग में पहली कोशिश करते हुए वीडियो शेयर किया है। इस पर नेटिजन्स के मजेदार रिएक्शन आ रहे हैं। अनन्या पांडे ने सोमवार को एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें उन्होंने सुबह उठने से लेकर नाश्ता, स्विमिंग, साइकिलिंग, लंच, डिनर और घुमक्कड़ी के कुछ पल शेयर करते हुए वीडियो पोस्ट किया है। कैप्शन में लिखा है, 'व्लॉग मेकिंग में मेरा पहला प्रयास, लेकिन मालदीव में बेहद खुशनुमा वक्त बिताने को मिला है'। अनन्या पांडे के इस वीडियो पर नेटिज्स ने कमेंट्स की झड़ी लगा दी है। कोई अनन्या की क्यूटनेस की तारीफ कर रहा है तो कोई व्लॉगिंग के लिए उनका उत्साह बढ़ा रहा है। कुछ यूजर्स तो उन्हें यूट्यूब चैनल खोलने का ही सुझाव दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा,

'हम आज व्लॉगर अनन्या पांडे से मिल रहे हैं'। कुछ यूजर्स और व्लॉग्स बनाने का सुझाव दे रहे हैं। कुछ नेटिजन्स तंज भी कस कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आपके पास जब कोई स्किल न हो तो फेमस होने का इकलौता जरिया'।

हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी जटाधारा

मुंबई। सिनेमा के प्रेमियों के लिए इस साल की आखिरी तिमाही काफी दिलचस्प होने वाली है। अक्टूबर से लेकर दिसंबर तक कई दिलचस्प फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। फिल्मों की इस सूची में सोनाक्षी सिन्हा की पहली साउथ फिल्म 'जटाधरा' का नाम भी जुड़ गया है, जो इस साल नवंबर में रिलीज होगी। यह फिल्म 7 नवंबर को रिलीज होगी। फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषा में दस्तक देगी। सोनाक्षी सिन्हा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। रिलीज डेट के साथ इसका कैप्शन लिखा है, 'अंधकार की गहराइयों के बाद एक उदय जरूर होता है'। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू की जोड़ी देखने को मिलेगी, जिसके लिए दर्शक उत्साहित हैं। फिल्म में दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी और रोहित पाठक जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान अभिषेक जयसवाल और वेंकट कल्याण ने संभाली है। वहीं, उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा मिलकर इसका निर्माण कर रहे हैं।

सनी संस्कारी... में रोमांस के साथ कॉमेडी का तड़का

मुंबई। वरुण धवन और जान्हवी कपूर की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का सोमवार को ट्रेलर रिलीज हुआ है। इस ट्रेलर में रोमांस के साथ कॉमेडी का तड़का देखने को मिल रहा है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान जान्हवी और वरुण समेत फिल्म की पूरी कास्ट पारंपरिक लुक में नजर आई। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। शशांक खेतान द्वारा निर्देशित इस फिल्म की टक्कर बॉक्स ऑफिस पर ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा चैप्टर 1' से होगी। इस इवेंट के दौरान जान्हवी कपूर ने अपनी शादी की प्लानिंग को लेकर भी बात की। इस सवाल के जवाब में जान्हवी ने साफ कहा कि अभी मेरी प्लानिंग सिर्फ फिल्मों को लेकर है। मैं फिल्मों की प्लानिंग कर रही हूं।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

दुकान कार्य

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल दुकान में कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। वेतन 8000 - 12000 बायोडाटा सहित **सम्पर्क करे- डी एंड आर इंटरप्राइजेस, जवाहर नगर, ऋषभ चेम्बर, रायपुर, 9754869000.** (RO-968)

आवश्यकता है- ऑटोपार्ट्स की दुकान में पैकिंग कार्य हेतु लड़को की आवश्कता हैं। वेतन योग्यतानुसार। **संपर्क - तृप्ति सेल्स कार्पोरेशन, एम. जी.रोड,रायपुर । मोबाइल 9340273375.** (RO-260)

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम दुकान में काम करने हेतु अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़कों की आवश्यकता **संपर्क करें:- दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास मोबाइल:- 98271-14645, 91311-39179.** (RO-274)

पैकिंग कार्य/ड्रायवर

आवश्यकता है- 400/- प्रतिदिन (+) ओवरटाइम 500/- फटाका जमाना, पैकिंग, बिल बनाना, ड्राइवर। लड़कों की आवश्यकता। **सम्पर्क :- तापड़िया फटाका, नेमींचंद गली, तेलघानीनाका चौक, रायपुर** (RO-962)

क्लीनिक कार्य

आवश्यकता है- आयुर्वेदिक क्लीनिक में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़किया/ पुरूष/ महिला जरूरत **संपर्क:-डॉ. अग्रवाल गुरूद्वारा स्टेशन रोड दुर्ग मोहन नगर थाना के सामने मो 98271 99213.** (आरो न.-672)

हरिभूमि

इलेक्ट्रीशियन/गार्ड

आवश्यकता है- श्री वासु लॉजिस्टिक लिमिटेड, रायपुर वेयर हाउस हेतु इलेक्ट्रीशियन व सिक्योरिटी गार्ड की आवश्यकता। रायपुर व आसपास रहने वाले अनुभवी उम्मीदवारों को प्राथमिकता। इंटरव्यू: सुबह 10–12 बजे, स्थान: वासु लॉजिस्टिक, तेंदुआ रिंग रोड नं–4, रायपुर। **संपर्क:- 7000681512, 9201835614.** (RO-279)

ऑफिस बॉय/मार्केटिंग

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु ऑफिस बॉय, पाइप्स के मार्केटिंग हेतु लड़के एवं टाटा एस व डीआई हेतु अनुभवी कुशल ड्राइवरों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार, ड्राइविंग लायसेंस धारी ही **संपर्क करें:- बिंदल पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड, स्टेशन रोड, रायपुर 07714034549, 9340052647** (RO-370)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 30 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 20,000/- प्रतिमाह । रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी । जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें । **पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल करने का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क :- 9644720222.** (RO-12)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता है- आशीर्वाद किराया भंडार में ड्रायवर की आवश्यकता है । जो गाड़ी लोड- अनलोड कर सके । वेतन 12000/- रुपये कार्य समय सुबह 9:00 से 8:30 बजे तक **पता- सुहागा मंदिर ब्राहमण पारा रायपुर संपर्क करें- मो. 9826182338.** (RO-A)

आवश्यकता है- तीन चक्का इलेक्ट्रीक माल वाहक ऑटो चलाने हेतु ड्रायवर एंव सुपरवाइजर कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है। **पता- अशोक इंटरप्राइजेज आशीर्वाद धर्म कांटा के पास उरला बिरगांव रायुपर मिलने का समय सुबह 9:00 से 8:00 8770676924.** (RO-499)

हाउसकीपिंग

आवश्यकता है- श्री वासु लॉजिस्टिक लिमिटेड में साफ सफाई के लिए स्वीपर, हाउसकीपिंग बाई की आवश्यकता है। अनुभवी व पास में रहने वालों को प्राथमिकता। इंटरव्यू सुबह 10 से 12 बजे तक: वासु लॉजिस्टिक, तेंदुआ, रिंग रोड नं–4, रायपुर। **संपर्क:- 7000681512, 9201956171.** (RO-278)

ऑफिस/हेल्पर कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस एवं हेल्पर कार्य हेतु आठवीं /दसवीं जरूरतमंद लड़के लड़कियां ही संपर्क करें (ग्रामीण जरूरतमंद को प्राथमिकता) संपर्क (9 से 11) **अक्षर प्रिंटर्स, गोल बाजार रायपुर (अलका रेस्टोरेंट के बाजू गली में) 9826679757. (केवल व्हाट्सएप)** (RO-0053)

आवश्यकता

आवश्यकता है- N.S.N. कंपनी में आवश्यकता हैं लड़के एवं लड़कियों की, रहना खाना फ्री, सैलरी 10 से 15 हजार, **संपर्क:- भिलाई-3, सिरसा गेट चौक, सुमीत बाजार के सामने (भिलाई 9827622050) (रायपुर 9993929100)** (RO-276)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- मेडिकल होलसेल (सीएंडएफ) में आवश्यकता है बिलिंग कार्य हेतु अनुभवी कंप्यूटर ऑपरेटर, **संपर्क: मणिधारी ट्रेडर्स ,औषधि वाटिका, मेडिकल कॉम्प्लेक्स डूमरतराई रायपुर. 9669164000, 9165929000.** (RO-441)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 10000 + कमीशन +बोनस +प्रमोशन + रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना **8770508791, 7225815090.** (RO-416)

अन्य

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5-G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- **8420549466.** (RO-1159)

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो **संपर्क करें:- 8335914373.** (RO-1137)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या- 790 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500+56500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने हेतु आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (सचिन शर्मा)- **7054311719.** (RO-1152)

हरिभूमि

Services सर्विसेस

सर्विस - गारण्टी के साथ मोटापा घटायें या बढ़ायें **सम्पर्क करें- राजकुमार सर 09827837045, निशु मेम 09827250697.** (RO-38697)

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है - पपूर्व दिशा वाला प्लॉट बिक्री के लिए:1706 स्क्वायर फीट का प्लॉट, 49.5 लाख में रहेजा होम्स सोसाइटी, दलदल सिवनी रायपुर में। **संपर्क करें: 7879576933.** (RO-6707)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (जैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के असत्य वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

RAIPUR SMART BUSINESS
ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड
CMA DATA | BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

क्या आप देना चाहते है... अपने बिजनेस को बेहतर प्रतिसाद
"तलाश की नई सुबह"
तो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड
Space Available for Ad.
62638181522

Healthcare

इसे जरूर पढ़िये और समझिये
● इसे नजर अंदाज कर छणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए तुरंत खून की जाँच कराए।
● क्या आप को किसी प्रकार के वायरल या संक्रमण रोग है। जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छाले, चमड़ी का फटना, खुजली लाल होना, पेशाब में जलन या पीव आना, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग, हेपाटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक), रुबेला या एच.आई.वी. (HIV. AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं।
● क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रूसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना, नाखूनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग हैं।
● क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान हैं जैसे: शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि ।
ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई भी उपाय नहीं है। नीम हकिमों से सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्युनो थैरिपी पर आधारित केवल रस -रसायन में ही है।
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659
9617789223, 9303242200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

जैकेट के शेष

डीएमएफ की 70 प्रतिशत...

आता है(यद्यपि वह दूसरे राज्य में हो) तो संस्थान द्वारा खान से एकत्र राशि का प्रतिशत अनुपात में प्रभावित क्षेत्रों का हिस्सा ऐसे क्षेत्र में कार्यकलापों को शुरू करने के लिए अन्य संबंधित जिले के संस्थान में अंतरित किया जाएगा।

ट्रंप टैरिफ पर टेंशन, भारत...

परिदृश्य के बारे में चर्चा करेंगे। अग्रवाल ने कहा, हालांकि, यह बीटीए पर छठे दौर की बातचीत नहीं है, लेकिन यह निश्चित रूप से व्यापार वार्ता से जुड़ी चर्चा है। यह पता करने की कोशिश होगी कि भारत और अमेरिका के बीच समझौते पर हम किस तरह पहुंच सकते हैं। यह बातचीत छठे दौर की वार्ता से पहले की तैयारी होगी। इसके साथ ही अग्रवाल ने बताया कि दोनों देश ऑनलाइन माध्यम से साप्ताहिक आधार पर बातचीत करते रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारी बातचीत चलती रही है लेकिन हम अधिक प्रगति नहीं कर पा रहे थे। असल में, व्यापक परिदृश्य ही अनुकूल नहीं था। अब हमें एक संभावना नजर आ रही है। दरअसल, अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क से भारत का निर्यात प्रभावित हुआ है। इस तनाव की वजह से प्रस्तावित व्यापार समझौते की प्रगति भी बाधित हुई है।

शराब घोटाले में चैतन्य के...

बघेल की एक रिमांड हासिल की थी। उसके बाद से चैतन्य न्यायिक रिमांड पर जेल में बंद हैं। कोर्ट में चालान पेश किए जाने के बाद शराब घोटाला मामले में ईओडब्लू, एसीबी ने चैतन्य की गिरफ्तारी के लिए कोर्ट में आवेदन पेश किया, जिसे बाद में वापस ले लिया।

ईओडब्लू ने इसलिए आवेदन लिया : बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी के अनुसार शराब घोटाला सहित अन्य मामलों में चालान पेश होने के बाद परेशान करने के लिए गिरफ्तारी के लिए ईडी तथा ईओडब्लू कोर्ट में आवेदन पेश करती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए बचाव पक्ष के वकील ने हाईकोर्ट में पहले ही जमानत के लिए अर्जी दाखिल कर दी थी। हाईकोर्ट ने बचाव पक्ष के वकील को हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल करने के बजाय निचली अदालत में आवेदन पेश करने के लिए कहा। इस वजह से ईओडब्लू ने आवेदन वापस लिया। चैतन्य के जमानत आवेदन पर मंगलवार को सुनवाई होगी।

हाईकोर्ट में खारिज...

साथ ही एसीबी और ईओडब्ल्यू द्वारा की जा रही कार्रवाई के विरोध में लगाई गई याचिका खारिज कर दी गई है। शासन की ओर से कहा गया कि स्पेशल कोर्ट के बजाए सीधे हाईकोर्ट में याचिका लगाना उचित नहीं है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को निचली अदालत में आवेदन करने की छूट दी है। शराब घोटाले और मनी लॉनड्रिंग मामले में चैतन्य बघेल ने अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। मामले की सुनवाई के दौरान ईडी ने कोर्ट को बताया कि चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी ठोस सबूतों और वित्तीय लेन-देन के आधार पर की गई है। एजेंसी ने दावा किया कि शराब घोटाले से जुड़े दस्तावेजों,बैंक लेन-देन और गवाहों के बयानों से साफ है कि बघेल ने अवैध कमाई को अपने व्यवसाय में लगाया। जबकि चैतन्य की ओर से ईडी की कार्रवाई और गिरफ्तारी को अवैधानिक और राजनीति से प्रेरित बताया गया। उल्लेखनीय है कि 18 जुलाई 2025 को चैतन्य बघेल को ईडी ने रायपुर से गिरफ्तार में लिया था। गिरफ्तारी के बाद ईडी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया था कि शराब घोटाले से उन्होंने 16 करोड़ 70 लाख रुपए की अवैध कमाई की और उसे रियल एस्टेट प्रोजेक्ट में लगाया।

ट्रेलर से टकराई श्रद्धालुओं...

लाइन बाजार क्षेत्र के सीहापुर के पास सोमवार की अलसुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। बस बालाजी ट्रैवल्स की थी, जिसका नंबर सीजी 07 सीटी 4681 है। बस में सवार कुल 56 यात्रियों में से 53 पखांजुर और तीन दूसरे जिलों के रहने वाले थे। बस का ड्राइवर ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था, तभी उसने नियंत्रण खो दिया और बस सामने चल रहे ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। यात्रियों ने बताया कि सभी लोग पखांजुर से बस में सवार हुए थे और बस की बुकिंग भी यहीं से हुई थी। दुर्घटना के बाद से बस बुकिंग करने वाले व्यक्ति का नंबर बंद आ रहा है, जिससे यात्रियों के परिजनों को और भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुर्घटनाग्रस्त बस को अर्जुंदा निवासी वेद सोनकर ने दो महीने पहले ही खरीदा था। इस बस में दो ड्राइवर थे, जिसमें से अर्जुंदा निवासी ड्राइवर सुरक्षित है, जबकि दुर्ग निवासी ड्राइवर की मौत हो गई है।

जिस थाने में की थानेदारी...

है। सरगुजा आईजी के निर्देश पर स्थानीय पुलिस ने वहां याकूब मेमन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। याकूब मेमन वर्तमान में सरगुजा में एसडीओपी के पद पर पदस्थ हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रायपुर पोस्टिंग के दौरान याकूब मेमन के घर एक महिला अपने पति के साथ किराए पर रहती थी। महिला का पति किसी निजी संस्था में नौकरी करता था। आरोप है कि पति की अनुपस्थिति में याकूब मेमन ने महिला को डरा धमकाकर उसके साथ रेप किया था। यौन शोषण की शिकार महिला ने इसकी शिकायत रायपुर में आला अफसरों के पास की, लेकिन उनकी किसी ने मदद नहीं की। एफआईआर दर्ज नहीं होने से परेशान महिला ने सरगुजा आईजी के पास शिकायत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए सरगुजा आईजी ने याकूब मेमम के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की निर्देश दिए। केस डायरी ट्रांसफर होने के बाद टिकरापारा पुलिस महिला का बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई करेगी।

टेंट में सुप्रीम कोर्ट...

मामलों पर तारीख देकर उसे आगे बढ़ाया, रिट याचिकाओं का पंजीकरण हुआ और बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर सुनवाई की गई। हालांकि, अभी कोर्ट ने नियमित सुनवाई शुरू नहीं की है। अदालत फिलहाल लंबित मामलों की तारीख देकर उन्हें आगे बढ़ा रही है। भविष्य में कोर्ट से जुड़े कागजात के मिलने तक ऐसे मामलों की सुनवाई को टाला जा रहा है।

दलित को पेड़ से बांधकर पीटा, छह गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| देवरिया

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के मईल थाना क्षेत्र में एक दलित युवक की पेड़ से बांधकर पिटाई करने का वीडियो सार्वजनिक होने के बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर एक समुदाय विशेष के छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। बरहज के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंशुमान श्रीवास्तव ने बताया कि रविवार को मईल गांव के राहुल को क्षेत्र के माड़ोपार गांव के पास रंजिश में एक समुदाय के लोगों ने उसके साथ मारपीट करते हुए पेड़ से बांधकर वीडियो भी बनाया। उन्होंने बताया कि घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने माड़ोपार गांव निवासी मासूम रजा, महफूज आलम, खुशबू निशा, हनीफा, रुखसाना और अख्तर के खिलाफ मारपीट, दलित उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर लिया। सीओ ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। गाजीपुर जिले के सादात थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच मारपीट में एक युवक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

भारतवंशी के कत्ल पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दी पहली प्रतिक्रिया

'नागमल्लैया के हत्यारे को जितनी अधिकतम सजा मुमकिन होगी देंगे'

कहा- ऐसे अपराधियों के लिए नरमी का समय खत्म हो चुका है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका के टेक्सास में भारतीय मूल के शख्स चंद्रमौली नाग मल्लैया की नृशंस हत्या पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहली प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने कहा है कि ऐसे व्यक्ति को तो अमेरिका में रहना ही नहीं चाहिए था। उन्होंने कहा कि इस शख्स को कानून के तहत जितनी अधिकतम सजा मुमकिन होगी, दी जाएगी। ट्रंप ने इस सिहरा देने वाले हत्याकांड पर प्रतिक्रिया देते हुए अपने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट किया, 'मुझे डलास के टेक्सास में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति चंद्रमौली नाग मल्लैया की हत्या की भयावह खबर की जानकारी है जिनकी उनकी पत्नी और बेटे के सामने क्यूबा से आए एक अवैध विदेशी ने बेरहमी से हत्या कर दी, जिसे हमारे देश में कभी होना ही नहीं चाहिए था।'

कठोर सजा दिलाने की गारंटी

राष्ट्रपति ट्रंप ने इस अपराधी को कठोर सजा दिलाने की गारंटी देते हुए कहा, 'निश्चिंत रहें, इन अवैध अप्रवासी अपराधियों के प्रति नरमी बरतने का समय मेरे शासन में समाप्त हो चुका है! गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम, अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी, सीमा सुरक्षा अधिकारी टॉम होमन और मेरे प्रशासन के कई अन्य लोग, अमेरिका को फिर से सुरक्षित बनाने में अद्भुत काम कर रहे हैं। जाएगा। उस पर फर्स्ट डिग्री की हत्या का आरोप लगाया जाएगा!'

बाइडेन की पालिसी पर बरसे : राष्ट्रपति ट्रंप ने क्यूबा के रहने वाले इस अपराधी योर्दानिस कोबोस-मार्टिनेज को अमेरिका में जगह मिलने के लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की लचर इमिग्रेंट पॉलिसी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, 'इस व्यक्ति को पहले भी बाल यौन शोषण, कार चोरी और झूठे कारावास जैसे जघन्य अपराधों के लिए गिरफ्तार किया गया था।

यह है मामला

10 सितंबर 2025 को टेक्सास के डलास में डाउनटाउन सूट्स मोटल में एक भयानक हत्याकांड हुआ था। इस दौरान 50 साल के भारतीय मूल के मैनेजर चंद्र मौली 'बॉब' नाग मल्लैया की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। नागा मल्लैया आंध्र प्रदेश के रहने वाले थे और अमेरिका में मोटल व्यवसाय से जुड़े थे। घटना सुबह के समय हुई, जब क्रिमिनल बैकग्राउंड वाले उनके क्यूबा मूल के सहकर्मी योर्दानिस कोबोस-मार्टिनेज ने टूटी वॉशिंग मशीन को लेकर हुए झगड़े में उनपर धारदार हथियार से कई वार किए। इसके बाद उनका सिर काट दिया और उसे डस्टबिन में फेंक दिया। जब ये वहशी इस अपराध को अंजाम दे रहा था उस दौरान नागा मल्लैया का परिवार वहीं मौजूद था। अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने पुष्टि की है कि कोबोस-मार्टिनेज ऐसा अपराधी था, जिसका डिपोर्टेशन अंतिम फेज में था। लेकिन क्यूबा ने उसे वापस लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद इमिग्रेंट्स नियमों के अनुसार होमलैंड सिक्योरिटी के सामने कानूनी मुश्किलें पैदा हो गईं।

पूजा खेड़कर के घर से बरामद हुआ 'अगवा' ट्रक चालक

एजेंसी ▶▶| मुंबई

■ बर्खास्त आईएएस की मां को मिला समन

बर्खास्त आईएएस अधिकारी पूजा खेड़कर एक बार फिर से चर्चा में हैं। पूजा खेड़कर को धोखाधड़ी, और फर्जी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) प्रमाणपत्र और विकलांगता कोटे का गलत तरीके से लाभ उठाने का दोषी पाया गया था। बाद में उनकी नौकरी चली गई। अब वह एक बार फिर से विवादों में आ गई है और उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। नवी मुंबई पुलिस ने रविवार को एक ट्रक चालक को, (जिसका कथित तौर पर रोड रेज के बाद अपहरण कर लिया गया था) बर्खास्त आईएएस अधिकारी पूजा खेड़कर के पुणे स्थित आवास से छुड़ाया। पुलिस ने पूजा खेड़कर के आवास में प्रवेश करने से रोकने के लिए उनकी मां को भी समन जारी किया। पुलिस के अनुसार यह घटना 13 सितंबर को शाम करीब 7 बजे मुलुंड-ऐरोली रोड पर ऐरोली इलाके के सिग्नल पर हुई थी। नवी मुंबई निवासी 22 वर्षीय प्रह्लाद कुमार अपना कंक्रीट मिक्सर ट्रक चला रहे थे, तभी उनकी गाड़ी एक एसयूवी से टकरा गई।

यूपीएससी ने पूजा को किया एग्जाम देने से प्रतिबंधित

पूजा खेड़कर को दोषी पाए जाने के बाद उनका चयन रद्द हो गया। यूपीएससी ने उन्हें आजीवन प्रवेश परीक्षा देने से प्रतिबंधित कर दिया था। आयोग ने उन्हें कई बार परीक्षा देने के लिए अपनी पहचान गलत बताने का दोषी पाया।

सिख महिला से दुष्कर्म के मामले में संदिग्ध गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन में एक सिख महिला के साथ नस्लीय आधार पर हुए दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने एक संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 30 वर्षीय संदिग्ध व्यक्ति को संदेह के आधार पर रविवार को हिरासत में लिया गया। पिछले मंगलवार को इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र के ओल्डबरी में 20 वर्षीय भारतवंशी महिला से दो लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने बयान जारी कर कहा है कि 'जांच अभी जारी है और हम लोगों से आग्रह करते हैं कि वे अटकलें न लगाएं।

गुमशुदा

नाम- फग्गू राम साहू, पिता स्व. झाडू राम साहू, उम्र-76 वर्ष, पता- हथलेवा, थाना-सहसपुर लोहारा जिला कबीरधाम छ.ग. ऊँचाई- 5 फिट 9 इंच, चेहरा गोल बाल का रंग सफेद व रंग-सांवला, हल्का दाडी मुंछ, शरीर पर लाईनिंग लाल शर्ट, नीला चड्डा पहना हुआ है। कक्षा तीसरी तक पढ़ा हुआ है। हिन्दी/छत्तीसगढ़ी में बात करता है। दिमागी हालत कमजोर है। वह 09.09.2025 को समय 12 बजे नेहरू चौक शीतला पारा रामनगर गुढ़ियारी रायपुर से बिना बताये कही चला गया है। जिस किसी व्यक्ति को उपरोक्त गुमशुदा व्यक्ति के बारे में कुछ जानकारी हो, इस नंबर पर संपर्क करे। पता बताने वाले को उचित ईनाम दिया जावेगा।

संपर्क करें-
छत्रपाल साहू मो. 9179655684

न्यायालय तहसीलदार गोबरा नवापारा जिला रायपुर (छ.ग.)
// ईश्तहार //

ग्राम-कठिया प.ह.नं. 03

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भूपेश कुमार पिता श्री देवराम निवासी सतनामी पारा ग्राम कठिया तहसील गोबरा नवापारा जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम कठिया प.ह.नं. 03 तहसील गोबरा नवापारा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित ख.नं. 493 रकबा 24.030 हे. भूमि में से समिलात चारागाह की भूमि को विलोपित कर आवेदक अपना नाम दर्ज किये जाने बाबत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधिन है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था / समूह को कोई दावा आपत्ति हो तो वे अपना दावा आपत्ति आवेदन इस न्यायालय में नियत पेशी तारीख 29/09/2025 तक न्यायालयीन समय में स्वतः अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर पेश कर सकते है, नियत तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 11/09/2025 को जारी किया गया।

(मुहर) **तहसीलदार**
गोबरा नवापारा

पेज एक के शेष

वक्फ कानून बरकरार...

दिया कि कुल 20 में से चार से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए, और राज्य वक्फ बोर्डों में 11 में से तीन से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए। आदेश में कहा गया है, संशोधित वक्फ अधिनियम की धारा 3 के खंड (आर) का वह भाग जिसमें कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति जो यह दर्शाता या प्रदर्शित करता है कि वह कम से कम पांच वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहा है, उस वक्त तक स्थगित रहेगा जब तक कि राज्य सरकार द्वारा यह निर्धारित करने की प्रक्रिया के लिए नियम नहीं बनाए जाते कि व्यक्ति कम से कम पांच वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहा है या नहीं। शीर्ष अदालत ने उस प्रावधान पर भी रोक लगा दी जिसमें कहा गया है कि किसी संपत्ति को उस वक्त तक वक्फ संपत्ति नहीं माना जाए जब तक कि नामित अधिकारी अपनी रिपोर्ट नहीं सौंप देता। इसके अलावा, एक अन्य प्रावधान, जिसमें कहा गया है कि नामित अधिकारी द्वारा संपत्ति को सरकारी संपत्ति घोषित करने के मामले में, उसे राजस्व रिकॉर्ड में आवश्यक संशोधन करना होगा और राज्य सरकार को एक रिपोर्ट सौंपनी होगी। न्यायालय ने कहा, जब तक संशोधित वक्फ अधिनियम की धारा 3सी के तहत वक्फ संपत्ति के स्वामित्व से संबंधित मामले का, धारा 83 के तहत अधिकरण द्वारा शुरू की गई कार्यवाही में अंतिम रूप से निर्णय नहीं हो जाता, न तो वक्फ को संपत्ति से बेदखल किया जाएगा और न ही राजस्व रिकॉर्ड व वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड में की गई प्रविष्टियां प्रभावित होंगी। पीठ ने कहा कि जब तक विवादित संपत्ति के मालिकाना हक के संबंध में अधिकरण द्वारा अंतिम निर्णय नहीं दिया जाता और अपील पर उच्च न्यायालय के आदेश नहीं आ जाते, किसी तीसरे पक्ष के अधिकार नहीं सृजित किए जाएंगे। हालांकि, पीठ ने संशोधित कानून की धारा 23 (मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति, कार्यकाल और सेवा की अन्य शर्तें) पर रोक नहीं लगाई, लेकिन अधिकारियों को यह निर्देश दिया कि जहां तक संभव हो, बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जो पदेन सचिव भी होते हैं, की नियुक्ति मुस्लिम समुदाय से करने का प्रयास किया जाए।

केरल : मस्तिष्क खाने वाले अमीबा के संक्रमण का 67वां केस

तिरुअनंतपुरम। केरल में अमीबिक मेनिंगोएन्सेफेलाइटिस (एक दुर्लभ और घातक मस्तिष्क संक्रमण) का एक नया मामला सामने आया है। तिरुवनंतपुरम में एक 17 वर्षीय लड़के के इस संक्रमण से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इस केस के सामने आने के बाद केरल स्वास्थ्य विभाग ने अक्कुलम टूरिस्ट विलेज स्थित स्विमिंग पूल को बंद कर दिया और पानी का सैंपल लेकर टेस्टिंग के लिए भेजा। अधिकारियों ने बताया कि लड़का पिछले दिनों अपने दोस्तों के साथ स्विमिंग पूल पर गया था और वहां नहाया था। केरल स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट पर 14 सितंबर को इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम के तहत जारी आंकड़ों के अनुसार, केरल में इस वर्ष अमीबिक मेनिंगोएन्सेफेलाइटिस के 67 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 18 मौतें हुई हैं।

600 किमी दूर से फेसबुक फ्रेंड से आई थी मिलने

महिला की रॉड से पीट पीटकर हत्या

बाड़मेर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में एक सरकारी स्कूल के शिक्षक को एक महिला की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। महिला झुंझुनू से लगभग 600 किलोमीटर का सफर तय करके उससे मिलने आई थी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, शिक्षक और महिला अक्टूबर 2024 में फेसबुक के माध्यम से कनेक्ट हुए थे और तब से उनके बीच दोस्ती हो गई थी। वह अक्सर उससे मिलने आती थी। इसी तरह 10 सितंबर को भी वह बाड़मेर पहुंची थी और तब से उसके घर पर ही रह रही थी। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि सदर क्षेत्र के चावा गांव के आरोपी 38 साल के मानाराम ने अपने घर पर ही 37 साल की मुकेश कुमारी की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी . बाद में उसने मर्डर को दुर्घटना का रूप देने के लिए उसकी लाश को उसकी ही कार की ड्राइवर सीट पर रख दिया।

कार्यालय कलेक्टर (विवाह शाखा) गरियाबंद (छत्तीसगढ़)
// सार्वजनिक सूचना //

क्रमांक / क-4828 / विवाह अधि. / 2025
गरियाबंद, दिनांक 27/08/2025

सर्व साधारण की जानकारी के लिए यह सूचित किया जाता है आवेदक श्री सावन कुमार साहू पिता अशोक कुमार साहू उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम हथबंद, पोस्ट हसदा - 2, तहसील कुरूद, जिला धमतरी (पति) एवं आवेदिका नीमा बघेल पिता नारायण बघेल उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम श्यामनगर पोस्ट बरोण्डा तहसील राजिम जिला गरियाबंद (पत्नि) ने हिंदु विवाह अधिनियम के अधीन अपने विवाह के रजिस्ट्रीकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त विवाह के रजिस्ट्रीकरण में आपत्ति करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस संबंध में दिनांक 27/09/2025 के पूर्व अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नही किया जावेगा।

आज दिनांक 27/08/2025 को इस कार्यालय के मुद्रा सहित जारी किया गया।

(मुहर) **विवाह अधिकारी,**
जिला-गरियाबंद (छ.ग.)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
समपार के स्थान पर R.O.B. के निर्माण के लिए ई-निविदा सूचना

सीपीएम / जीएसयू, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उन की ओर से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:
निविदा क्र.: सीपीएम-जीएसयू-18-एनजीपी-2025-26
कार्य का नाम: नागपुर मंडल में 03 R.O.B. का निर्माण - **(1)** TMR-TRDI लाइन पर कि.मी. 1075/3 पर मानवयुक्त समपार क्रमांक TT-20 के स्थान पर ROB का निर्माण। **(2)** TMR-TRDI लाइन पर कि.मी. 1077/12 पर मानवयुक्त समपार क्रमांक TT-26 के स्थान पर ROB का निर्माण। **(3)** गोंदिया (G) - बालाघाट (BTC) सेक्शन में कि.मी. 1018/2-3 पर मानवयुक्त समपार क्रमांक GJ-13 के स्थान पर ROB का निर्माण।
अनु. निविदा मूल्य: ₹ 63,80,44,047/-
बयाना राशि: ₹ 33,40,200/-
बोलीदाता उपरोक्त निविदाओं के लिए अपनी मूल/संशोधित बिड्स दिनांक **04.10.2025** के **15:00** बजे तक जमा कर सकते हैं।
मैन्युअल ऑफर्स की अनुमति नहीं है व सभी मैन्युअल ऑफर्स अस्वीकार कर दिए जाएंगे। अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

उप. मुख्य अभियंता - जीएसयू,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
नागपुर
MS/25-121

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

राशिफल

मेष: मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन: मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क: आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह: व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या: पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला: मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक: आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु: आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर: वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन: परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

पाक के तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 2 गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े एक सीमा पार हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है और दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि फाजिल्का पुलिस ने एक विशिष्ट सूचना के आधार पर पाकिस्तान से जुड़े इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। गौरव यादव के मुताबिक विदेशी आकाओं द्वारा समर्थित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि पांच विदेशी पिस्तौल और नौ मैगजीन भी ज़ब्त की गई है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि ये हथियार पंजाब में आपराधिक गिरोहों द्वारा इस्तेमाल के लिए एक विदेशी संस्था के माध्यम से पाकिस्तान से मंगवाए गए थे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् कुरूद, जिला- धमतरी (छ.ग.)
पता- पुराना बाजार चौक- कुरूद, फोन- 7705-299149, Email-npkurud@yahoo.in, kurudnp@gmail.com

क्रमांक/ /दु.नी./ न.पा./2025-26 -:: नीलामी सूचना ::- कुरूद, दिनांक 15/09/2025

एतद द्वारा समस्त नागरिकों सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि नगर पालिका परिषद् कुरूद सीमा क्षेत्रान्तर्गत वार्ड क्रं. 15 नया बस स्टैण्ड कुरूद के बाजू में पौनी पसारी स्थल के समीप दुकान निम्न आय वर्ग के लिए प्रीमियम की नीलामी घोष विक्रय के द्वारा दिनांक 08/10/2025 दिन-बुधवार, स्थान- मंगल भवन कुरूद में समय 11:00 बजे से नगर पालिका परिसर स्थित मंगल भवन में की जावेगी। इच्छुक बोलीदार अमानत राशि नगद/डीडी के रूप में एक दिन पूर्व दिनांक 07/10/2025 तक कार्यालय अवधि में सायं 5:00 बजे तक जमा कर नीलामी में भाग ले सकते है।

दुकानों का विवरण निम्नानुसार है-

दुकान क्र.	दुकान का विवरण	साईज	आरक्षण	अमानत राशि
09, 14	वार्ड क्रं. 15 पौनी पसारी स्थल के समीप दुकान निम्न आय वर्ग	साईज 3.20 X 3.20 = 10.24 मी.	अनुसूचित जाति SC	20000.00
06, 07, 15			अनुसूचित जनजाति ST	
08, 11, 13			अन्य पिछड़ा वर्ग	
17			विधवा	
16			शिक्षित बेरोजगार	
10, 12			अनारक्षित महिला	
01, 02, 03, 04, 05, 18, 19, 20, 21, 22			अनारक्षित	

टीप :- विस्तृत नियम एवं शर्तें (सरल क्रं. 01 से 43 तक) कार्यालयीन समयावधि पर कार्यालय के राजस्व शाखा से एवं विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in पर देखी एवं अवलोकन की जा सकेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद्, कुरूद

शब्द पहेली - 5990

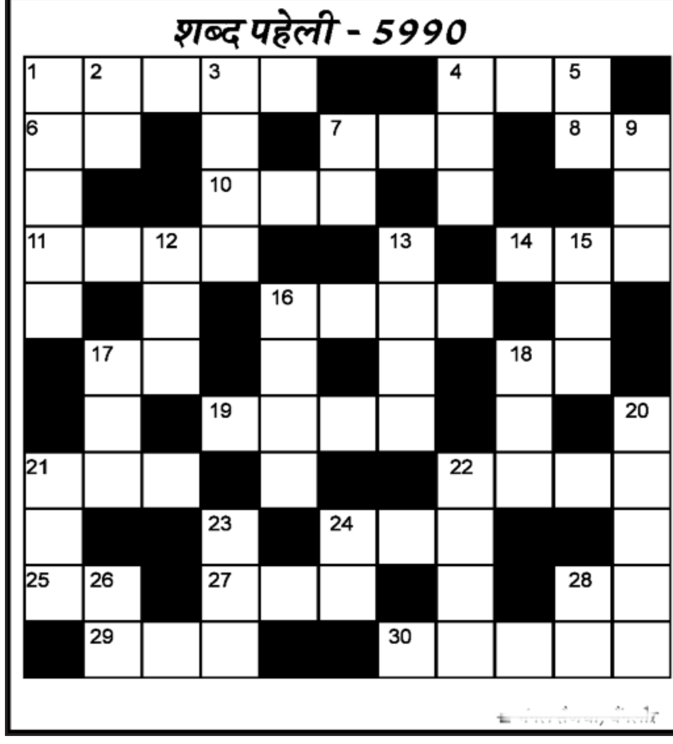

बाएँ से दाएँ
1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली-5989 का हल

सूडोकु नवताल- 6000

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5999 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

चांदी 300 रुपए बढ़कर नए शिखर पर, सोना रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसला

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुझानों के बीच सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में चांदी की कीमत 300 रुपये बढ़कर 1,32,300 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जबकि सोना अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से 500 रुपये घट गया। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला मानक सोना सोमवार को 500 रुपये गिरकर 1,13,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया, जिससे इसकी चार दिनों की बढ़त का सिलसिला टूट गया।

अब नहीं पड़ेगी एटीएम की जरूरत, फोन पर एक स्क्रैन से निकाल सकेंगे कैश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- क्यूआर कोड स्कैन कर निकाल पाएगे राशि

अब स्मार्टफोन से कैश निकालना और आसान होने जा रहा है। देश में हर जगह इस्तेमाल होने वाला यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस), जो अभी तक पैसे भेजने, बिल चुकाने और ऑनलाइन खरीदारी के लिए इस्तेमाल होता है। अब कैश विड्रॉल के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) अब क्यूआर कोड स्कैन कर कैश निकालने की सुविधा भी शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए लाखों बिजनेस करेसपॉन्डेंट्स (बीसीएस), जैसे कि किराना दुकानदार या छोटे सर्विस प्वाइंट, क्यूआर कोड देंगे। ग्राहक अपने मोबाइल में किसी भी यूपीआई ऐप से कोड स्कैन करके नकद निकाल पाएंगे।

एनपीसीआई करने जा रहा बड़ी तैयारी

आरबीआई से मांगी अनुमति

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (जो देश में रिटेल पेमेंट्स और सेटलमेंट सिस्टम चलाने वाली संस्था है) ने आरबीआई से अनुमति मांगी है कि यूपीआई के जरिए नकद निकासी की सुविधा बिजनेस करेसपॉन्डेंट्स (बीसी) पर भी दी जा सके। रिपोर्ट के अनुसार, एनपीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह सुविधा अभी योजना के स्तर पर है और इस पर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

अभी क्या विकल्प मौजूद हैं

फिलहाल ग्राहक बीसी के पास मौजूद माइक्रो-एटीएम मशीनों से एटीएम कार्ड डालकर पैसा निकाल सकते हैं। लेकिन यह तरीका बहुत कम इस्तेमाल होता है।

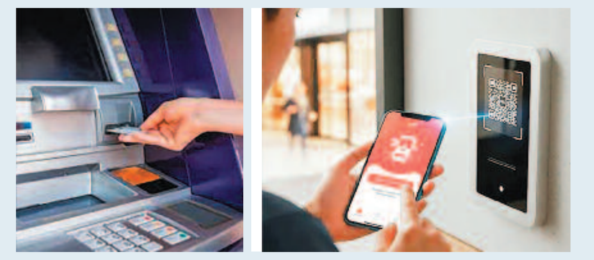

नकदी निकासी आसान होगी : सरकार और बैंकिंग सेक्टर यूपीआई से नकद निकासी को और आसान बनाने पर काम कर रहे हैं। जब कोई ग्राहक बीसी आउटलेट पर जाएगा, तो वह यूपीआई से क्यूआर कोड स्कैन करेगा। ग्राहक के खाते से उतनी रकम डेबिट हो जाएगी। उतनी ही रकम बीसी के खाते में क्रेडिट हो जाएगी। उसके बाद बीसी ग्राहक को नकद कैश दे देगा।

बीसी कौन होते हैं

ये छोटे-छोटे केंद्र या लोग होते हैं जो अक्सर दूरदराज या बैंकिंग सुविधाओं से वंचित इलाकों में रहते हैं और बैंक शाखाओं का एक्सटेंशन बनकर काम करते हैं। यानी ये लोगों को बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में मदद करते हैं। बता दें कि एनपीसीआई ने ही साल 2016 में यूपीआई को बनाया और लांच किया था।

अभी कुछ चुनिंदा दुकानदारों से संभव

बता दें कि आज की तारीख में यूपीआई से कार्डलेस कैश निकासी सिर्फ उन्हीं एटीएम (जो यूपीआई-एनेबल हैं) या कुछ चुनिंदा दुकानदारों से ही संभव है। वहां भी एक सीमा है। जैसे कि शहरों और कस्बों में हर ट्रांजैक्शन पर सिर्फ 1,000 रुपए तक नकद मिल सकता है। ग्रामीण इलाकों में यह सीमा 2,000 रुपए तक है। अब योजना बनाई जा रही है कि इस सुविधा को पूरे देश के 20 लाख से ज्यादा बिजनेस करेसपॉन्डेंट्स (बीसी) तक फैलाया जाए।

वित्त मंत्री ने जारी की नीति आयोग की रिपोर्ट

नियामकीय उपायों से नवोन्मेषण को बढ़ावा मिलना चाहिए : सीतारमण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को ऐसे नियामकीय उपायों की जरूरत पर जोर दिया, जो तकनीकी नवोन्मेषण, विशेष रूप से कृत्रिम मेधा (एआई) को जिम्मेदारी के साथ बढ़ावा दें, न कि उसे हतोत्साहित करें। उन्होंने नीति आयोग की रिपोर्ट 'विकसित भारत के लिए एआईः तेज आर्थिक वृद्धि के अवसर' जारी करते हुए यह बात कही।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार न केवल एआई प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में उनका जिम्मेदारीपूर्ण इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''हम ऐसे नियामकीय उपाय नहीं चाहते हैं, जो सचमुच तकनीक को ही खत्म कर दें। हम ऐसे नियमन चाहते हैं जो जिम्मेदार अनुप्रयोग को बढ़ावा दें।''

चुनौतियां सिर्फ नौकरियों में ही नहीं

सीतारमण ने कहा, ''एआई तेजी से बढ़ रही हमारे वक्त की सच्चाई है। इसलिए हम सभी को सचेत रहना होगा कि हम नैतिकता से पीछे न हटें, क्योंकि एआई की अपनी चुनौतियां भी हो सकती हैं।'' सीतारमण ने आगे कहा कि चुनौतियां सिर्फ नौकरियों में ही नहीं हैं, बल्कि इस बात को लेकर भी हैं कि इनका दुरुपयोग कैसे रोका जाए।

एआई को काबू में रखना आना चाहिए

वित्त मंत्री ने कहा, ''भारत एक ऐसा देश है, जो किसी भी आने वाली अच्छी चीज को समझ सकता है, लेकिन कोई भी अच्छाई पूरी तरह अच्छी नहीं होती। कोई भी अच्छाई बिना शर्त नहीं होती। हमें इसका इस तरह इस्तेमाल करना चाहिए कि यह आम आदमी के हित में हो।'' उन्होंने कहा कि एआई एक ऐसी चीज है, जिसे हमें अपने काबू में रखना आना चाहिए और इसे आम आदमी की भलाई के लिए काम करना चाहिए।

पीएम के मार्गदर्शन में आई तेजी

वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में एआई और इससे जुड़े मामलों में तेजी आई है और नीति आयोग इस संबंध में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

एआई से शहरी क्षेत्रों को बेहतर बनाने की योजना

सीतारमण ने कहा कि एआई मौजूदा शहरी क्षेत्रों को बेहतर बनाने और नए शहरी केंद्रों की योजना बनाने के लिए समाधान खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारत के सभी जिलों में एआई-समर्थित प्रौद्योगिकी को अपनाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, ''मैं चाहूंगी कि सभी जिले नवाचार और वृद्धि की कहानी बनकर उभरें।'

एआई की कई नई भूमिका तैयार

रिपोर्ट के अनुसार, जहां एक ओर एआई कई नई भूमिकाएं तैयार करेगा, वहीं दूसरी ओर यह कई मौजूदा नौकरियों को भी विस्थापित भी करेगा। विशेष रूप से लिपिकीय और निम्न कौशल वाले क्षेत्रों में ऐसा होगा। उन्होंने एक संतुलित दृष्टिकोण पर जोर देते हुए कहा कि आवश्यक निगरानी सुनिश्चित करते हुए नवाचार को बढ़ावा देना है। इससे बहुत अधिक नियमन को रोकने में मदद मिलती है।

26 अक्टूबर से चालू होगा दिल्ली हवाई अड्डे का टर्मिनल-2

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे का उन्नत टर्मिनल-2 अगले महीने की 26 तारीख से चालू हो जाएगा। इससे कुल वार्षिक यात्री क्षमता 10 करोड़ हो जाएगी। राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) में तीन टर्मिनल - टी1, टी2 और टी3 हैं। यह देश का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है। टी2 का निर्माण 40 साल पहले भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने किया था। इस साल अप्रैल में उन्नयन के लिए इसे बंद कर दिया गया था।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।
94060-21769

Since-2000 केश शिखा ® (हर्बल ट्रीटमेंट)
हर्बल ट्रीटमेन्ट आईल 100 ml.
प्रोप्रायटरी - आयुर्वेदिक ऑईल
बालों का झड़ना रोकता है
बाल काले, घने व मुलायम भी बनाता है
सभी आयुर्वेदिक एवं ऐलोपैथिक दुकानों में उपलब्ध।
Customer Care No. - 9425296176

हरिभूमि छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर
THE DIAGNOSTIC CARE

दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
ट्यूबरक्युलोसिस — मध्यभारत का सबसे बड़ा सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
• जीनएक्सपर्ट/सीबीएनएटी (टीएटी- 12-24 घंटे) बलगम
• क्वांटिफेरॉन-टीबी गोल्ड प्लस (क्यूएफटी प्लस) (टीएटी-48 घंटे) खून
• एएफबी कल्चर (एमजीआईटी320) (टीएटी- 21-42 दिन)
पता- सीटी कोतवाली के पास, सीएसईबी ऑफिस के सामने, बुढ़ापारा, रायपुर 492007
मो. 8098518020, 9004051230, 7828184773

लैब प्लस पैथोलाजी
क्वालिटि के साथ जांच की गारंटी
सभी प्रकार के बीमारियों के लिए पैकेज उपलब्ध
पैथोलाजी जाँच के लिए पैकेज में जांच कराये व अपने पैसे बहुतायत से बचाये।
पैकेज की जानकारी के लिए सम्पर्क करे- 9039055548, 9300000989,9300000702

20 वर्षों से आपकी सेवा में तत्पर
लैब केयर डायग्नोस्टिक्स — Lab Care DIAGNOSTICS COMPLETE PATHOLOGY SOLUTION
Mo.: 9826725383
पैथोलॉजी की सभी सेवायें उपलब्ध है।
50% डिस्काउंट के साथ उचित जाँच*
पताः सीएसआईडीसी कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के सामने, दास स्वीट्स के पीछे, बचपन अस्पताल के पास, महादेव घाट रोड, रिंग रोड चौक, रायपुर, (छ.ग.)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें -
9303508130, 9302016344, 7909631282

थोक महंगाई अगस्त में बढ़कर चार महीने के उच्चस्तर पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- डब्ल्यूपीआई बढ़कर 0.52 प्रतिशत पर रही
- खाद्य पदार्थ व विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़े

खाद्य पदार्थों और विनिर्मित वस्तुओं के दाम में मामूली वृद्धि के कारण थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) अगस्त में चार महीने के उच्चतम स्तर 0.52 प्रतिशत पर रही। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। मुद्रास्फीति दो महीने बाद एक बार फिर सकारात्मक क्षेत्र में लौट आई है। हालांकि, इस दौरान ईंधन और बिजली क्षेत्र में नरमी देखी गई। डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति जुलाई और जून में क्रमशः शून्य से 0.58 प्रतिशत नीचे और शून्य से 0.19 प्रतिशत नीचे रही थी। पिछले साल अगस्त में यह 1.25 प्रतिशत के स्तर पर थी।

उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''अगस्त, 2025 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, गैर-खाद्य पदार्थों, विनिर्माण क्षेत्र, गैर-धात्विक खनिज उत्पादों और परिवहन उपकरणों की कीमतों में वृद्धि के चलते हुई।''

डब्ल्यूपीआई आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में खाद्य पदार्थों की महंगाई में 3.06 प्रतिशत की कमी आई, जबकि जुलाई में इसके दाम 6.29 प्रतिशत घटे थे। इस दौरान सब्जियों की कीमतों में तेजी देखी गई। विनिर्मित उत्पादों के मामले में मुद्रास्फीति अगस्त में 2.55 प्रतिशत रही, जबकि पिछले महीने यह 2.05 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली क्षेत्र में अगस्त में महंगाई में 3.17 प्रतिशत की कमी आई, जबकि जुलाई में यह 2.43 प्रतिशत थी।

ईंधन की कीमतों में आई गिरावट
बार्कलेज ने कहा कि खाद्य थोक मूल्य सूचकांक में कम महंगाई और उच्च मुख्य मुद्रास्फीति ने अगस्त में ईंधन कीमतों में आई गिरावट की भरपाई कर दी है। वित्त सेवा फर्म ने आने वाले महीनों में थोक मूल्य सूचकांक में मामूली वृद्धि का अनुमान जताया है।

वस्त्र, रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद हुए महंगे

उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष हेमंत जैन ने कहा कि विनिर्मित उत्पादों में वनस्पति और पशु तेल एवं वसा, वस्त्र, तथा रबड़ एवं प्लास्टिक उत्पाद महंगे हुए, जिसका प्रभाव उत्पादन लागत पर कुछ समय बाद दिखाई दे सकता है। इक्रा के वरिष्ठ अर्थशास्त्री राहुल अग्रवाल ने कहा कि ईंधन और बिजली को छोड़कर, सभी क्षेत्रों में कीमतों में व्यापक वृद्धि देखी गई है

बैंकों की ऋण वृद्धि 12 प्रतिशत रहने का अनुमान : क्रिसिल

मुंबई। घरेलू क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने सोमवार को कहा कि बैंकों की ऋण वृद्धि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में तेजी पकड़ेगी और समूचे वित्त वर्ष में यह लगभग 12 प्रतिशत तक रह सकती है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में बैंकों के कर्ज वितरण को बढ़ाने में खुदरा ऋण मुख्य भूमिका निभाएगा जबकि कॉरपोरेट ऋण की वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी रहेगी। इसके साथ ही क्रिसिल ने कुछ चिंताओं की ओर भी इशारा किया है। परिवारों के जमा अंशदान में गिरावट आने से जमा स्थिरता पर असर पड़ सकता है और छोटे व्यवसायों को दिए जाने वाले कर्ज संपत्ति गुणवत्ता के लिए चुनौती हो सकते हैं। क्रिसिल के मुख्य रेटिंग अधिकारी कृष्णन सीतारमण ने कहा, ''पहली तिमाही में ऋण वृद्धि दर 9.5 प्रतिशत रही, जो अब बढ़कर 10 प्रतिशत के करीब पहुंच चुकी है लेकिन यह अब भी धीमी है। हम उम्मीद करते हैं कि दूसरी छमाही में तेज ऋण वृद्धि होगी और समूचे वित्त वर्ष में ऋण वृद्धि 11-12 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।''

हरिभूमि HEALTH CARE — छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

अहलूवालिया हॉस्पिटल — 81031 28515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

सभी प्रकार की एलर्जी — डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre — वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्कः 8962566221, 07714916125, 7223065604

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झाई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर — 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre — रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411, www.makeoverraipur.com — त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी — MD (Physician, Gold Medalist, IUK), MD (Pathology, Utkal University)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी — MBBS, MS (OBG), F.M.A.S, FRM (Gujarat University), DRM (Germany), स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
उपलब्ध विशेषताएं: • पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • यौन रोग • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सिस्ट, सोनोग्राफी, • बांझपन का संपूर्ण इलाज • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल — चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट — रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्ट्डी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक — मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर — समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

उपलब्ध विशेषताएं: • लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध — OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक — Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre — Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डॉ. मनोज अग्रवाला — एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक — सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

स्पष्ट होती है अक्षर की रणनीति : सूर्यकुमार

दुबई। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप मैच में पाकिस्तान के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद हरफनमौला अक्षर पटेल की जमकर तारीफ की। उन्होंने बाएं हाथ के इस स्पिनर की बाएं हाथ के बल्लेबाजों से निपटने के लिए अभ्यास के दौरान किए गए अतिरिक्त प्रयास और बल्लेबाजी के प्रति उनकी स्पष्टता की भी सराहना की। अक्षर ने कुलदीप यादव (18 रन देकर तीन विकेट) के साथ मिलकर भारत को सात विकेट से जीत हासिल करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 18 रन देकर दो विकेट लिए, जिनमें खतरनाक फखर जमां का विकेट भी शामिल है, जिनका बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ अच्छा रिकॉर्ड रहा है। सूर्यकुमार ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि वह (अक्षर) काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं। वह काफी लंबे समय से भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इसलिए वह अपना काम अच्छी तरह जानते हैं। उनकी रणनीति पूरी तरह से स्पष्ट होती है।'

सिमंस बैंक ओपनः शीर्ष 20 में रेहान थॉमस

फ्रेंक्लिन (अमेरिका)। भारतीय गोल्फर रेहान थॉमस सिमंस बैंक ओपन में अच्छे प्रदर्शन के साथ संयुक्त 20वें स्थान पर रहे। दुबई में पले बढे 24 वर्ष के रेहान ने 11 अंडर पार स्कोर किया । इस प्रदर्शन से उन्हें 17000 से अधिक अमेरिकी डॉलर और महत्वूपर्ण अंक मिले। जाक बाउचोउ ने 23 अंडर पार 257 के स्कोर के साथ खिताब जीता।

सिराज के सिर सजा आईसीसी का अवॉर्ड

दुबई। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के लिए अगस्त महीने का आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। आयरलैंड की महिला खिलाड़ी ओर्ला प्रेंडरगैस्ट को भी सिराज के साथ महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया, जिससे भारत ने यह मैच छह रन से जीत कर श्रृंखला बराबर कराई। रैंकिंग में भी हुआ फायदा %ओवल टेस्ट में मोहम्मद सिराज ने दोनों पारियों में कुल मिलाकर 46.3 ओवर गेंदबाजी की थी। बताते चलें कि सिराज एकमात्र भारतीय तेज गेंदबाज रहे, जो इंग्लैंड टूर पर सभी 5 टेस्ट मैचों में खेले थे। इस पूरी सीरीज में उन्होंने 185.3 ओवर गेंदबाजी की, जो सबसे ज्यादा रही।

डुप्लांटिस तीसरी बार बने विश्व चैंपियन

टोकियो। अर्मांड मोंडो डुप्लांटिस ने 14वीं बार पोल वाल्ट का विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए 6.30 मीटर का आंकड़ा छुआ और तीसरी बार विश्व चैंपियनशिप खिताब अपने नाम किया। लूसियाना में जन्मे लेकिन अपनी मां के देश स्वीडन के लिए खेलने वाले डुप्लांटिस का यह पांचवां बड़ा खिताब है, जिसमें ओलंपिक भी शामिल है। उन्होंने तीसरे और आखिरी प्रयास में 20 फीट आठ इंच पार किया। उन्हें जीत के साथ 70 हजार डॉलर और विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए एक लाख डॉलर बोनस मिला। उन्होंने पहली बार आठ फरवरी 2020 को 6.17 मीटर पार करके विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

बांग्लादेश का अफगानिस्तान के खिलाफ करो या मरो वाला मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| अबुधाबी

बल्लेबाजों के खराब फॉर्म से जूझ रहे बांग्लादेश को मंगलवार को एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ ग्रुप बी के करो या मरो वाले मुकाबले में स्पिन की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। लिटन दास की अगुवाई वाली टीम ने हांगकांग पर शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, लेकिन श्रीलंका से करारी हार के साथ उसकी लय टूट गई, जिससे वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गया। अफगानिस्तान (4.700) नेट रन रेट के आधार पर आगे है। श्रीलंका (2.595) ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर है, इसलिए बांग्लादेश (-0.650) को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए अपना अंतिम मैच हर हाल में जीतना होगा।

अफगानिस्तान की टीम आत्मविश्वास से भरी

अफगानिस्तान ने इस टूर्नामेंट से पहले त्रिकोणीय श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया था और उसकी टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है। उसके पास उपयोगी बल्लेबाज हैं और उसका गेंदबाजी आक्रमण किसी भी टीम के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करने की क्षमता रखता है। ऐसे में बांग्लादेश के लिए उससे पार पाना आसान नहीं होगा।

एशिया कप : बांग्लादेश को करना पड़ेगा अफगानिस्तान के स्पिनरों की चुनौती का सामना

श्रीलंका के खिलाफ बांग्लादेश का शीर्ष क्रम विफल

बांग्लादेश की सबसे बड़ी चिंता उसकी बल्लेबाजी है। श्रीलंका के खिलाफ उसका शीर्ष क्रम बुरी तरह विफल रहा, जिसके बाद जैकर अली और शमीम हुसैन ने छठे विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। एक बार फिर सभी की निगाहें कप्तान लिटन दास पर होंगी, जिन्होंने हांगकांग के खिलाफ अर्धशतक जड़ा था।अब उनका सामना अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, अनुभवी मोहम्मद नबी, बाएं हाथ के स्पिनर नूर अहमद और एएम गजनफर के मजबूत स्पिन आक्रमण से होगा, जो यहां की परिस्थितियों को देखते हुए किसी भी टीम के लिए सबसे अच्छा संयोजन होगा।

संभावित टीमें

बांग्लादेशः लिटन दास (कप्तान, विकेटकीपर), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदयोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, नुरुल हसन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन, तस्कीन अहमद, शोरफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन।
अफगानिस्तानः राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, दरविश रसूली, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, करीम जनत, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, शराफुद्दीन अशरफ, मोहम्मद इशाक, मुजीब उर रहमान, अल्लाह गजनफर, नूर अहमद, फरीद मलिक, नवीन-उल-हक, फजलहक फारुकी। मैच आज रात 8 बजे से।

सारांश प्लेयर ऑफ द सीरीज और यश राठौड़ प्लेयर ऑफ द मैच बने

सेंट्रल जोन ने जीता दलीप ट्रॉफी का खिताब पाटीदार ने 10 साल बाद टीम को बनाया विजेता

एजेंसी ▶▶| बेंगलुर

सेंट्रल जोन ने फाइनल में साउथ जोन को 6 विकेट से हराया

सेंट्रल जोन ने फाइनल में साउथ जोन को 6 विकेट से हराकर दलीप ट्रॉफी 2025 का खिताब जीत लिया। रजत पाटीदार और उनकी टीम को बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले गए मुकाबले के पांचवें दिन दो घंटे से भी कम समय में मैच अपने नाम कर लिया। सेंट्रल जोन ने पहले दिन से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और साउथ जोन को पहली पारी में महज 149 रनों पर ढेर कर दिया। सारांश जैन को प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया। जबकि यश राठौड़ प्लेयर ऑफ द मैच बने। साउथ जोन को हराकर 11 साल के अंतराल के बाद दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का चैंपियन बनने का गौरव सेंट्रल जोन ने हासिल किया।

सेंट्रल जोन ने दलीप ट्रॉफी में अपना सातवां खिताब जीता

सेंट्रल जोन के सामने 65 रन का मामूली लक्ष्य था लेकिन साउथ जोन के गेंदबाजों ने उनके बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ली। लक्ष्य बहुत बड़ा नहीं था और ऐसे में सेंट्रल जोन को उसे हासिल करने में बहुत ज्यादा परेशानी नहीं हुई। अक्षय वाडकर (नाबाद 19 रन, 52 गेंद) और पहली पारी के शतकवीर यश राठौड़ (नाबाद 13 रन, 16 गेंद) तब क्रीज पर थे, जब मध्य क्षेत्र ने 20.3 ओवर में चार विकेट पर 66 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया और दलीप ट्रॉफी में अपना सातवां खिताब जीता।

साउथ जोन के बॉलरों का रहा बोलबाला

बाएं हाथ के स्पिनर अंकित शर्मा ने दानिश मालेवार (05) को आउट किया। उनकी गेंद तेजी से घूमी और बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर मोहम्मद अजहरुद्दीन के पास पहुंची। बाद में उन्होंने सेंट्रल जोन के कप्तान रजत पाटीदार का विकेट भी लिया, जो जल्दबाजी में स्लॉग स्वीप खेलने के चक्कर में मिड-ऑन पर एमडी निधिश के हाथों कैच आउट हो गए। भारत ए टीम में शामिल किए गए तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने शुभम शर्मा और सारांश जैन (जिन्हें बाद में सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया) के विकेट चटकाए। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी राठौड़ और वाडकर ने इसके बाद सेंट्रल जोन को लक्ष्य तक पहुंचाया।

पाटीदार का कप्तान के रूप में वर्ष का दूसरा खिताब

पाटीदार का कप्तान के रूप में यह इस वर्ष का दूसरा खिताब है। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत दिलाई थी और वह इससे काफी खुश हैं। मैच के बाद रजत ने कहा कि, हर कप्तान को ट्रॉफी जीतना पसंद होता है। हमारे खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त जज्बा दिखाया और मैं इससे बहुत खुश हूं।

श्रीलंका की लगातार दूसरी जीत हांगकांग को चार विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| दुबई

पाथुम निसांका के शानदार अर्धशतक के बावजूद श्रीलंका को एशिया कप के ग्रुप बी मैच में हांगकांग पर चार विकेट से जीत दर्ज करने से पहले लक्ष्य का पीछा करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

निसांका (68 रन) की पारी ने समय पर तेजी पकड़ी। उन्होंने तीसरे विकेट के लिए कुसल परेरा (20 रन) के साथ 57 रन की साझेदारी की, जिससे श्रीलंका सुपर चार में जगह बनाने के करीब पहुंच गया। धीमी पिच पर श्रीलंका ने सतर्कता से 150 रन के लक्ष्य का पीछा शुरू किया और 18.5 ओवर में छह विकेट पर 153 रन बनाकर जीत दर्ज की। पहले 10 ओवरों में 65 रन पर कुसल मेंडिस और कामिल मिशारा के विकेट गंवाने के बाद श्रीलंका को निसांका ने लय दिलाई, जिन्हें दो बार (40 और 60 रन) पर जीवनदान मिला। निसांका ने अपने ज्यादातर बड़े शॉट स्क्वायर लेग क्षेत्र में लगाए जहां बाउंड्री अपेक्षाकृत छोटी थी। श्रीलंका ने 10 ओवर में 65 रन बनाने के बाद निसांका और परेरा की मदद से अगले तीन ओवरों में 42 रन जोड़े। लेकिन हांगकांग ने आठ रन के अंतराल में निसांका, परेरा, कामिंडु मेंडिस और कप्तान चरिथ असालंका के विकेट झटककर श्रीलंका का स्कोर दो विकेट पर 119 रन से छह विकेट पर 127 रन कर दिया।

भारत ने सुपर 4 के लिए किया क्वालीफाई

दुबई। यूएई ने ओमान को 42 रनों से हराकर एशिया कप 2025 में अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं हैं। वहीं इस जीत से भारत ग्रुप ए से सुपर फोर में पहुंच गया। भारत ने रविवार को पाकिस्तान को सात विकेट से हराकर चार अंक हासिल किए थे। यूएई के अब दो अंक हैं, पाकिस्तान के भी दो, जबकि ओमान दो मैच हारकर बाहर हो गया। ग्रुप ए में दो मैच बाकी हैं। पहला मैच बुधवार को यूएई और पाकिस्तान के बीच होगा, जिसमें जीतने वाली टीम चार अंकों के साथ सुपर फोर में जाएगी। दूसरा मैच शुक्रवार को भारत और ओमान के बीच होगा, जो अब औपचारिकता मात्र है। भारत के चार अंक पक्के हैं, इसलिए वे कम से कम दूसरे स्थान पर रहेंगे। अगर ओमान ने यूएई को हराया होता तो तीन टीमें (यूएई, पाकिस्तान, ओमान) दो-दो अंकों पर होतीं, जिससे नेट रन रेट के आधार पर भारत को चुनौती मिल सकती थी।

एशिया कप

यूएई ने खोला जीत से खाता ओमान को 42 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| अबू धाबी

मेजबान यूएई का एशिया कप में खाता खुल गया है। शेख जायद स्टेडियम पर यूएई का मुकाबला ओमान से था। इस मैच को यूएई ने 42 रनों से अपने नाम किया। कप्तान मोहम्मद वसीम और सलामी बल्लेबाज अलीशान शराफू के अर्धशतक की मदद से यूएई की टीम पांच विकेट पर 172 रन तक पहुंच गई। ओमान के विकेट गिरने का सिलसिला पहले ही ओवर में शुरू हो गया। 19वें ओवर में टीम की पारी 131 रनों पर सिमट गई। इस हार के साथ ही ओमान का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है।

यूएई के कप्तान वसीम ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

टी-20 इंटरनेशनल में गेंदों के हिसाब से सबसे तेज 3000 रन बनाने का रिकॉर्ड अब मुहम्मद वसीम का नाम है। उन्होंने 1947 गेंदों में 3000 रन पूरे किए। जोस बटलर ने 2068 गेंदों में 3000 रन पूरे किए थे। वह अब इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज आरोन फिंच का नाम है। उन्होंने 2077 गेंदों में 3000 रन पूरे किए थे। उनके साथी खिलाड़ी डेविड वॉर्नर ने 2113 गेंदों में और रोहित शर्मा ने 2149 गेंदों में 3000 रन पूरे किए थे।

सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले बल्लेबाज (गेंदों के हिसाब से)

1947 गेंद : मुहम्मद वसीम
2068 गेंद : जोस बटलर
2077 गेंद : एरोन फिंच
2113 गेंद : डेविड वार्नर
2149 गेंद : रोहित शर्मा

एसोसिएट देशों के दूसरे खिलाड़ी बने वसीम

इस पारी के दौरान मुहम्मद वसीम ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। वह एसोसिएट देशों के बीच 3000 टी20। रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले एसोसिएट देश के लिए ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी मलेशिया के विरनदीप सिंह थे। उन्होंने भी टी-20 इंटरनेशनल में 3000 रन पूरे किए थे।

फिडे ग्रैंड : वैशाली ने लगातार दूसरी बार जीता खिताब

एजेंसी ▶▶| समरकंद

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. वैशाली ने 11वें और अंतिम दौर में पूर्व विश्व चैंपियन चीन की झोंगयी टैन के साथ कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेलकर लगातार दूसरी बार फिडे ग्रैंड स्विस खिताब जीता और महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाई।

रूस की कैटरीना लागनो ने अजरबेजान की उल्विया फतालियेवा के साथ ड्रॉ खेलकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया और संभावित 11 में से आठ अंक हासिल करके वैशाली के अलावा कैंडिडेट्स के लिए क्वालीफाई करने वाली दूसरी खिलाड़ी बनीं। वैशाली ने 2023 में आइल ऑफ मैन में भी यह टूर्नामेंट जीता था। उनकी जीत इस बात का संकेत है कि भारतीय महिला खिलाड़ी भी जल्द ही पुरुष समकक्षों की तरह सुर्खियों में छाएंगी। वैशाली ने छह बाजियां जीती जबकि एक में उन्हें हार मिली जबकि बाकी चार बाजियां ड्रॉ रहीं। वह लागनो से एक अंक आगे रहीं। इस जीत का मतलब है कि वैशाली और आर. प्रज्ञानानंदा दोनों भाई-बहन विश्व चैंपियन को चुनौती देने के लिए कैंडिडेट्स में फिर से खेलेंगे।

भारतीय टीम के हाथ न मिलाने से बौखलाया पाक

पाकिस्तान ने आईसीसी से की मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट की शिकायत

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 के मुकाबले में हाथ न मिलाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस मसले पर अब इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की शरण में पहुंच गया।

पाकिस्तान की तरफ से मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट की शिकायत की गई है। पीसीबी ने आरोप लगाया कि मैच रेफरी ने आईसीसी की आचार संहिता तोड़ी है। उन्हें एशिया कप के बाकी मैचों से हटा दिया जाए। भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में टॉस के समय भी हाथ नहीं मिलाया और मैच समाप्ति के बाद भी ऐसा कुछ ही हुआ। इसके बाद नाराज होकर पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा पोस्ट मैच प्रजेंटेशन से दूर रहे।

कौन है एंडी पायक्रॉफ्ट

पायक्रॉफ्ट जिम्बाब्वे के क्रिकेटर रहे हैं। उन्होंने 1983 से 1992 के बीच तीन टेस्ट और 20 वनडे मुकाबले खेले। बाद में वे जिम्बाब्वे ए टीम के कोच भी बने। 2009 में वह आईसीसी मैच रेफरी एलिट पैनल का हिस्सा बन गए थे।

पाकिस्तानी टीम मैनेजमेंट ने दर्ज कराया विरोध

पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी जो संयोग से एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन भी हैं उन्होंने पायक्राफ्ट की शिकायत की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, पीसीबी ने आईसीसी के सामने मैच रेफरी की शिकायत की है, जिन्होंने आईसीसी आचार संहिता और खेल भावना को लेकर एमसीसी के नियम तोड़े। पीसीबी की मांग है कि एशिया कप से मैच रेफरी को फौरन हटा दिया जाए। इससे पहले पीसीबी की तरफ से एक बयान जारी किया गया था, जिसमें कहा था कि उनकी तरफ से मैच रेफरी को लेकर आधिकारिक शिकायत की गई है। पाकिस्तानी टीम के मैनेजर नावीद अकरम चीमा ने यह शिकायत की।

आज से शुरू हो रहा चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट

लय कायम रखने उतरेंगे लक्ष्य और सात्विक-चिराग

एजेंसी ▶▶| शेनजेन (चीन)

हांगकांग ओपन के फाइनल तक पहुंचे लक्ष्य सेन और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में यह लय कायम रखने उतरेंगे। पिछले दो साल में पहले बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य का सामना यहां पहले दौर में फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से होगा।

अलमोड़ा के 24 वर्ष के लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद से कई टूर्नामेंटों में जल्दी बाहर होते आए हैं। उन्होंने हांगकांग ओपन में यह सिलसिला तोड़ा। उन्होंने कहा,' मुझे अधिक आत्मविश्वास रखना होगा। पहले ही दिन से प्रक्रिया पर अडिग रहना होगा।'

मलेशिया से पहले दौर में भारतीय जोड़ी का मुकाबला

आठवीं वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग इस सत्र में छह बार सेमीफाइनल में पहुंचे, विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य जीता और हांगकांग ओपन में उपविजेता रहे। एशियाई खेल चैंपियन जोड़ी हालांकि इस सत्र में खिताब नहीं जीत सकी है। उनका सामना पहले दौर में मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप से होगा। पिछले 16 महीने में यह उनका पहला फाइनल था। सात्विक ने कहा,' हम जिस तरह से खेल रहे हैं, हम जीत सकते हैं ।

डेनमार्क की जूली से सिंधू की टक्कर

पिछले सप्ताह जापान के कोडाइ नराओका को हराने वाले आयुष शेट्टी का सामना चीनी ताइपै के छठी वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन से होगा। महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू की टक्कर डेनमार्क की जूली डावाल जैकबसन से होगी। तीस वर्ष की सिंधू विश्व चैंपियनशिप क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी लेकिन लाइन क्रिस्टोफरसेन से हार गई। महिला युगल में श्वेतापर्णा और रितुपर्णा पांडा की टक्कर मलेशिया की ओंग शिन यी और कारमेन तिंग से होगी। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और शिवानी गाड्डे का सामना जापान के युइची शिमोगामी और सयाका होबारा से होगा जबकि ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की टक्कर चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग से होगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com